THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 282 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.4 2081 शुक्रवार, 3 जनवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

चंदन गुप्ता हत्याकांड : छह साल बाद एनआईए कोर्ट ने सुनाया फैसला, 28 दोषी करार

लखनऊ, 2 जनवरी (एजेंसियां)। लखनऊ की विशेष एएनआई कोर्ट ने कासगंज में हुए चंदन गुप्ता हत्याकांड में छह साल बाद फैसला सुना दिया है। कोर्ट ने 28 आरोपियों को दोषी करार दिया है जबकि दो को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया है। बता दें कि 26 जनवरी 2018 को कासगंज में तिरंगा यात्रा के दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता चंदन गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जिसके बाद इलाके में हिंसा फैल गई थी। घटना को लेकर यूपी में कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठे थे।

आज पीएम मोदी फूंकेंगे चुनावी बिगुल

4500 करोड़ की कई परियोजनाओं की सौगात देंगे

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली विधानसभा चुनाव का बिगुल शुक्रवार को फूंकेंगे। रोहिणी के जापानी पार्क में पीएम रैली को संबोधित करेंगे और दिल्ली के विकास की कार्ययोजना पेश करते हुए 4500 करोड़ रुपये की कई परियोजनाओं की सौगात देंगे। वहीं, प्रधानमंत्री की दूसरी रैली पांच जनवरी को पूर्वी दिल्ली के सीबीडी ग्राउंड में प्रस्तावित है।

इस मौके पर प्रधानमंत्री दिल्ली मेट्रो के फेज-4 के तहत रिठाला-नरेला-कुंडली लाइन का शिलान्यास और दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाईवे के शुभारंभ के साथ ही दिल्ली को जाम व प्रदूषण मुक्त करने के लिए चार मुख्य प्रोजेक्टों से अवगत कराएंगे। भाजपा जनसभाओं में भारी भीड़ जुटाने की तैयारी में है।

मंडल अध्यक्षों को कम से कम दो बसें भरकर लाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत, योगेंद्र चांदौलिया और रामवीर सिंह बिधूड़ी को रैली आयोजित करने के लिए प्रभारी बनाया गया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि रैलियों में मोदी की गारंटी की घोषणा होगी। भाजपा

की रणनीति चुनाव कार्यक्रम के ऐलान से पहले उम्मीदवारों की सूची को भी अंतिम रूप देने की है। यह भी संभव है कि दोनों रैलियों के बाद चुनाव आयोग विधानसभा चुनाव की तारीख घोषित कर दे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 जनवरी को पूर्वी और पश्चिमी दिल्ली में दो नए दिल्ली विश्वविद्यालय परिसरों के साथ-साथ वीर सावरकर के नाम पर एक कॉलेज की आधारशिला रख सकते हैं। विश्वविद्यालय के सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह कॉलेज नजफगढ़ में सावरकर कॉलेज 140 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनाया जाएगा। इसे 2021 में डीयू की कार्यकारी परिषद ने मंजूरी दी थी।

सूत्रों के मुताबिक, विश्वविद्यालय ने पीएम मोदी को निमंत्रण भेजा है और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से पुष्टि का इंतजार कर रहा है। वहीं, विश्वविद्यालय ने दो कॉलेजों की स्थापना के लिए नजफगढ़ और फतेहपुर बेरी में दो भूखंड आवंटित किए हैं।

सूरजमल विहार में प्रस्तावित पूर्वी परिसर की स्थापना 373 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से की जाएगी। वहीं, द्वारका में पश्चिमी परिसर की लागत 107 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। कार्यकारी परिषद ने 2021 में दिवंगत भाजपा नेता सुषमा स्वराज के नाम पर एक कॉलेज का नाम रखने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी थी। डीयू के कुलपति योगेश सिंह को दो आगामी कॉलेजों के लिए नामों के समूह में से नाम चुनने का अधिकार दिया गया था। नामों की इस सूची में सावरकर के अलावा स्वामी विवेकानंद, वल्लभभाई पटेल, सावित्रीबाई फुले जैसे नाम भी शामिल थे।

'लालू यादव की मर्जी वो चाहे जो कहें, हम एनडीए के साथ'

* नीतीश कुमार ने खारिज कर दी लालू की बात

पटना, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के मुखिया लालू यादव द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का स्वागत वाले बयान पर पूरे बिहार में राजनीतिक माहौल गर्म नजर आ रहा है। इसी को लेकर केंद्रीय पंचायती राज मंत्री ललन सिंह ने कहा है कि जेडीयू पूरी मजबूती के साथ एनडीए में बनी हुई है। वहीं लालू के बयान पर उन्हीं के बेटे और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के सूर भी नहीं मिल रहे हैं। उनके बयान से लग रहा है कि राजद में सब ठीक नहीं है।

मामला उस समय से चर्चा में बना हुआ है जब नए साल के मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव ने कहा था कि नीतीश कुमार का वो माफ कर देंगे। नीतीश और लालू के बीच छोटे भाई और बड़े भाई का रिश्ता है। नीतीश कुमार चाहेंगे तो दोनों दलों के बीच फिर से गठबंधन हो जाएगा।

नीतीश कुमार ने खारिज कर दी लालू की बात :

वहीं इस पूरे मामले पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस पूरे मामले को ही सिरे से खारिज कर दिया। वहीं जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे मुंगेर से सांसद और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने इसको लेकर मीडिया से बात करते हुए कहा कि जेडीयू पूरी तरह से एनडीए के साथ हैं और पूरी दृढ़ता के साथ हैं। लोग क्या कहते हैं, इस पर मैं प्रतिक्रिया नहीं दे सकता। हर किसी को अभिव्यक्ति की आजादी है, लोग जो चाहें कह सकते हैं।

लालू की बात को तेजस्वी ने काटा

गुरुवार की सुबह लालू यादव के बयान को लेकर तेजस्वी यादव से मीडिया ने पूछा तो उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार से कोई गठबंधन नहीं हो सकता है। उनकी नो एंट्री है। इसके साथ ही तेजस्वी ने ये भी कहा कि आगामी चुनाव में नीतीश कुमार सत्ता से बाहर हो जाएंगे।इस पूरे मामले पर बीजेपी ने चुटकी लेते हुए कहा है कि राजद और लालू परिवार के लिए ये कोई नई बात नहीं है।

'मोदी सरकार ने यूपीए सरकार से पांच गुना अधिक रोजगार सृजित किया'

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने पिछले एक दशक में रोजगार को काफी बढ़ावा दिया है। 2004 से 2014 तक संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के कार्यकाल की तुलना में वर्तमान सरकार के कार्यकाल में लगभग पांच गुना अधिक नौकरियां पैदा हुईं हैं।

केंद्रीय श्रम व रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के आंकड़ों का हवाला देते हुए यह दावा किया है। मनसुख मांडविया ने खास बातचीत में बताया, आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 2004 से 2014 के बीच, यूपीए के 10 साल के कार्यकाल के दौरान 2.9 करोड़ नौकरियां पैदा हुईं। और 2024 में, सिर्फ एक साल में, 4.9 करोड़ नौकरियां पैदा हुई हैं, और ये आंकड़े मेरे अपने नहीं हैं, मैं आरबीआई के आंकड़ों का हवाला दे रहा हूं।आंकड़ों से पता चलता है कि 2004 से 2014 के बीच, यूपीए सरकार ने 2.9 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां पैदा कीं।

दिलजीत दोसांझ यूं ही नहीं पहुंचे पीएम मोदी के दर, अटकलें मिली-जुली

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। आज सोशल मीडिया पर सबसे बड़ी हलचल पंजाबी सिंगर और बॉलीवुड एक्टर दिलजीत दोसांझ के पीएम नरेंद्र मोदी के आवास पर पहुंचने को लेकर है। एक्स पर देश के लोग दो भागों में बंटे हुए हैं।

एक तरफ मोदी समर्थक तो दूसरे हैं मोदी विरोधी। जो खुद को लिबरल समझते हैं उन्हें मोदी की तारीफ करने वाले लोग मोदी भक्त नजर आते हैं। पर बुधवार को

2025 के पहले दिन दिलजीत और पीएम मोदी का गले लगना दोनों ही पक्षों को निराश कर गया। किसान आंदोलन के समय दिलजीत मोदी सरकार के मुखर विरोधी बन गए थे। बॉलीवुड अभिनेत्री और अब बीजेपी सांसद बन चुकीं कंगना रनौत से हुई उनकी बहस को आज भी याद किया जाता है। बीच में एक ऐसा वक्त भी आया जब कुछ दक्षिणपंथी ट्वीटर हैंडल्स ने उन्हें खालिस्तानी और डीप स्टेट का एजेंट तक कहा।

किसान आंदोलन : सुप्रीम कोर्ट बोला आपसे कमेटी के जरिए बात करेंगे

चंडीगढ़, 2 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा-पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर 38 दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत डल्लेवाल को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इसमें कोर्ट ने फिर पंजाब सरकार पर सख्त रुख दिखाया। कोर्ट ने कहा कि जानबूझकर हालात बिगाड़ने की कोशिश हो रही है। हमने कभी अनशन तोड़ने को नहीं कहा।

कोर्ट ने पंजाब सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि आपका रवैया ही सुलह करवाने का नहीं है। कुछ तथाकथित किसान नेता गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी कर रहे हैं। इस केस में डल्लेवाल की दोस्त एडवोकेट गुनिंदर कौर गिल ने पार्टी बनने की याचिका दायर की थी। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, कृपया टकराव के बारे में न सोचें, हम किसानों से सीधे बातचीत नहीं कर सकते। कोर्ट ने यह भी कहा कि हमें डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती कराने के आदेश की कंप्लायंस रिपोर्ट चाहिए। सुनवाई के दौरान पंजाब के डीजीपी और चीफ सेक्रेटरी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मौजूद रहे।

कांग्रेस का सरकार पर महिलाओं का मंगलसूत्र चुराने का आरोप

> कहा-गोल्ड लोन पर बढ़ रहे डिफॉल्ट

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुरुवार को एक बार फिर मोदी सरकार पर महिलाओं के मंगलसूत्र को चोरी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र के मित्र पूंजीवाद, मनमौजी नीति निर्माण और गलत प्राथमिकताओं के कारण सोने के कर्जों पर डिफॉल्ट बढ़ रहे हैं। इसकी वजह से महिलाएं अपना मंगलसूत्र तक खो रही हैं।

30 प्रतिशत गोल्ड लोन पर चूक :

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि लोग कम से कम 30 प्रतिशत गोल्ड लोन पर चूक कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, मोदी सरकार की बढ़ती रिश्तेदारी, अनियमित नीति निर्माण और विकृत प्राथमिकताओं ने इसे देश के इतिहास में एकमात्र सरकार बना दिया है जो महिलाओं से मंगलसूत्र चुराने का कलंक हासिल कर चुकी है।

तीन लाख करोड़ रुपये के गोल्ड लोन...

उन्होंने कहा, जब नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री मंगलसूत्र छीनने की एक काल्पनिक साजिश को लेकर लोगों को डरा रहे थे, तब हमने उनके कार्यकाल के दौरान गोल्ड लोन में तेजी से हुई वृद्धि का मुद्दा उठाया था। अनुमानित रूप से करीब तीन लाख करोड़ रुपये के गोल्ड लोन भारतीय परिवारों के पास हैं, जो आज तक बकाया हैं। अब यह सामने आ रहा है कि कर्ज बढ़ने और अर्थव्यवस्था के सुस्त होने के साथ, गोल्ड लोन डिफॉल्ट होने के मामले बढ़ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, वर्ष 2024 में मार्च और जून के बीच तीन महीनों में गोल्ड लोन एनपीए का अनुपात 30 प्रतिशत बढ़ा है (5,149 करोड़ रुपये से 6,696 करोड़ रुपये। ये तो सिर्फ औपचारिक क्षेत्र के गोल्ड लोन्स हैं) इसका कोई अनुमान नहीं है कि कितने परिवारों ने अनौपचारिक क्षेत्र का सहारा लेकर इस तरह का लोन लिया है।

रमेश ने कहा कि जब परिवार इस तरह के लोन्स के मामलों में डिफॉल्ट करते हैं, तब आम तौर पर उन्हें अपनी सोने की संपत्ति खोनी पड़ती है, ज्यादातर मामलों में महिलाओं के आभूषण होते हैं, जिसमें मंगलसूत्र भी शामिल है। मोदी सरकार के मित्र पूंजीवाद, मनमौजी नीति निर्माण और गलत प्राथमिकताओं ने इसे स्वतंत्र भारत के इतिहास में महिलाओं से मंगलसूत्र छीनने वाली एकमात्र सरकार बना दिया है।

ईडी की बंगाल में छापेमारी

> तमिलनाडु में 100 करोड़ से अधिक की साइबर धोखाधड़ी मामले में कार्रवाई

कोलकाता, 2 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने तमिलनाडु में 100 करोड़ से अधिक की साइबर धोखाधड़ी की जांच के सिलसिले में गुरुवार को पश्चिम बंगाल के आठ इलाकों में छापेमारी की। कोलकाता के पार्क स्ट्रीट, सॉल्टलेक और बागुइहाटी समेत पांच इलाकों और अन्य तीन क्षेत्रों में एकसाथ छापेमारी जारी है। सॉल्टलेक में छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने पूछताछ के लिए एक व्यक्ति को हिरासत में लिया।

अधिकारी ने कहा, हमारे अधिकारी अब बागुइहाटी में एक उच्च श्रेणी के आवासीय परिसर के एक फ्लैट पर छापेमारी कर रहे हैं। बता दें कि इस अपराध में पूर्वी भारत के कई लोग शामिल हैं।

भारत-म्यांमार सीमा पर मोरेह में 9.214 किमी बाड़ लगाने का काम पूरा, सड़क निर्माण जारी

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भारत-म्यांमार सीमा पर मणिपुर के मोरेह में 9.2 किलोमीटर लंबी बाड़ लगाने की परियोजना पूरी कर ली गई है। हालांकि, बाड़ के समानांतर सड़क बनाने का काम अभी चल रहा है। गृह मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस परियोजना का उद्देश्य सुरक्षा बढ़ाना, अवैध सीमा पार गतिविधियों पर अंकुश लगाना और क्षेत्र में गश्त को मजबूत करना है। गृह मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट 2023-2024 के मुताबिक, बाड़ लगाने का काम सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को सौंपा गया था। भारत-म्यांमार सीमा 1,600 किलोमीटर से अधिक लंबी है और यह मणिपुर सहित चार पूर्वोत्तर राज्यों से होकर गुजरती है।

यह सीमा तस्करी, अवैध प्रवास और विद्रोही गतिविधियों का केंद्र रही है। मोरेह, जो एक प्रमुख सीमावर्ती शहर और महत्वपूर्ण व्यापार केंद्र है, में बाड़ लगाने की परियोजना भारत की सीमाओं को सुरक्षित करने और पूर्वोत्तर में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक बड़ा कदम है।

'नीट-यूजी परीक्षा पर विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को लागू करेंगे'

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में बताया

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में बताया कि वे नीट-यूजी की परीक्षा को लेकर विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को लागू करेंगे। सरकार ने बीते साल नीट-यूजी की परीक्षा कराने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के कामकाज की समीक्षा के लिए सात सदस्यीय विशेषज्ञ समिति गठित की थी। इस समिति को परीक्षा में संशोधन के सुझाव देने हैं।

समिति में ये लोग शामिल :

बीते साल 2 अगस्त को शीर्ष अदालत ने नीट-यूजी परीक्षा फिर से कराने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। याचिका खारिज करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि परीक्षा के दौरान पेपर लीक या गड़बड़ी के पर्याप्त सबूत नहीं मिले। सुप्रीम कोर्ट ने सात सदस्यीय विशेषज्ञ समिति के कार्यकाल को भी बढ़ाने का निर्देश दिया था।

बता दें कि इस विशेषज्ञ समिति की अध्यक्षता इसरो के पूर्व चीफ के राधाकृष्णन कर रहे हैं। इस समिति को परीक्षा को पारदर्शी बनाने और धांधली रहित बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। समिति के अन्य सदस्यों में रणदीप गुलेरिया, बीजे राव, राममूर्ति के, पंकज बंसल, आदित्य मित्तल और गोविंद जायसवाल भी शामिल हैं।

समिति ने दाखिल की रिपोर्ट

गुरुवार को केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ को बताया कि केंद्र द्वारा नियुक्त समिति ने अपनी रिपोर्ट दाखिल कर दी है और सरकार सभी सिफारिशों को लागू करेगी। मेहता ने कहा, हम सभी सिफारिशों को लागू करने जा रहे हैं और इसे (मामले को) छह महीने बाद सूचीबद्ध किया जा सकता है। पीठ ने कहा, मामले को तीन महीने के लिए स्थगित किया जाता है।

समिति को सौंपी गई थी ये जिम्मेदारी :

चिकित्सा स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए एनटीए द्वारा नीट-यूजी परीक्षा आयोजित कराई जाती है। विशेषज्ञ पैनल को झारखंड के हजारीबाग में एक परीक्षा केंद्र में प्रश्न पत्र की सुरक्षा भंग होने और उम्मीदवारों के बीच प्रश्नपत्रों के गलत सेट का वितरण जैसी घटनाओं की जांच करने की जिम्मेदारी मिली थी। साथ ही समिति को परीक्षा सुरक्षा और प्रशासन, डेटा सुरक्षा और तकनीकी संवर्द्धन पर भी अपनी रिपोर्ट देने को कहा गया था। एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 2024 में 23 लाख से अधिक छात्रों ने नीट-यूजी परीक्षा दी।

मनमोहन सिंह का स्मारक राजघाट के पास बन सकता है

केंद्र ने परिवार को जगह सुझाई, जमीन लेने के लिए ट्रस्ट बनेगा-वही आवेदन करेगा

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का स्मारक बनाने के लिए जमीन आवंटन का काम शुरू हो चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, केंद्र सरकार ने स्मारक के लिए डॉ. सिंह के परिवार को कुछ जगहें सुझाई हैं। परिवार की तरफ से जगह का चुनाव हो जाने के बाद आगे की कार्यवाही शुरू की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, गांधी-नेहरू परिवार की समाधियों के नजदीक ही डॉ. सिंह का स्मारक बनाए जाने की संभावना है।

स्मारक के लिए एक-डेढ़ एकड़ जमीन दी जा सकती है। इसके लिए शहरी विकास मंत्रालय के अधिकारियों ने राजघाट और उसके आसपास का दौरा भी किया है। नई पॉलिसी के मुताबिक, जमीन आवंटन किसी ट्रस्ट को ही किया जा सकता है। इस वजह से पहले ट्रस्ट का गठन करना होगा। जमीन के लिए आवेदन ट्रस्ट ही करेगा।

स्मारक को लेकर कांग्रेस ने मोदी-शाह को पत्र लिखा था...

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 27 दिसंबर की शाम पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर कहा था कि डॉ. सिंह का अंतिम संस्कार जहां हो, वहीं स्मारक बनाया जाए। हालांकि, गृह मंत्रालय ने निगमबोध घाट पर अंतिम संस्कार करवाया था। कांग्रेस ने इस पर नाराजगी जताई थी और कहा था कि यह पूर्व पीएम का अपमान है। स्मारक के लिए जमीन न दिए जाने के आरोप पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 28 दिसंबर को कहा था- डॉ. सिंह के स्मारक के लिए जगह आवंटित कर दी गई है। इसके बारे में उनके परिवार को भी जानकारी दे दी गई है। हालांकि, नड्डा ने यह नहीं बताया था कि जमीन कहां दी गई।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी बोले-कांग्रेस झूठ फैला रही :

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के स्मारक को लेकर कांग्रेस और केंद्र सरकार के बीच जमकर राजनीति हुई। कांग्रेस का आरोप है कि केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री के कद के मुताबिक उनके अंतिम संस्कार और स्मारक को लेकर जैसा सम्मान दिया जाना चाहिए था, वैसा नहीं दिया। मामले में 29 दिसंबर को शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, डॉ. मनमोहन सिंह जी के स्मारक को लेकर कांग्रेस सरेआम झूठ फैला रही है।

संभल की वक्फ संपत्तियों की होगी जांच

मुरादाबाद, 2 जनवरी (एजेंसियां)। संभल की जामा मस्जिद के करीब बन रही पुलिस चौकी की संपत्ति पर विवाद उठने के बाद प्रशासन ने शहर की सभी वक्फ संपत्तियों की जांच करने का निर्णय लिया है। इस बीच कागजों की पड़ताल के बाद नगर पालिका की बताई गई है।

कोर्ट के आदेश पर जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान शहर में हुई हिंसा के बाद सख्ती जारी है। इसके तहत ही जामा मस्जिद के पास पुलिस चौकी बनाई जा रही है। जिसका नाम सत्यव्रत है। कुछ लोगों ने पुलिस चौकी का निर्माण होने वाली भूमि को वक्फ संपत्ति बताते हुए दावा किया था। इसके बाद दस्तावेजों की जांच की गई थी। जांच में लोगों की ओर से पेश किए गए सभी दस्तावेज वैध नहीं मिले थे। इसके बाद यह सामने आया है कि शहर में कई वक्फ संपत्तियां हैं, जिनके खुर्दबुर्द करने की आशंका हैं।

अमित शाह ने दिए कश्मीर का नाम बदलने के संकेत

* कश्मीर का नाम कश्यप हो सकता है * शासकों को खुश करने के लिये इतिहास लिखने का वक्त गया

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख थ्रू द एजेस पुस्तक को लॉन्च किया गया। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कश्मीर का नाम बदलने के भी संकेत दिए। शाह ने कहा कि कश्मीर का नाम ऋषि कश्यप के नाम से हो सकता है। अगर भारत को समझना है तो इस देश को जोड़ने वाले तथ्यों को समझना होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है और निर्भरता के समय में कोशिशें की गईं कि हम इसे भुला दें। एक झूठ फैलाया गया कि यह देश कभी एकजुट नहीं हो सकता और लोगों ने इसे मान लिया था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा, हमारे देश का इतिहास हजारों साल पुराना है। हर कोने से दुनिया भर की सभ्यता को कुछ न कुछ देने के लिए कई गतिविधियां हुई। लेकिन हमारी गुलामी के कालखंड में हमारा प्रजातीय आम्तविश्वास तोड़ने के क्रम में इसको विस्मृत कराने के कई प्रयास किए गए। एक झूठ फैलाया गया कि देश कभी एक था ही नहीं।

देश की आजादी की कल्पना ही बेईमानी है, क्योंकि यह देश कभी था ही नहीं। ढेर सारे लोगों ने इस झूठ को स्वीकार कर लिया। जब इसके मूल में जाते हैं तो हमें मालूम पड़ता है कि अंग्रेजों के समय में लिखे गए इतिहास में कोई खराब इरादा नहीं होगा। लेकिन इनके अल्पज्ञान के कारण उनकी देश की व्याख्या ही गलत थी। एक प्रकार से देखे तो दुनिया भर के अधिकांश देशों का अस्तित्व जियो पॉलिटिकल अस्तित्व है। सीमाओं से बने हुए देश हैं। या तो किसी युद्ध से जन्मे हैं।अमित शाह ने अनुच्छेद 370 और 35ए हटाने पर भी बात की। उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 और 35ए ये हमारे देश को एक प्रकार से हमारे देश के साथ कश्मीर को एकरूप होने से रोकने वाले योगदान थे। उस वक्त भी जनता यह नहीं चाहती थी। संविधान सभा में भी बहुमत नहीं चाहता था, कि धारा 370 संविधान का हिस्सा बनें। पीएम मोदी के मजबूत संकल्प ने इसे कश्मीर से हटाया, जिसके बाद से कश्मीर और पूरे देश में विकास शुरू हुआ। अनुच्छेद ने 370 ने घाटी में अलगाववाद के बीज बोये जो बाद में आतंकवाद में बदल गए। अनुच्छेद 370 ने यह झूठ बताया कि कश्मीर और पूरे देश के बीच संबंध अस्थाई है।

उन्होंने आगे कहा, कश्मीर में दशकों तक आतंकवाद रहा और देश इसे देखता रहा। अनुच्छेद 370 हटने के बाद आतंकवाद 707 कम हुआ। कांग्रेस हम पर जो चाहे आरोप लगा सकती है। पीएम मोदी ने 80,000 करोड़ रुपये का पैकेज जारी किया। हमने न सिर्फ आतंकवाद पर काबू पाया, बल्कि बल्कि पीएम मोदी सरकार ने आतंकी इको-सिस्टम को भी ध्वस्त कर दिया।

पहली बार अंतरिक्ष से मोबाइल कॉल होगा मुमकिन

इसरो अमेरिकी सैटेलाइट लॉन्च कर रचेगा इतिहास

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। इसरो के लिए 2025 बेहद खास बनने वाला है। आने वाले 6 महीनों में, इसरो एक के बाद एक बड़े मिशन लॉन्च करने वाला है। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा में है गगनयान मिशन और भारत-अमेरिका का अब तक का सबसे महंगा संयुक्त सैटेलाइट निसार। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। जल्द ही आपके फोन से सीधे अंतरिक्ष में कॉल करना मुमकिन होगा। इसरो 2025 के फरवरी-मार्च में एक अमेरिकी कम्युनिकेशन सैटेलाइट लॉन्च करेगा। इसकी मदद से आपका स्मार्टफोन सीधे अंतरिक्ष से जुड़कर कॉल करने और इंटरनेट चलाने में सक्षम होगा। खास बात यह है कि इसके लिए किसी स्पेशल हैंडसेट या टर्मिनल की जरूरत नहीं होगी। यह पूरी तरह से कमर्शियल लॉन्च होगा, जिसे इसरो की कमर्शियल विंग न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) अंजाम देगी।

क्या है ये मिशन?

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अमेरिका की एएसटी स्पेसमोबाइल कंपनी का सेटेलाइट करेगी। यह मिशन एक खास तकनीक पर आधारित है जो मोबाइल फोन को सीधे सेटेलाइट से जोड़ने की क्षमता देगा। यह पहली बार है, जब कोई अमेरिकी कंपनी भारत से एक विशाल कम्युनिकेशन सैटेलाइट लॉन्च करा रही है। भारत ने अब तक अमेरिकी कंपनियों के छोटे सैटेलाइट्स ही लॉन्च किए हैं। इस तकनीक का मकसद दुनिया के हर कोने में मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध कराना है, चाहे वह पहाड़ों के बीच हो, जंगलों में हो या फिर समुद्र के बीचों-बीच। अब बिना मोबाइल टावर के भी कॉल और इंटरनेट सेवा मिल सकेगी। यह उन क्षेत्रों के लिए क्रांतिकारी साबित होगा जहां नेटवर्क कवरेज एक बड़ी चुनौती है।

कैसे काम करेगा यह सिस्टम?

ये एक बड़ा और उन्नत सेटेलाइट है, जिसे डायरेक्ट-टू-सेल तकनीक पर डिजाइन किया गया है। यह सेटेलाइट सीधे फोन पर सिग्नल भेजेगा, जिससे बिना किसी इंटरमीडियरी टावर या नेटवर्क के मोबाइल काम करेगा। यानी, आपका स्मार्टफोन सीधा अंतरिक्ष से कनेक्ट होगा। इसरो के लिए यह मिशन एक और उपलब्धि है, जो अंतरराष्ट्रीय स्पेस मिशनों में भारत की भूमिका को और मजबूत करता है।

आधे फुटबॉल मैदान बराबर एंटीना होगा

इस सैटेलाइट का एंटीना लगभग 64 वर्ग मीटर का होगा, जो आधे फुटबॉल मैदान के आकार के बराबर है। करीब 6000 किलोग्राम वजनी होगा और इसे भारत के श्रीहरिकोटा से इसरो के एलवीएम-3 रॉकेट (बाहुबली) के जरिए निचली कक्षा में स्थापित किया जाएगा। यह लॉन्च इसरो के लिए एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि इससे अमेरिकी कंपनियों का भारत के रॉकेट और लॉन्च सिस्टम पर विश्वास बढ़ेगा। इससे पहले, एलवीएम-3 ने दो बार वनवेब सैटेलाइट ग्रुप को सफलतापूर्वक लॉन्च किया है।

क्या होंगे इसके फायदे?

दुनिया भर में नेटवर्क कवरेजः अब दुर्गम क्षेत्रों में भी नेटवर्क मिल सकेगा। आपदा प्रबंधन में मददः बाढ़, भूकंप, या किसी भी आपदा के समय जब मोबाइल टावर काम नहीं करते, यह तकनीक बेहद उपयोगी होगी।

सस्ता और सुलभ नेटवर्कः मोबाइल नेटवर्क कंपनियों के खर्च में कमी आएगी, जिसका सीधा लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा।

कंपनी का कहना है कि सर्विस (अंतरिक्ष से सीधे कॉल) का इस्तेमाल करने के लिए किसी को सर्विस प्रोवाइडर्स (मोबाइल नेटवर्क देने वाली कंपनियां जैसे- एयरटेल, वोडाफोन) बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके लिए हम दुनियाभर के मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटरों के साथ काम कर रहे हैं।

बीएसएफ करवा रही बंगाल में घुसपैठ, केंद्र पर बरसीं ममता बनर्जी; बोलीं- हमें बदनाम करने की साजिश

कोलकाता, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने आज केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए बीएसएफ पर बड़ा आरोप लगाया है। ममता ने कहा कि लोग बीएसएफ इस्लामपुर, सीताई, चोपड़ा के रास्ते से घुस रहे हैं, लेकिन कोई कुछ नहीं कर रहा। ममता ने कहा कि हमारे पास खबर है कि बीएसएफ कुछ काम नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि इस चीज का कोई विरोध क्यों नहीं कर रहे हैं? ममता ने कहा कि सीमा बीएसएफ के हाथ में है और आरोप हमारे पर लगाए जा रहे हैं। अगर किसी को लगता है कि लोग बंगाल में घुसपैठ कर रहे हैं और तृणमूल को बदनाम कर रहे हैं, तो उन्हें चेतावनी दी जानी चाहिए कि तृणमूल कांग्रेस ये काम नहीं करती है। बीएसएफ के गलत कामों का समर्थन करके तृणमूल को गाली न दें।

शिवराज चौहान की चिट्ठी पर भड़के अरविंद केजरीवाल

'कृषि कानूनों को दोबारा लागू करने की हो रही तैयारी'

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में किसानों को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की चिट्ठी पर आम आदमी पार्टी (आप) हमलावर है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में किसान कई दिनों से धरने और अनिश्चित अनशन पर बैठे हैं। इनकी वही मांगे हैं जो केंद्र सरकार ने तीन साल पहले मान ली थी लेकिन अभी तक लागू नहीं की। शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को लिखी चिट्ठी में कहा है कि आप की सरकार किसानों के प्रति बेहद उदासीन है। किसानों के लिए आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार में कोई संवेदना नहीं है। 10 वर्षों से दिल्ली में आप की सरकार है, लेकिन पूर्व सीएम केजरीवाल ने हमेशा किसानों के साथ केवल धोखा किया है।

बीजेपी को इतना ज्यादा अहंकार क्यों है- केजरीवाल

शिवराज चौहान की इसी चिट्ठी के जवाब में दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "बीजेपी सरकार अब अपने वादे से मुकर गई। बीजेपी सरकार किसानों से बात तक नहीं कर रही। उनसे बात तो करो। हमारे ही देश के किसान हैं। बीजेपी को इतना ज्यादा अहंकार क्यों है कि किसी से बात भी नहीं करते?" उन्होंने कहा, "पंजाब में जो किसान अनिश्चित अनशन पर बैठे हैं, भगवान उन्हें सलामत रखें लेकिन यदि उन्हें कुछ होता है तो इसके लिए बीजेपी जिम्मेदार होगी।" देशभर के किसानों की जानकारी के लिए मैं बता दूं कि जो तीन काले कानून केंद्र ने तीन साल पहले किसानों के आंदोलन की वजह से वापिस लिए थे, उन्हें "पालिसी" कहकर केंद्र सरकार पिछले दरवाजे से दोबारा लागू करने की तैयारी कर रही है। इस पालिसी की कॉपी उनके विचार जानने के लिए केंद्र ने सभी राज्यों को भेजी है।"

सोनिया बनी कैथल जिला परिषद की उपाध्यक्ष, सर्वसम्मति से हुआ चुनाव

कैथल, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कैथल जिला परिषद में अध्यक्ष के चुनाव के बाद गुरुवार को उपाध्यक्ष पद का चुनाव संपन्न हुआ। भाजपा समर्थित पार्षद सोनिया को सर्वसम्मति से जिला परिषद कैथल की उपाध्यक्ष चुना गया। इसमें 21 पार्षदों में से 19 पार्षदों ने हिस्सा लिया। नामांकन के बाद सर्वसम्मति से सोनिया के नाम पर सहमति बनी, जिससे मतदान की आवश्यकता नहीं पड़ी। सोनिया वार्ड नंबर 10 की पार्षद हैं और भाजपा समर्थित उम्मीदवार के रूप में उनकी यह जीत भाजपा के लिए एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। चुनाव के बाद सोनिया ने कहा कि वे क्षेत्र के विकास और जनता की भलाई के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगी।

'केंद्र सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं करेगी

साल 2026 के बाद केंद्र सरकार बचेगी या नहीं', संजय राउत का बड़ा बयान

मुंबई, 2 जनवरी (एजेंसियां)। शिवसेना-यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने गुरुवार को केंद्र सरकार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 'मेरे मन में संदेह है कि साल 2026 के बाद केंद्र सरकार बचेगी या नहीं। मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना कार्यकाल पूरा नहीं करेंगे और एक बार केंद्र सरकार अस्थिर हो गई तो इसका असर महाराष्ट्र पर भी पड़ेगा।' इसके अलावा उन्होंने बीएमसी चुनाव पर कहा कि तैयारी चल रही है। वहीं बीड में सरपंच की हत्या पर कहा कि इसके तार राज्य सरकार के एक मंत्री से जुड़ा हुआ है। अब एसआईटी जांच की बात हो रही है। बीड और परभणी के घटना को लेकर शिवसेना-यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे चिंतित हैं। इस घटना के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की जिम्मेदारी है। लोकसभा चुनाव में राज्य में बीजेपी हार गई थी। उन्होंने एकनाथ शिंदे पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति पर चलते हैं।

महाराष्ट्र के हालात बिहार से ज्यादा खराब- संजय राउत

इससे पहले भी संजय राउत ने परभणी की घटना को लेकर महाराष्ट्र की सरकार पर हमला बोला था। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के हालात बिहार से ज्यादा खराब हैं और सीएम को इसका संज्ञान लेना चाहिए। विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए संजय राउत ने कहा कि विपक्ष को क्या करना है, कहां जाना है, क्या बोलना है, यह पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह या सीएम देवेंद्र फडणवीस तय नहीं कर सकते। महाराष्ट्र की स्थिति बिहार से भी ज्यादा गंभीर है, जिसे सीएम फडणवीस को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीड और परभणी में हुई घटनाएं राज्य की छवि को कलंकित करती हैं और इन अपराधों में शामिल लोग आपकी सरकार में मंत्री हैं। राहुल गांधी का परभणी दौरा सही था क्योंकि उन्होंने इन मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया। मुख्यमंत्री और गृह मंत्री को इन घटनाओं की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

'मेरी बहन को चौथी मंजिल से धक्का दिया गया', छत से गिरकर हुई महिला की मौत

गुरुग्राम, 2 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम में एक महिला की कथित तौर पर घर की छत से धक्का दिए जाने से मौत हो गई। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, इस मामले में उसके पति और ससुराल वालों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में महिला के परिजनों ने ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला के भाई तारेश विजयरन द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, 30 दिसंबर को उसे सूचना मिली थी कि उसकी बहन रितु सेक्टर 5 इलाके में अपने ससुराल के घर की छत से गिर गई और उसकी मौत हो गई। विजयरन ने घटना के बारे में बताते हुए कहा, 'पिछले सोमवार को मेरी बहन ने मुझे फोन किया और वह रो रही थी। उसने मुझे बताया कि उसका पति रोहित, सास कांता और ससुर राजबीर उसे पीट रहे थे।' महिला के भाई के हवाले से पुलिस ने बताया कि बाद में उसे सूचना मिली कि रितु छत से कूद गई और उसकी मौत हो गई।

सीएम उमर अब्दुल्ला की मोदी सरकार से अपील, 'जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दें

जम्मू, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कश्मीर के मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नेता उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार से पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा, "हम अपने वादे पर कायम हैं। जम्मू-कश्मीर का स्टेटस बदलना होगा।" उमर अब्दुल्ला ने कहा, "जम्मू-कश्मीर का यूटी (केंद्र शासित प्रदेश) रहना एक टेंपररी है। लोगों ने चुनाव में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और हम केंद्र सरकार से अपील करते हैं कि लोगों को तोहफा दें।" उन्होंने कहा, "जम्मू-कश्मीर को स्टेट का दर्जा दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने भी जल्द से जल्द देने की बात कही थी। इस बात को एक साल हो गया है, मेरे ख्याल से ये वक्त काफी है।" उन्होंने कहा, "2 महीने सरकार में आए हो गए है। हमें यह समझने में समय लगा कि केंद्र शासित प्रदेश सरकार कैसे काम करती है। हम पहले भी सरकार से जुड़े रहे हैं, लेकिन उस स्वरूप और वर्तमान स्वरूप में बहुत अंतर है।" शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने कहा कि नई सरकार की शुरुआत अच्छी रही है और उन्हें इसमें ज्यादा कठिनाई नहीं हुई। हम अपने चुनावी वादों पर कायम हैं और उनमें से कुछ के क्रियान्वयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है, अन्य पर काम करने के लिए हमें व्यवस्था में बदलाव की जरूरत है। उमर अब्दुल्ला ने कहा, "बीजेपी कहती है कि जम्मू-कश्मीर का मामला सुलझ गया है। जम्मू-कश्मीर का एक हिस्सा उस तरफ भी है। तो क्या ये हम मान कर चलें कि जो एलओसी के पार का हिस्सा है वो भी सुलझ गया है? जाहिर सी बात है, नहीं सुलझा है। मसला कश्मीर अभी है। हम चाहते हैं कि हो।"

अस्पताल ने मृत घोषित किया, अंतिम संस्कार की तैयारी तभी गड्ढे से टकराई एंबुलेंस और जिंदा हो गया शख्स

कोल्हापुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कोल्हापुर से एक ऐसी खबर सामने आई है जिसे आप नए साल का चमत्कार या 'न्यू ईयर मिरेकल' भी कह सकते हैं। सड़क पर गड्ढे जो लोगों की जान के लिए बड़ा खतरा माने जाते हैं, उन्हीं गड्ढों ने एक व्यक्ति की जान वापस कर दी! दरअसल, कोल्हापुर में एक बुजुर्ग व्यक्ति पांडुरंग तात्या की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी।

अस्पताल में डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। घर में शोक का माहौल पसर गया। घर वालों ने अंतिम संस्कार की तैयारी की और बुजुर्ग के शव को एंबुलेंस के जरिए घर लाया जाने लगा। बीच रास्ते एंबुलेंस गड्ढे से टकरा गई और अचानक बुजुर्ग पांडुरंग सांसें लेने लगे। रिपोर्ट के अनुसार, यह फिल्मी घटना कोल्हापुर के कस्बा बावड़ा में हुई। यहां के पांडुरंग तात्या 15 दिन पहले हरिनाम का जाप कर रहे थे, जब उन्हें दिल का दौरा पड़ा। उन्हें घर वाले तुरंत अस्पताल लेकर भागे, जहां उनका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान पांडुरंग की मौत हो गई। डॉक्टर्स ने इस बात की पुष्टि की कि बुजुर्ग पांडुरंग अब नहीं रहे। यह खबर मिलते ही उनके घर पर सभी रिश्तेदार इकट्ठा होने लगे। रिश्तेदारों में शोक का माहौल पसर गया। रोते-बिलखते लोग एक दूसरे को ढांढस बंधाने लगे, लेकिन कुछ समय बाद पता चला कि पांडुरंग जिंदा हैं। एंबुलेंस के गड्ढे से टकराने के बाद बुजुर्ग के शरीर में अचानक से हरकत होने लगी। इसके बाद परिजन उन्हें तुरंत वापस ले गए। अस्पताल में जिस बुजुर्ग को मृत घोषित किया गया था,

ओवैसी की याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार सुप्रीम कोर्ट, 17 फरवरी की तारीख तय

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 से जुड़ी असदुद्दीन औवेसी की याचिका पर सुनवाई करने के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार हो गया है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार ने इस संबंध में आदेश जारी किया।

17 फरवरी को होगी सुनवाई

चीफ जस्टिस की पीठ ने आदेश दिया कि ओवैसी की याचिका को केस से जुड़ी सभी पेंडिंग याचिकाओं के साथ जोड़ दिया जाए और इसकी सुनवाई 17 फरवरी को होगी। प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट में देश के सभी धार्मिक स्थलों में 15 अगस्त 1947 की यथास्थिति बरकरार रखने का जिक्र है। ओवैसी के वकील निजाम पाशा ने कहा कि अदालत ने सभी याचिकाओं को एक साथ सुनने का निर्णय लिया है और हमारी याचिका भी उनके साथ जोड़ी जाएगी। असदुद्दीन ओवैसी ने एडवोकेट फुजैल अहमद अय्यूबी के द्वारा 17 दिसंबर को शीर्ष अदालत में याचिका दायर की थी।

शीर्ष अदालत ने दिया था आदेश

आपको बता दें कि चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली पीठ ने 12 दिसंबर को आदेश देते हुए कहा था कि कोई भी अदालत धार्मिक स्थलों, विशेष रूप से मस्जिद और दरगाह के लिए कोई भी नया केस स्वीकार नहीं करेगी और न ही पेंडिंग मामलों में अंतरिम या अंतिम आदेश जारी करेगी। ये आदेश वर्शिप एक्ट की वैधानिकता पर सुनवाई पूरी होने तक लागू रहेगा। अदालत प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 के खिलाफ दायर 6 याचिकाओं की सुनवाई कर रही थी। इसमें से एक याचिका वकील अश्विनी उपाध्याय की तरफ से दाखिल की गई थी।

क्या है प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट?

1991 में आया यह कानून किसी भी धार्मिक स्थल या पूजा स्थान की वही स्थिति बरकरार रखने का प्रावधान करता है, जो 15 अगस्त 1947 के पहले थी। असदुद्दीन औवैसी ने अपनी याचिका में अदालत से मांग की है कि वह केंद्र सरकार को कानून को प्रभावशाली ढंग से लागू करने का आदेश दे।

मुंबई की आभूषण की दुकान में 1.91 करोड़ लूटने वाला आरोपी एमपी से गिरफ्तार, चार दिन से था फरार

मुंबई, 2 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुंबई की एक आभूषण की दुकान में चार दिन पहले बंदूक की नोक पर 1.91 करोड़ रुपये के सोने और चांदी के सामान लूटने वाले मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान विनोद लखन पाल के तौर पर की गई है, जो मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले से पकड़ा गया। मामले की जांच के दौरान क्राइम ब्रांच की टीम को कुछ अहम सुराग मिले, जिसके बाद पुलिस की टीम ने निवाड़ी के एक फार्म में छापेमारी की। मौके से मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। बता दें कि आरोपी विनोद लखन पाल उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। उसने एक अन्य व्यक्ति के साथ 29 दिसंबर को ग्राहक बनकर मुंबई के अग्रीपाड़ा इलाके में सात रास्ता स्थित आभूषण की दुकान में बंदूक और चाकू दिखाकर लूटपाट की थी। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने दुकान के मालिक और कर्मचारियों को बांध दिया था। उनके साथ मारपीट करने के बाद 1.91 करोड़ मूल्य मूल्य के आभूषण लेकर भाग गए। दुकान के मालिक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अग्रीपाड़ा पुलिस ने डकैती का मामला दर्ज किया। क्राइम ब्रांच की टीम ने भी मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास की सीसीटीवी फुटेज की जांच की। एक अधिकारी ने बताया कि तकनीकी सहायता के कारण आरोपी को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया गया।

विधानसभा चुनाव में हार की समीक्षा-बीएमसी को लेकर रणनीति मातोश्री में 3 दिन तक चलेगा उद्धव ठाकरे का मंथन

मुंबई, 2 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद अब उद्धव शिवसेना ने खुद को मजबूत करने की कवायद शुरू कर दी है। विधानसभा चुनाव में हार के कारणों की जांच करने के लिए अब शिवसेना उद्धव बड़ी बैठक करने जा रही है। ये बैठक मातोश्री में 7 जनवरी से पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ की जाएगी। हर विधानसभा की अलग बैठक होगी, जिसमें मन्वयक,विधायक,पूर्व विधायक शामिल होंगे। इन बैठकों में 36 विधानसभा क्षेत्रों में हार की समीक्षा की जाएगी। विधानसभा चुनाव हारने के बाद 21 दिसंबर को मुंबई में निरीक्षकों की बैठक हुई थी। जिसके बाद अब पदाधिकारियों की तरफ से समीक्षा की जा रही है। उद्धव शिवसेना इन बैठकों के जरिए आने वाले चुनाव को लेकर भी रणनीति तैयार करेगी। इसके बाद निरीक्षकों ने 21 दिसंबर की बैठक में उद्धव ठाकरे को एक रिपोर्ट सौंपी थी।

बीएमसी चुनाव को लेकर होगी चर्चा

उद्धव शिवसेना के लिए बीएमसी चुनाव बेहद खास होने वाला है, क्योंकि इस लंबे समय से उनका ही कब्जा है। इस कब्जे को बचाए रखने के लिए पार्टी हर लेवल पर तैयारी कर रही है। इसके साथ ही इस बात पर भी जोर दिया जा रहा है कि ये चुनाव ठाकरे समूह अपने दम पर लड़े। इसको लेकर भी इन बैठकों में बातचीत की जानी है। 7 जनवरी से होने वाली बैठकों में पहले दिन घाटकोपर पश्चिम, घाटकोपर पूर्व, शिवाजी नगर मानखुर्द, कलिना अणुशक्तिनगर, चेंबूर और सायन कोलीवाड़ा की बैठक होगी। तो वहीं 8 जनवरी को मुलुंड, विक्रोली, भांडुप, कुर्ला धारावी, वडाला और माहिम की बैठक होगी। अंतिम दिन 9 जनवरी को वर्ली, शिवडी, भायखला,मालाबार हिल, मुंबा देवी और कोलाबा विधानसभा की बैठक होगी।

पहले भी हो चुकी कई विधानसभाओं की बैठकें

मातोश्री पर विधानसभा पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हो चुकी हैं, जिनमें 26 दिसंबर को बोरीवली विधानसभा, दहिसर विधानसभा, मागाठाणे विधानसभा, डिंडोशी, चारकोप, कांदिवली और मलाड विधानसभा की बैठक हुई। 27 दिसंबर को अंधेरी वेस्ट, अंधेरी ईस्ट, विलेपार्ले, बांद्रा ईस्ट, बांद्रा वेस्ट, चांदीवली विधानसभा की बैठक हुई।

13 साल के बच्चे को तेंदुए ने नोचा

छतरपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। छतरपुर जिले के किशनगढ क्षेत्र में तेंदुए के हमले का मामला सामने आया है। जहां 13 वर्षीय बालक पर हमला किया गया, जिसमें वह गंभीर घायल हुआ है। जिसे पहले स्थानीय अस्पताल फिर जिला अस्पताल छतरपुर रेफर किया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक घटना दीवान बाबा के पास की है। जहां तेंदुए ने राह चलते किशोर पर हमला कर दिया। तेंदुए के हमले में 13 वर्षीय करोड़ी आदिवासी गंभीर रूप से घायल हुआ है। तेंदुए के हमले में किशोर के मुंह और पैर में पीछे की तरफ गंभीर जख्म हैं। घायल को पहले किशनगढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे जिला अस्पताल छतरपुर रेफर किया गया। जहां उसे ट्रामा सर्जिकल वार्ड में भर्ती किया गया और इलाज जारी है। हमले की घटना की सूचना पर किशनगढ़ वन परिक्षेत्र बफर जोन अमला भी अस्पताल पहुंचा और घटना की जानकारी कर जांच और अग्रिम कार्रवाई में लगा हुआ है।

आरिफ मोहम्मद खान ने ली गवर्नर पद की शपथ

पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने दिलाई शपथ

पटना, 2 जनवरी (एजेंसियां)। आरिफ मोहम्मद खान ने आज बिहार के 42वें गवर्नर के रूप में शपथ ली है। उन्हें पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश विनोद चंद्रन ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई है। इससे पहले आरिफ मोहम्मद खान केरल के राज्यपाल थे। शपथ ग्रहण करते हुए आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, मैं ईश्वर की शपथ लेता हूं कि मैं श्रद्धापूर्वक बिहार के राज्यपाल के पद का कार्यपालन करूंगा तथा अपनी पूरी योग्यता से संविधान और विधि का परिरक्षण संरक्षण और प्रतिरक्षण करूंगा और मैं बिहार की जनता की सेवा और कल्याण में निरत रहूंगा। शपथ ग्रहण से पहले राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने पटना के बांस घाट पर जाकर देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ। राजेंद्र प्रसाद को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, आज मेरा शपथ ग्रहण है और ये लोग हैं जिनकी वजह से हम आजाद हुए हैं तो इन्हें याद करना जरूरी है।

सीएम नीतीश कुमार भी रहे मौजूद

राजभवन के राजेंद्र मंडपम हॉल में आयोजित राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के अलावा कई बड़े राजनेता मौजूद रहे। उनके अलावा कई वरिष्ठ ब्यूरोक्रेटस भी शपथ ग्रहण में शामिल हुए। बता दें कि बिहार में आरिफ मोहम्मद खान ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर की जगह जिम्मेदारी संभाली है। वहीं केरल में आरिफ मोहम्मद खान की जगह राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को भेजा गया है।

इन पार्टियों में रह चुके हैं आरिफ मोहम्मद खान

आरिफ मोहम्मद खान बहुजन समाज पार्टी, भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस में रह चुके हैं। वे केंद्रीय कैबिनेट मंत्री की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। एक जनवरी को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ उनकी मां की पुण्यतिथि पर उनके पैतृक गांव कल्याण बिगहा, हरनौत भी पहुंचे थे। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री की माता स्व। परमेश्वरी देवी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कलवाकुंतला परिवार का बीसी के प्रति प्रेम सिर्फ पाखंड : महेश गौड़

एमएलसी कविता को इसका जवाब देना चाहिए

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि बीआरएस पार्टी, जो 10 वर्षों तक सत्ता में थी। उस दौरान न केवल बीसी को धोखा दिया, बल्कि एक वर्ष में उनके उचित धन को खर्च न करके उन्हें विफल कर दिया। अब सत्ता चले जाने के बाद कलवाकुंतला परिवार बीसी के प्रति पाखंडी प्रेम दिखा रहा है और उन पर घड़ियाली आंसू बहा रहा है।

केवल कांग्रेस पार्टी ही बीसी का भला कर सकती है। सत्ता खोने के बाद बीआरएस को बीसी की याद आई। उन्होंने कहा कि बीआरएस ने स्थानीय चुनावों में बीसी के साथ अन्याय किया और उनका गला काट दिया। शराब घोटाले में फंसी एमएलसी कविता हार गईं और बीआरएस पार्टी में उनकी प्राथमिकता कम हो गई, इसलिए वह राजनीति में शामिल नहीं हुईं और अब अपना अस्तित्व बचाने के लिए बीसी के नाम पर पाखंडी नाटक शुरू कर दिया है। इंदिरा पार्क में होने वाला धरना कार्यक्रम उसी का हिस्सा है। कांग्रेस पार्टी की ओर से, हम बुद्धिमान बीसी से अनुरोध करते हैं कि वे इन साजिशों पर ध्यान दें और बीआरएस पार्टी को उचित सबक सिखाएं।

मुझे तेलंगाना का अध्यक्ष नियुक्त करना इस बात का प्रमाण है कि कांग्रेस बीसी को प्राथमिकता दे रही है। साथ ही, राज्य मंत्रिमंडल में बीसी को उच्च प्राथमिकता देने का श्रेय कांग्रेस सरकार को है। क्या किसी बीसी नेता को आपकी बीआरएस पार्टी का अध्यक्ष नियुक्त करना संभव है..? यह एक खुला रहस्य है कि आपकी पिछली सरकार के दौरान मंत्री के रूप में बीसी को कितनी प्राथमिकता दी गई थी। आपने अपने शासनकाल में हर कदम पर बीसी को कमजोर किया है, अब बीसी का जाप करना मानो वेदों को शैतानों द्वारा प्रेरित किया गया है। टीपीसीसी के अध्यक्ष के रूप में, मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछ रहा हूं जिन्होंने बीसी के नाम पर धरना देने का फैसला किया है। आशा है आप इनका सही उत्तर दे सकेंगे। उन्होंने पूछा कि कामारेड्डी में कांग्रेस पार्टी द्वारा घोषित बीसी घोषणा के अनुसार, क्या आप स्थानीय निकाय चुनावों में मौजूदा आरक्षण को 23 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने और इसके हिस्से के रूप में एक व्यापक पारिवारिक सर्वेक्षण करने के लिए कदम उठाने का विरोध कर रहे हैं। इसी क्या आप बीसी के लिए आरक्षण बढ़ाकर 23,973 बीसी को पंचायतों और नगर पालिकाओं में नए प्रतिनिधित्व के अवसर प्रदान करने के लिए कदम उठाने के लिए धरना दे रहे हैं..? क्या आप स्थानीय निकायों में बीसी आरक्षण के उप-वर्गीकरण की कार्रवाई के लिए धरना दे रहे हैं..? क्या आप स्थानीय संस्थानों में बीसी के लिए आरक्षण का प्रतिशत सुनिश्चित करने के लिए सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी भुसानी वेंकटेश्वर राव की अध्यक्षता में एक समिति नियुक्त करने के लिए धरना दे रहे हैं..?

क्या आप राज्य में जातिगत जनगणना कराने के लिए धरना दे रहे हैं ताकि जनसंख्या के आधार पर सभी क्षेत्रों में बीसी को न्याय मिल सके? क्या आप इसलिए विरोध कर रहे हैं क्योंकि कांग्रेस सरकार ने पिछली बीआरएस शासन की तुलना में बीसी कल्याण बजट को बढ़ाकर 2971.32 करोड़ रुपये कर दिया है? क्या आप इसलिए विरोध कर रहे हैं क्योंकि कांग्रेस सरकार ने गीतन्ना की शिकायतों को पहचाना और ताड़ी कॉर्पोरेशन की स्थापना की? इसी क्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कविता से कुल 15 सवाल पूछे है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार द्वारा बीसी के कल्याण के लिए कई कदम उठाए जाने के संदर्भ में, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उन्हें अधिक लाभकारी बनाने के लिए सलाह और सुझाव दिए बिना धरना दिया गया। मैं कविता और बीआरएस नेताओं को चुनौती दे रहा हूं कि क्या वे बीआरएस शासन के दस वर्षों के दौरान किए गए कार्यों और वर्तमान एक वर्ष के कांग्रेस सार्वजनिक शासन के दौरान बीसी के विकास के लिए किए गए कार्यों पर सार्वजनिक बहस के लिए तैयार हैं।

स्वयं सहायता समूह की महिलाएं पेट्रोल पंप चलाने को तैयार

संगारेड्डी, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिला मुख्यालय में 100 प्रतिशत महिलाओं द्वारा संचालित पेट्रोल पंप होगा, जिसे जिला महिला समाख्या (जेडएमएस) द्वारा भारतीय तेल निगम (आईओसीएल) के सहयोग से स्थापित किया जाएगा चूंकि संगारेड्डी बाईपास रोड पर कोई पेट्रोल पंप नहीं था, इसलिए जिला प्रशासन ने पुराने डीआरडीए कार्यालय के पास 8 गुंटा जमीन आवंटित की थी। जिला महिला समाख्या की एपीएम श्रीदेवी ने कहा कि पेट्रोल पंप से 30 एसएचजी महिलाओं को रोजगार मिलेगा, जो चौबीसों घंटे पंप चलाने के लिए तीन शिफ्टों में काम करेंगी। उन्होंने आगे कहा कि व्यवसाय में उनके प्रवेश से राज्य में एसएचजी महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने की दिशा में एक नया चलन शुरू होगा।

दीप्ति जीवनजी को अर्जुन पुरस्कार मिलना दिव्यांगों की शक्ति का प्रमाण : वीरैया

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सहकारी निगम अध्यक्ष विकलांग विभाग तेलंगाना व मानद अध्यक्ष पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ तेलंगाना एम. वीरैया ने कहा कि जीवन जी दीप्त को अर्जुन पुरस्कार मिलना दिव्यांगों की शक्ति का प्रमाण है। वे तेलंगाना के युवाओं और खिलाड़ियों के लिए रोल मॉडल है। उन्होंने कहा कि पैरालंपिक में भारत के लिए कांस्य पदक जीतने वाली तेलंगाना की युवा एथलीट और वारंगल जिले की लाडली दीप्ति जीवनजी को प्रतिष्ठित खेल पुरस्कार अर्जुन पुरस्कार 2024 के लिए चुना गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही हम दीप्ति जीवनजी को एक बार फिर सम्मानित करेंगे।

दीप्ति जीवनजी आपके पैरा खिलाड़ियों और पूरे खेल जगत को इसे एक उदाहरण के रूप में लेना चाहिए। भविष्य में और भी योजनाएं हासिल करनी चाहिए। इस अवसर पर तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दीप्ति जीवनजी को एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की है। इसके साथ ही 500 गज जमीन, ग्रुप 2 की नौकरी की घोषणा की गई है।

एथलीट दीप्ति जीवनजी की उपलब्धि लोगों को प्रेरित करेगा : कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पेरिस में आयोजित पैरालिंपिक में 400 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतने वाली ओरुगल्लू की लाडली और पैरा-एथलीट दीप्ति जीवनजी को केंद्र सरकार द्वारा अर्जुन पुरस्कार देने की घोषणा पर मंत्री कोंडा सुरेखा ने खुशी व्यक्त की है। मंत्री सुरेखा ने कहा कि मानसिक क्षमता की समस्याओं से पीड़ित होने के बावजूद भाग्य को चुनौती देकर दुनिया को अपनी ताकत दिखाने वाली एथलीट दीप्ति जीवनजी के उदय ने कई लोगों को प्रेरित किया है। मंत्री ने कहा कि वे हमेशा दीप्ति जीवनजी का समर्थन करेंगे। मंत्री सुरेखा ने दीप्ति को प्रसिद्धि की और भी ऊंचाइयां छूने की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस पीपुल्स सरकार तेलंगाना राज्य को खेल के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए ठोस रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है। इस गतिविधि के भाग के रूप में, मंत्री सुरेखा ने याद दिलाया कि युवा भारत शारीरिक शिक्षा और खेल विश्वविद्यालय विधेयक को हाल ही में विधायिका में मंजूरी दी गई थी। उन्होंने कहा कि सीएम कप के नाम से प्रतियोगिता आयोजित कर हम ग्रामीणों में छिपी प्रतिभा को सामने ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही बेहतरीन खेल नीति लाई जाएगी और तेलंगाना राज्य को देश की खेल राजधानी बनाया जाएगा।

रिक्त न्यायाधीश पदों को भरने की मांग

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के पूर्व सांसद बी विनोद कुमार ने तेलंगाना के मुख्य न्यायाधीश से तत्काल कदम उठाने और सभी रिक्त न्यायाधीशों के पदों को भरने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि न्याय तभी प्रभावी ढंग से मिल सकता है जब उच्च न्यायालय पूरी क्षमता से काम करे। गुरुवार को तेलंगाना भवन में बोलते हुए विनोद कुमार ने कहा कि तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 42 है, लेकिन न्यायाधीशों की संख्या कभी भी 23 से अधिक नहीं रही। उन्होंने अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदायों के न्यायाधीशों की अनुपस्थिति की ओर इशारा करते हुए जोर दिया कि दलित और आदिवासी समुदायों को न्याय प्रदान करने के लिए उनका समावेश महत्वपूर्ण था। उन्होंने जोर देकर कहा कि सामाजिक न्याय को कानूनी प्रणाली में भी प्रतिबिंबित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में तेलंगाना उच्च न्यायालय में सेवारत चार न्यायाधीश अन्य राज्यों से हैं और रिक्त पदों को भरने से तेलंगाना के मूल निवासियों के लिए नए अवसर उपलब्ध होंगे।

अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी के साथ रेवंत रेड्डी का राजनीतिक कद बढ़ा : कांग्रेस सांसद

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि फिल्म पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान संध्या थिएटर भगदड़ की घटना के संबंध में फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन की हाल ही में हुई गिरफ्तारी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की प्रोफाइल को अखिल भारतीय मुख्यमंत्री के रूप में ऊंचा कर दिया है। गुरुवार को गांधी भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए भोंनगिर लोकसभा क्षेत्र से सांसद किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी के बाद रेवंत रेड्डी की स्थिति में काफी सुधार हुआ है, जिससे यह शक्तिशाली संदेश गया है कि कानून के तहत सभी व्यक्तियों के साथ समान व्यवहार किया जाता है। उन्होंने रैतु भरोसा योजना के बारे में भ्रामक जानकारी प्रसारित करने के लिए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी की भी आलोचना की और कहा कि विपक्षी नेता कृषक समुदाय को धोखा देने का प्रयास कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने एक गुमराह निर्णय लिया, जिसके परिणामस्वरूप रैतु बंधु योजना के तहत लगभग 22,000 करोड़ रुपये अपात्र व्यक्तियों को आवंटित किए गए। यह सरकार अपने पूर्ववर्ती की गलतियों से बचने के लिए प्रतिबद्ध है। रैतु भरोसा योजना सभी पात्र किसानों को समर्थन देने के लिए बनाई गई है। कांग्रेस सांसद ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव पर फॉर्मूला ई कार रेस मामले में असंगति का आरोप लगाते हुए कहा कि वे जनता का ध्यान भटका रहे हैं। एक मौके पर, वे दावा करते हैं कि मामला असंबंधित है। दूसरे मौके पर, वे अपनी पूरी संलिप्तता का दावा करते हैं। फिर वे आरोप लगाते हैं कि सरकार ने खुद ही एक साजिश के तहत इस मामले को शुरू किया है। केटीआर इस मामले में एक समान रुख नहीं रखते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने प्रस्ताव दिया है कि संपूर्ण आरआरआर परियोजना का प्रबंधन केंद्र सरकार द्वारा किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने फोन टैपिंग मामले के आरोपी थिरुपथन्ना की जमानत याचिका पर सुनवाई की

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना में सनसनीखेज फोन टैपिंग मामले में एडिशनल एसपी थिरुपथन्ना की जमानत याचिका पर सुनवाई की। जस्टिस नागरत्ना और कोटेश्वर सिंह की पीठ ने मामले की सुनवाई की। तेलंगाना सरकार की ओर से अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने दलीलें रखीं। उन्होंने कहा कि थिरुपथन्ना इस मामले में मुख्य आरोपी हैं और उन्होंने कहा कि सभी फोन राजनीतिक नेताओं के इशारे पर टैप किए गए थे, जबकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आरोपियों द्वारा फोन टैपिंग सूची में हाईकोर्ट के जजों के फोन भी शामिल किए गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपी थिरुपथन्ना ने फोन टैपिंग मामले में अहम भूमिका निभाई और उन्होंने कहा कि मामले में सबूत मिटाने में उनकी अहम भूमिका थी। जब 3 दिसंबर, 2023 को चुनाव के नतीजे आए, तो आरोपी ने सबूत मिटा दिए। आरोपी थिरुपथन्ना के वकील सिद्धार्थ दवे ने कहा कि मामले में उनकी भूमिका के लिए उनके खिलाफ पहले ही चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। उन्होंने दलील दी कि वह नौ महीने से जेल में हैं और कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले फैसला दिया था कि उन्हें तभी जेल में रखा जाना चाहिए जब यह जरूरी हो, जबकि यह भी कहा कि जमानत पाना आरोपी का अधिकार है। शीर्ष अदालत ने सरकार के वकील से पूछा कि मामले में थिरुपथन्ना की भूमिका की जांच कब पूरी होगी और स्पष्ट किया कि इसे लंबे समय तक जारी रखना सही नहीं है।

संगारेड्डी में 2 करोड़ की दवाएं जब्त, बिना अनुमति के हो रहा था निर्माण

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) ने संगारेड्डी के बोलराम इलाके में एक दवा इकाई अक्रोन फॉर्म्युलेशन इंडिया पर छापा मारा और पाया कि इकाई बिना किसी अनुमति के दवाओं का निर्माण कर रही थी। अधिकारियों ने ऐसी दवाओं को जब्त किया है जिनकी बाजार कीमत करीब 2 करोड़ रुपये आंकी गई है। डीसीए के महानिदेशक वीबी कमलासन रेड्डी ने कहा कि छापा मारने वाली टीमों ने पाया कि इकाई में एस्परफ्लेक्स क्रीम, टॉपिकल एनाल्जेसिक क्रीम, मेडपुरा और विभिन्न प्रकार के अमोनियम लैक्टेट क्रीम और लोशन सहित मलहम और क्रीम का निर्माण किया जा रहा था, जो कि एक्रॉन फार्मा, फेयरफील्ड, न्यूजर्सी, संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए निर्मित किए जाते थे।

दवाओं का निर्माण केवल लाइसेंस के तहत ही किया जा सकता है, जो कि औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत निर्धारित मानकों के अनुरूप हो। आगे की जांच की जाएगी तथा इसमें शामिल सभी अपराधियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। बिना लाइसेंस के निर्मित दवाएं गुणवत्ता मानकों को पूरा नहीं कर सकती हैं, तथा ये उत्पाद सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकते हैं। रेड्डी ने कहा कि औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत बिना औषधि लाइसेंस के औषधि निर्माण करना दंडनीय है और इसके लिए पांच वर्ष तक की कैद हो सकती है।

तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष व आयुक्त ने मंत्री को सौंपी रिपोर्ट

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त डॉ.एस. हरीश के साथ मिलकर तेलंगाना के श्रमजीवी पत्रकारों को मीडिया मान्यता जारी करने के लिए एक रिपोर्ट सचिवालय में राजस्व, आवास और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के माननीय मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी को सौंपी है। सरकार ने राज्य मुख्यालय, जिले और मंडल के तेलंगाना श्रमजीवी पत्रकारों को मीडिया मान्यता जारी करने के लिए नए दिशानिर्देशों की समीक्षा और निर्माण करने के लिए श्रीनिवास रेड्डी की अध्यक्षता में एक विशेष समिति का गठन किया है और डॉ.एस. हरीश विशेष समिति के सदस्य-संयोजक हैं। मंत्री ने सरकार के पदेन विशेष सचिव (आईएंडपीआर) विभाग को आवश्यक आदेश जारी करने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है। (आई एंड पीआर) विभाग ने 18 अक्टूबर 2024 को एक अधिसूचना जारी की, जिसमें 45 दिनों में छह बैठकें कीं और तेलंगाना मीडिया मान्यता नियमों की व्यापक समीक्षा की, साथ ही समिति के अन्य सदस्यों शामिल किया गया। गौरतलब है कि वर्ष 2016 में जी.ओ.एम.सं.239 जी.ओ.(आई एंड पीआर) विभाग द्वारा दिनांक 15-07-2016 को तैयार किए गए पहले दिशानिर्देशों को उच्च न्यायालय ने दो मामलों में खारिज कर दिया था।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, AKSHAY RAJKUMAR VYAS, S/o Raj Kumar Vyas, R/o H. No. B91, Ground Floor, Indian Airlines Colony, Near Mujtaba Grills, Begumpet, Secunderabad, Telangana-500003 have changed my name to AKSHAY VYAS

WANTED

Wanted a Branch supervisor, Business executive and Assistant for Shree Baliram Road Carriers. Min 3-5years experience in Transport industry. Walk-in interview.

Ph: 9347231534

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

'मोंटेक-एलसी' की नकली गोलियां बरामद, भारी मात्रा में स्टॉक जब्त

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (टीएसडीसीए) ने सन फार्मा लेबोरेटरीज लिमिटेड द्वारा निर्मित होने का झूठा दावा करते हुए हैदराबाद के संतोषनगर, मलकपेट में बाजार में घूम रही दवा 'मोंटेक-एलसी' के नकली संस्करण जब्त किए हैं। छापेमारी के दौरान, ड्रग इंस्पेक्टरों ने मोंटेक-एलसी टैबलेट के स्टॉक को जब्त कर लिया, जिसका उपयोग एलर्जिक राइनाइटिस, क्रोनिक इडियोपैथिक अर्टिकेरिया और ब्रोन्कियल अस्थमा के प्रबंधन में किया जाता है, और मूल निर्माता, सन फार्मा लेबोरेटरीज लिमिटेड से संदिग्ध बैचों के लिए मूल बैचों के साथ तुलना विवरण प्राप्त किया। डीसीए के महानिदेशक, वीबी कमलसन रेड्डी ने कहा कि निर्माता ने स्वीकार किया कि टीएसडीसीए द्वारा जब्त मोंटेक-एलसी टैबलेट (मोंटेलुकास्ट सोडियम और लेवोसेटिरिजिन हाइड्रोक्लोराइड टैबलेट) का बैच नकली, दवाएं नकली हैं। डीसीए ने दुकान नंबर 34, संतोषनगर, मालकपेट में छापे मारे और 'मोंटेक-एलसी' टैबलेट का नकली संस्करण जब्त किया। नकली दवाएं सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा हैं, जो रोगियों की भलाई को खतरे में डालती हैं।

इस बीच, एक अलग छापेमारी में, टीएसडीसीए के ड्रग इंस्पेक्टरों ने बाज़ार में कुछ ऐसी दवाइयों का पता लगाया, जिनके लेबल पर भ्रामक दावे थे कि वे गुर्दे की पथरी और आंखों के संक्रमण का इलाज करती हैं। ऐसे दावे ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 का उल्लंघन हैं। जब्त की गई दवाओं में किडनी स्टोन के लिए कोंडा पिंडी चूर्णम (आयुर्वेद), जिसका निर्माण देवी नैचुरल, एलबी नगर, रंगारेड्डी जिले द्वारा किया गया है, तथा आंखों के संक्रमण के लिए पी मायसेटिन ऑइंटमेंट (एलोपैथी), जिसका निर्माण फार्मा कॉर्प इंक, इंदौर, मध्य प्रदेश द्वारा किया गया है, शामिल हैं। जो व्यक्ति कुछ बीमारियों और विकारों के उपचार के लिए दवाओं के बारे में भ्रामक विज्ञापन करते हैं, वे ड्रग्स और मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 के तहत दंडनीय हैं।

జాతీయ భారతీయ వైద్య పరంపర సంస్థ
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
(केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी, गड्डिअन्नाराम, हैदराबाद-500 036, तेलंगाना, भारत
National Institute of Indian Medical Heritage
(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)
Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad - 500 036, Telangana, INDIA
150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

अधिसूचना. 01/2025

इस संस्थान में उपलब्ध परियोजनाएँ एमआरएफ (आयुर्वेद) -01 पद के लिए आवेदन का निमंत्रण है। पूर्ण विवरण इस वेबसाइट http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। किसी भी स्पष्टीकरण के लिए सभी कार्य दिवसों पर टेलीफोन नंबर 040-24067388 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रभारी सहायक निदेशक

एसटीएफ में दम है तो मेरे सीने पर गोली मारे

करप्शन के खिलाफ योगी सरकार में मंत्री आशीष पटेल ने खोला मोर्चा

लखनऊ, 2 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी सरकार में मंत्री आशीष पटेल पर तकनीकी शिक्षा विभाग में लेक्चरर्स के प्रमोशन में अनियमितताओं के आरोप लग रहे हैं। ये आरोप सिराथू विधायक पल्लवी पटेल ने लगाया है। गुरुवार को आशीष ने पल्लवी पटेल के साथ ही एसटीएफ पर भी हमला बोला। एसटीएफ के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उन्होंने कहा कि तुम पैर पर गोली मारते हो, अगर दम है तो मेरे सीने पर गोली मारो। मैं किसी से डरने वाला नहीं हूं। मेरी गलती है कि मैंने वंचित वर्ग को आगे बढ़ाया। ऐसी गलती मैं करता रहूंगा। डरूंगा नहीं, आपके पास तंत्र है और मेरे पास जनतंत्र है। जब जनतंत्र साथ है तो तंत्र से कोई डरने की जरूरत नहीं है। आशीष पटेल ने कहा, मैं एसटीएफ के उन अधिकारियों के बारे में जानना चाहता हूं कि जिस विधानसभा में परिंदा भी पर नहीं मार सकता है, उसी विधानसभा में दो लोगों को धरना देने के लिए छोड़ दिया। आज एसटीएफ को मैं कहना चाहता हूं कि तुम्हारा नाम स्पेशल टास्क फोर्स है। मेरा नाम आशीष पटेल है। एसटीएफ को कहना चाहता हूं कि तुम पैर में गोली मारते हो ना, आओ सीने में गोली मारो। मंत्री ने आगे कहा, आप डरा करके 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले को दबा नहीं सकते। मेरी राष्ट्रीय अध्यक्ष को केंद्र सरकार ने पूरी तरीके से पैक कर रखा है। उनके पास केंद्र सरकार की सुरक्षा है पर मैं तो आपके भरोसे हूं। आशीष ने पल्लवी पटेल को लेकर कहा कि सरकार की एक धरना मास्टर हैं। उनको प्रायोजित किया जाता है। उनको जब भी मौका मिलता है तो उनको धरने पर बैठा दिया जाता है। मंत्री आशीष पटेल ने आगे कहा, मैं शिशिर बाबू से कहना चाहता हूं कि आप खबरें छपवाना बंद कर दीजिए। अभी मैं मर्यादा में हूं। अगर आप मर्यादा पार करेंगे तो मैं भी मर्यादा भूल जाऊंगा। एसटीएफ का वो कौन सा अधिकारी है कि जहां सिर्फ विधायक जा सकता है, वहां दो लोगों को और धरने के लिए भेजा जा रहा है। आशीष पटेल ने कहा, पिछले कुछ दिनों से मैं मीडिया में ज्यादा छप रहा हूं। मेरा सकारात्मक छिपाकर नकारात्मक पक्ष दिखाया जाता है। अब और ताकत से लड़ूंगा। मैं षड्यंत्रों से डरने वाला नहीं। सीबीआई से मेरी जांच कराइए। सूचना विभाग का दुरुपयोग करके मेरी मान मर्यादा मत खराब करिए, नहीं तो ईंट जवाब पत्थर से दूंगा। आशीष पटेल ने कहा, 14 में से 7 इंजीनियरिंग कॉलेज में मैंने पिछड़े वर्ग के डायरेक्टर बनाए। अगर यही मेरी गलती है तो ऐसी गलती में करता रहूंगा।

यूपी काडर के 4 पुलिस अफसरों का केंद्र में इम्पैनलमेंट

आईजी विजिलेंस मंज़िल सैनी का नाम शामिल

लखनऊ, 2 जनवरी (एजेंसियां)।यूपी पुलिस के चार आईपीएस अफसर का केंद्र में इम्पैनलमेंट कर दिया गया है। इसमें 2005 बैच की आईपीएस मंजिल सैनी, 2006 बैच के आईपीएस मोहित गुप्ता, एलआर कुमार और हैप्पी गुप्तन का इम्पैनलमेंट हुआ है। मंजिल सैनी मौजूदा समय में आईजी विजिलेंस के पद पर तैनात हैं। जबकि मोहित गुप्ता आईजी वाराणसी, एलआर कुमार आईजी कानून व्यवस्था और हैप्पी गुप्तन प्रतिनियुक्ति पर तैनात हैं। जो अफ़सर यूपी में तैनात है उन्हें केंद्र में जाने के लिए एनओसी लेनी पड़ेगी।

ओम प्रकाश राजभर का जिक्र सुनते ही हंसने लगे शिवपाल यादव, कहा- 'आप शुरू से जानते हो'

लखनऊ, 2 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर का बयान बीते कुछ दिनों से सुर्खियों में रहा है. खास तौर पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के खिलाफ वह खुलकर जुबानी हमले करते रहे हैं. बीते दिनों अखिलेश यादव के सीएम आवास में शिवलिंग वाले बयान पर उन्होंने जमकर पलटवार किया. अब सपा नेता शिवपाल यादव का ओम प्रकाश राजभर पर दिया गया बयान चर्चा में है. दरअसल, ओम प्रकाश राजभर ने बीते दिनों हनुमान जी को राजभर समाज का बता दिया था. अब इसपर शिवपाल यादव से प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने ये बात सुनते ही हंसना शुरू कर दिया. सपा नेता ने कहा कि उनके बारे में तो आप शुरू से जानते हो. वो कब क्या बोल देंगे कोई नहीं जानता है. उनके बारे में हम बहुत कुछ बोल चुके हैं.

कानपुर में 11 मुकदमों की केस डायरी गायब

सात दारोगा समेत नौ पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज

कानपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कल्याणपुर थाना प्रभारी सुधीर कुमार सिंह ने पिछले दिनों थाने में दर्ज मुकदमों की केस डायरी को लेकर जांच कराई तो चौकाने वाली जानकारियां सामने आईं। 11 ऐसे मुकदमे प्रकाश में आए हैं, जिनकी केस डायरी विवेचकों ने गायब कर दी और अदालत में दाखिल नहीं की। इन प्रकरणों में शामिल सात दारोगा समेत नौ पुलिस कर्मियों के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। आरोपित पुलिसकर्मियों से जवाब तलब भी किया गया है। कल्याणपुर थाने में तैनात हेड मुंशी प्रताप भान सिंह ने यह मुकदमा दर्ज कराया है। उनके मुताबिक प्रभारी निरीक्षक थाना कल्याणपुर सुधीर कुमार सिंह के आदेश से उन्होंने अभियोगों की केस डायरी की जानकारी की। पाया कि 11 मामलों में से दस मामलों में केस डायरी अदालत में दाखिल ही नहीं की गई है। एक मामला ऐसा है, जिसमें अदालत से केस डायरी दोबारा मांगी गई और उसे दाखिल नहीं किया गया। सर्वाधिक तीन मामले दारोगा नरेंद्र कुमार से संबंधित हैं। जिन दारोगाओं पर मुकदमा है, उनमें से अधिकांश इस समय थाने पर तैनात नहीं हैं। इन प्रकरणों में सबसे पुराना मामला 16 साल पहले का है। एसीपी कल्याणपुर अभिषेक पांडेय ने बताया कि जांच की जा रही है कि उक्त दारोगा अब कहां है। उनसे पूछताछ के बाद आगे की विधिक कार्यवाही होगी।

गृह मंत्रालय ने जारी किया पत्र

27 फरवरी को रिहा होगा पाकिस्तानी नागरिक मशरूफ

गोरखपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। जिला जेल में 15 साल से बंद पाकिस्तानी नागरिक मोहम्मद मसरूफ उर्फ मंसूर अहमद उर्फ गुड्डु (56) की रिहाई 27 फरवरी को होगी। बताया जा रहा है कि गृह मंत्रालय से पत्र जारी हो गया है, अटारी बॉर्डर से मोहम्मद मसरूफ को रिहा कर पाकिस्तान के कराची भेजने की तैयारी भी शुरू हो गई है। सूत्रों के अनुसार, गुजरात और राजस्थान की जेल में बंद पाकिस्तानी बंदी को भी इसी दिन रिहा किया जाएगा।

सजा पूरी कर चुके मसरूफ की रिहाई के लिए पहले ही विदेश मंत्रालय नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) जारी कर चुका है। इसके बाद से ही जेल प्रशासन की तरफ से हर माह मुख्यालय में रिमाइंडर भेजा जा रहा था। बहुत जल्द बहराइच एलआईयू उसे गोरखपुर से दिल्ली लेकर जाएगी। वहां से वह पाकिस्तान जाएगा। पत्र के अनुसार, मसरूफ को साफ-सुथरे कपड़े और उसके कागजात के साथ दिल्ली भेजना है। इसको लेकर जेल प्रशासन अपनी तैयारी कर रहा है।

नए साल पर बिना मास्क के नजर आईं पुष्पम प्रिया चौधरी, तोड़ दी अपनी ही कसम

पटना, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में अक्सर चर्चाओं में रहने वाली पुष्पम प्रिया चौधरी नए साल पर फिर चर्चाओं में आ गई हैं। प्लुरल्स पार्टी की प्रमुख पुष्पम प्रिया चौधरी ने नए साल पर अपने चेहरे से मास्क उतार दिया है। बिना मास्क की फोटो के साथ उन्होंने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा कि '2025 की शुभ बेला आई। नया साल, नई चुनौतियां, नए प्रयास समर शेष है।' दरअसल, पुष्पम प्रिया ने सार्वजनिक तौर पर घोषणा की थी, जब तक नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद पर रहेंगे, तब तक वे मास्क नहीं उतारेंगी।

अपनी इस घोषणा के बाद पुष्पम प्रिया चौधरी अपनी पार्टी के हर कार्यक्रम में चेहरे पर मास्क लगाए हुए ही दिखाई देती थीं। लेकिन, 1 जनवरी को नए साल पर उन्होंने अपना मास्क उतार दिया, जबकि नीतीश कुमार अब भी मुख्यमंत्री पद पर बने हुए हैं यानी नए साल पर प्लुरल्स पार्टी प्रमुख ने अपनी ही कसम तोड़ दी है।

खुद को यूपी मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष बताने वाला गिरफ्तार

गाजियाबाद, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस ने एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है जो खुद को मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष बताता था। दरअसल आरोपी खुद को यूपी मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष बताकर राज्य के कई जिलों के अधिकारियों से सुरक्षा की मांग करता था। इस आरोप में उसे गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने इस घटना की जानकारी दी। बता दें कि आरोपी की पहचान 25 वर्षीय अनस मलिक के रूप में हुई है, जो कि मुरादाबाद के कांठ रोड का रहने वाला है। उसने बताया कि खुद को उत्तर प्रदेश मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष बताते हुए आरोपी ने 8 नवंबर को दो दिवसीय कार्यक्रम के लिए मुरादाबाद, गाजियाबाद, अमरोहा और नोएडा के जिलाधिकारियों को आधिकारिक पत्र भेजकर प्रोटोकॉल के तहत सुरक्षा की मांग की थी।

गोकशी के शक में युवक की मौत पर भड़के सपा के पूर्व सांसद, कहा- 'कानून को है सजा देने का हक'

मझोला, 2 जनवरी (एजेंसियां)। मुरादाबाद के मझोला थाना इलाके में भीड़ की पिटाई से गोकशी के आरोपी शाहेदीन की मौत का मामला तूल पकड़ रहा है। इस मामले में अब सियासत भी शुरू हो गई है। मुरादाबाद के पूर्व सपा सांसद डॉ। एसटी हसन ने शाहेदीन के साथ मारपीट करने वालों को कड़ी सजा दिए जाने की मांग की है। पूर्व सांसद ने कहा कि ये मान भी लिया जाए कि शाहेदीन वहां गाय काट रहा था तब भी उसे सजा देने का हक कानून को है। भीड़ उसे पकड़ती और पुलिस को सौंप देती। पुलिस उसे कोर्ट में पेश करती और कोर्ट उसे जेल भेज देती और फिर ये तय करती कि वो गुनहगार है या नहीं अगर गुनाहगार था तो उसे कोर्ट कानून के मुताबिक सजा देती क्योंकि इस मामले में कानून बहुत सख्त है। इस तरह भीड़ किसी को भी पीट-पीटकर मार डालेगी तो कानून का राज कहां बचा? बता दें कि मुरादाबाद के मझोला थाना इलाके में मंडी समिति परिसर में सोमवार तड़के गोकशी के आरोप में गोरक्षकों ने एक युवक को पकड़ कर उसकी पिटाई की थी, जिसमें उसकी जान चली गई। पुलिस के मुताबिक स्थानीय लोगों को सूचना मिली थी कि तीन लोग गोकशी कर रहे हैं उन्होंने मौके से शाहेदीन नाम के एक व्यक्ति को पकड़ा था। जबकि उसके दो साथी मौके से भाग गए थे। आक्रोशित लोगों ने शाहेदीन की पिटाई की थी मौके पर पहुंच कर पुलिस ने शाहेदीन को अस्पताल में भर्ती कराया था जहां उसकी मौत हो गयी थी।

पटना समेत कई जिलों में हाड़ कंपाने वाली ठंड

पटना, 2 जनवरी (एजेंसियां)।

बिहार में हाड़ कंपा देने वाली ठंड ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। दिन में धूप नहीं निकल रही है। सर्द पछुआ हवा ने कनकनी बढ़ा दी है। छह से 10 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल रही है। यह और बढ़ सकती है। मौसम विभाग की मानें अगले दो से तीन दिनों तक यही हालात रहेंगे। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से शीत लहर जैसे हालात बने रहेंगे। सर्द पछुआ हवा के कारण ठिठुरन बढ़ी है।

बांका और रोहतास में सबसे अधिक ठंडी

पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक ठंडी रोहतास और बांका में पड़ी। यहां का न्यूनतम तापमान 4.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं औरंगाबाद का 6.7 डिग्री, बक्सर का 7.1 डिग्री, भागलपुर का 7.6 डिग्री, नालंदा का 7.7 डिग्री, गया का 7.8 डिग्री, सासाराम का 7.9 डिग्री, सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं शेखपुरा का तापमान 8.2 डिग्री, समस्तीपुर का 8.3 डिग्री, वैशाली का 8.4 डिग्री, मधुबनी का 8.9 डिग्री, मोतिहारी का 9 डिग्री, पटना का 10. 6, पूर्णिया और कटिहार का 10.7 डिग्री, गोपालगंज का 11.4 डिग्री, मुजफ्फरपुर का 12.5 डिग्री, सेल्सियस दर्ज किया गया।

छह जनवरी तक बंद रहेंगे पटना के स्कूल

इधर, बढ़ते ठंढ और कम तापमान को देखते हुए पटना जिला प्रशासन ने गुरूवार से सभी सरकारी और गैर सरकारी विद्यालयों के समय सारणी में परिवर्तन किया है। नये आदेश के अनुसार विद्यालय का समय सुबह 9 बजे के बाद और शाम के 4:00 बजे के पहले तक ही संचालित किये जाएंगे। यह आदेश पटना जिले में दो जनवरी से छह जनवरी तक प्रभावी रहेगा।

इस वजह से बदल गया अब स्कूल का समय

इस संबंध में पटना के डीएम जिला दंडाधिकारी डॉ चंद्रशेखर सिंह ने पत्र जारी करते हुए कहा है कि पटना में अधिक ठंड और विशेष रूप से सुबह और शाम के समय कम तापमान की स्थिति है, जिसके कारण बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। इसलिए इसको देखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत जिले के सभी निजी और सरकारी विद्यालयों (फ्री स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्र सहित) में सभी कक्षाओं के लिए शैक्षणिक गतिविधियों पर पूर्वाह्न 9:00 बजे से पहले और अपराह्न 4:00 बजे के बाद प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को आदेश जारी करते हुए कहा कि इस आदेश के अनुरूप शैक्षणिक गतिविधियों को पुनर्निर्धारित करें।

फेक करेंसी वाली गैंग का भंडाफोड़, मदरसे की आड़ में छापे जा रहे थे 100-500 के नकली नोट

लखनऊ, 2 जनवरी (एजेंसियां)। श्रावस्ती में नए साल पर पुलिस ने बड़े मामले का खुलासा किया है। श्रावस्ती में धड़ल्ले से नकली नोट छापने का मामला समाने आया है, जब बाजारों में नकली नोट का चलन तेज हो रहा था। दुकानों पर 100 और 500 के नकली नोट चलाए जा रहे थे और यह सारे नोट एक मदरसे में छापे जा रहे थे। जिसका सरगना मदरसे की आड़ में जहां नोट छापने की मशीन चला रहा था। यह पूरा मामला उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जनपद भारत नेपाल सीमा से जुड़ा और थाना मल्हीपुर के लक्ष्मनपुर गांव का है। जहां पर एक मदरसे की आड़ में नोट छापने का गोरखधंधा चल रहा था। पुलिस ने नए साल के अवसर पर इस मामले का बड़ा खुलासा किया है। बताया जा रहा है की नकली नोट छापने का सरगना मुबारक अली उर्फ नूरी बाबा मदरसे का प्रबंधक है

सावधान! बार-बार कटा चालान तो तुरंत कैंसिल होगा डीएल, रोड सेफ्टी को लेकर सीएम योगी का सख्त आदेश

लखनऊ, 2 जनवरी (एजेंसियां)। सड़क सुरक्षा को लेकर सूबे के मुख्यमंत्री काफी सख्त हैं। नए साल के मौके पर सीएम योगी ने सड़क सुरक्षा को लेकर उप्र राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक की। इस दौरान उन्होंने महाकुंभ को ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। वहीं 6 से 10 जनवरी तक सभी स्कूल-कालेजों में सड़क सुरक्षा को लेकर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करने का भी आदेश दिया। इसके अलावा सीएम ने कहा कि अगर किसी वाहन का बार-बार चालान किया गया तो उसका लाइसेंस रद कर दिया जाएगा। बैठक में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों से स्कूली बच्चों को जोड़ते हुए यातायात नियमों से जुड़े विषयों पर नाटक, संगीत, कविता, निबंध, संगोष्ठी, भाषण, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठकें पांच जनवरी तक हर हाल में पूरी कर ली जाएं। इसके अलावा सीएम योगी ने स्कूल-कालेजों में रोड सेफ्टी क्लब की तर्ज पर प्रत्येक जिले में सड़क सुरक्षा पार्क बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने महाकुंभ में बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए पीआरडी व होमगार्डों की संख्या बढ़ाने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं में हर वर्ष प्रदेश में हो रहीं 23-25 हजार मौतों पर चिंता जताते हुए इसे देश व राज्य की क्षति बताया है। सीएम ने कहा कि यह दुर्घटनाएं जागरुकता के अभाव में होती हैं। सड़क सुरक्षा माह सिर्फ लखनऊ तक सीमित न रहे,

'जो हल्के में ले रहे हैं वो बड़ी गलती कर रहे हैं'

मोहन भागवत के मंदिर-मस्जिद वाले बयान पर बोले बृजभूषण शरण सिंह

गोंडा, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के मंदिर-मस्जिद को लेकर दिए गए बयान पर जमकर सियासत देखने को मिल रही है। विपक्षी दल इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी को आड़े हाथों ले रहे हैं। तमाम बयानबाजियों के बीच कैसरगंज से बीजेपी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह का बयान का सामने आया है, जिसमें उन्होंने भागवत के बयान का समर्थन किया और कहा कि जो उनके बयान के हल्के में ले रहे हैं वो बड़ी गलती कर रहे हैं। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा दिए गए बयान का समर्थन करते हुए बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि मैं भागवत जी के बयान को लेकर पूर्णतया सहमत हूं वह बड़े लोग हैं जो भी बयान देते हैं बहुत सोच समझ कर देते हैं और जो उनके बयान को हल्के में ले रहे हैं वह कहीं ना कहीं गलती कर रहे हैं।

बृजभूषण शरण सिंह का बयान ऐसे समय में आया है जब संघ के मुखपत्र पाञ्चजन्य में भी मोहन भागवत के बयान का समर्थन करते हुए उसे ठीक ठहराया गया है। बता दें कि बीते दिनों आरएसएस प्रमुख एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए देश में मंदिर-मस्जिद विवादों के फिर से उभरने पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने लोगों को ऐसे मुद्दों को न उठाने की सलाह दी और कहा कि मंदिर-मस्जिद विवादों को उछालकर और सांप्रदायिक विभाजन फैलाकर कोई भी हिंदुओं का नेता नहीं बन सकता। आरएसएस के मुखपत्र पाञ्चजन्य मोहन भागवत के मंदिर-मस्जिद को लेकर दिए बयान का समर्थन किया गया है। मुखपत्र में लिखा कि भागवत में समाज से विवेकशील दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया गया है। मंदिर हिन्दुओं की श्रद्धा का केंद्र है लेकिन इसे राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करना स्वीकार्य नहीं। आज के दौर में मंदिर से जुड़े विषयों पर अनावश्यक बहस और भ्रामक प्रचार चिंताजनक प्रवृत्ति है।

देह व्यापार की सूचना पर पहुंची पुलिस

जब होटल के कमरे खुलवाए तो रह गए दंग युवक-युवतियां मना रहे थे रंगरेलियां

कासगंज, 2 जनवरी (एजेंसियां)। शहर के खुशी होटल में दोपहर क्षेत्राधिकारी सदर ने छापा मारकर पांच युवतियों और होटल के मैनेजर समेत पांच युवकों को हिरासत में लिया। आरोप था कि युवक और युवतियों कमरे में रंगरेलियां मना रहीं थीं। पुलिस को कमरे से आपत्तिजनक सामान भी मिला है। पुलिस का कहना है कि युवतियां बालिग थीं। मर्जी से आईं थीं। उनको छोड़ दिया गया है। युवकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। कोतवाली पुलिस को सूचना मिली थी कि नदरई गेट स्थित खुशी होटल में देह व्यापार हो रहा है। यहां युवतियां और युवक होटल में रुके हुए हैं।

इस पर दोपहर क्षेत्राधिकारी सदर आंचल चौहान, कोतवाली प्रभारी लोकेश भाटी मय फोर्स के मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने जाते ही कमरों की तलाशी लेना शुरू कर दिया। होटल के दूसरी मंजिल पर कमरा नंबर 103, 106, 107 और 108 में कमरे अंदर से बंद थे। इनको खुलवाया गया तो अंदर चार युवक और पांच युवती आपत्तिजनक हालत में मिलीं। कमरों में बदबू आ रही थी। अंदर बीयर की केन बोतलों के अलावा आपत्तिजनक सामान भी मिला।

अपनी मर्जी से पहुंची थीं युवतियां

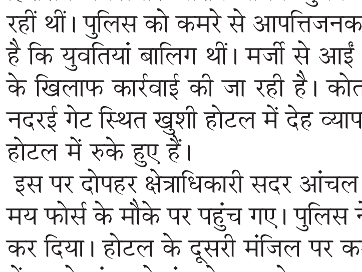

क्षेत्राधिकारी सदर आंचल चौहान ने बताया कि युवतियां ने बताया कि वे अपनी मर्जी से आईं थीं। इसलिए उन सभी का उनके स्वजन को बुलाकर उनके सिपुर्द कर दिया गया है। आरोपित चार युवकों के साथ मैनेजर के खिलाफ भी कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार आरोपितों के नाम अमन गुप्ता निवास बदायूं, अनोज निवासी दतलाना सोरों, अनुज निवासी नगला गंगाराम मिरहची एटा, रविंद्र निवासी गरी कासगंज, होटल का मैनेजर अभिषेक निवासी नदरई गेट हैं। एसपी अंकिता शर्मा ने बताया कि आरोपित युवकों के खिलाफ बीएनएस की धारा 294 में कार्रवाई की गई है। जबकि पकड़ी गई पांचों युवतियों का 151 में चालान किया गया है। होटल के मालिक एक राजनीतिक पार्टी से जुड़े हुए हैं। उनका अपना एक रसूख है। विधायकों से भी परिचय है। चर्चा है कि इसी वजह से पुलिस ने पूरी कार्रवाई ही हल्की कर दी।

बीपीएससी री-एग्जाम को लेकर 3 जनवरी को बिहार बंद:पप्पू यादव ने किया ऐलान

पूर्णिया, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार लोक सेवा आयोग 70वीं पीटी रद्द करने और री एग्जाम को लेकर अभ्यर्थी लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। वो गर्दनीबाग धरना स्थल पर 13 दिसंबर से धरने पर हैं। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव लगातार अभ्यर्थियों के लिए हल्ला बोल रहे हैं। इस बीच उन्होंने शुक्रवार यानी 3 जनवरी को बिहार बंद का ऐलान किया है। बिहार बंद के दौरान राज्य से गुजरने वाले नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे और ट्रेनों को रोकने की बात कही गई है। पप्पू यादव ने अपने फेसबुक पर इसकी जानकारी दी है। सांसद ने छात्रों से सहयोग की अपील की है। इससे पहले पप्पू यादव ने 25 दिसंबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह ऐलान किया था कि अगर सरकार ने पूरी बीपीएससी की परीक्षा कैंसिल नहीं कि तो जनवरी के फर्स्ट वीक में हम बिहार बंद करेंगे।

'छात्र की आत्महत्या का जिम्मेदार आयोग'

पप्पू यादव आरोप लगा चुके हैं कि बीपीएससी परीक्षा में धांधली हुई है और लगभग 500 करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ है। उन्होंने एक छात्र की आत्महत्या के मामले को लेकर भी आरोप लगाए थे, जिसमें उस छात्र ने बीपीएससी परीक्षा पास कराने के लिए पैसे मांगे जाने का आरोप लगाया था। पप्पू यादव ने कहा था कि यह आत्महत्या के लिए पूरी तरह से आयोग जिम्मेदार है और उन्होंने हाईकोर्ट से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की थी।

बीपीएससी कैंडिडेट्स 13 दिसंबर से कर रहे प्रदर्शन

परीक्षा 13 दिसंबर को हुई थी। कैंडिडेट्स ने परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप लगाया था और कहा था कि बापू सेंटर पर हुई परीक्षा का पेपर दिन में ही लीक हो गया था। आयोग ने भी गड़बड़ी मानी थी और दोबारा परीक्षा करवाने की बात कही थी। इसी दिन विरोध प्रदर्शन कर रहे एक कैंडिडेट को पटना कलेक्टर डॉ चंद्रशेखर सिंह ने थप्पड़ मार दिया था।

विपक्षी पार्टियों का मिल रहा सपोर्ट

बीपीएससी कैंडिडेट्स के पक्ष में विपक्षी पार्टियां हल्ला बोल रही हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, प्रशांत किशोर धरना स्थल पर पहुंचकर बिहार सरकार पर हमला बोला था। रविवार को गांधी मैदान में छात्र संसद हुआ। सीएम आवास की ओर बढ़ रहे कैंडिडेट्स पर तीसरी बार लाठीचार्ज किया गया। रविवार को हुए प्रदर्शन को लेकर प्रशांत किशोर, उनकी पार्टी जनसुराज के अध्यक्ष मनोज भारती, पूर्व आईपीएस अफसर आनंद मिश्रा, कोचिंग संचालक रहमांशु मिश्रा समेत 21 लोगों पर नामजद और 600 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

आप सांसद संजय सिंह ने अमित मालवीय और मनोज तिवारी को भेजा नोटिस

बोले- पूर्वांचल के लोगों का वोट नहीं कटने देंगे

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तैयारियां जोरों पर है। भाजपा और आम आदमी पार्टी इस दौरान आमने-सामने आ चुकी हैं और दोनों एक दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। इस बीच आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भाजपा के सोशल मीडिया हेड अमित मालवीय और भाजपा सांसद मनोज तिवारी को लीगल नोटिस भेजा है। बता दें कि अमित मालवीय और मनोज तिवारी ने संजय सिंह पर एक से अधिक वोटर कार्ड होने का आरोप लगाया था। इस मामले पर संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दिल्ली में किसी भी पूर्वांचली का वोट कटने नहीं देंगे। दिल्ली में 30-40 साल से बिहार, यूपी, पूर्वांचल के लोग रह रहे हैं, जिन्होंने अपने श्रम और परिश्रम से दिल्ली को बनाया। आप चाहते हैं कि आप उनका वोट कटवा लोगे, आम आदमी पार्टी यह काम नहीं होने देगी। जब हमने इसे एक्सपोज कर दिया तो आप आरोप लगा रहे हैं कि आम आदमी पार्टी वाले वोट बढ़वा रहे हैं और वोट कटवा रहे हैं।

पूर्वांचल के लोगों का वोट नहीं कटने देंगे: संजय सिंह

संजय सिंह ने आगे कहा कि झूठ फैलाने में मास्टर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और कृषि मंत्री ने झूठ फैलाने की कोशिश की है। बीजेपी के सभी नेता कान खोलकर सुन लें किसी भी पूर्वांचल के लोगों का वोट नहीं काटने देंगे। दिल्ली की अलग-अलग विधानसभा में बीजेपी के नेताओं ने हजारों वोट कटवाने के लिए आवेदन दिया है। बीजेपी के कुकर्मों का लेखा-जोखा हैं मेरे पास। हमारे पूर्वांचल के भाईयों को बांग्लादेशी, रोहिंग्या, बाहरी कहकर भाजपा ने वोट कटवाने के लिए आवेदन दिया है। आप पूर्वांचल के हमारे भाईयों को बांग्लादेशी, रोहिंग्या कहोगे और उनका वोट कटवाओगे और सोचोगे कि हम चुप हो रहेंगे तो ऐसा नहीं होगा। सड़क पर और सदन में आपसे लड़ूंगा। पता नहीं ये लोग योगी जी से क्यों नाराज है। अपनी ही पार्टी की सरकार के खिलाफ आज बोल रहे हैं।

संजय सिंह बोले- सुल्तानपुर की वोटर लिस्ट में मेरा नाम नहीं

उन्होंने कहा कि भाजपाईयों तुम्हें कोई जानकारी नहीं है। तुम्हें सुबह उठकर एक ही चीज सिखाई जाती है कि झूठ कैसे बोलना है और काम कैसे करना है। मेरी पत्नी ने अपना वोट कटवाने का आवेदन 4 जनवरी 2024 को जिला निर्वाचन कार्यालय सुल्तानपुर को दिया। वीरेंद्र सचदेवा, उनकी पार्टी और मोदी जी जाओ और सुल्तानपुर का जो वोटर लिस्ट है, उसमें चेक करिए कि उस वोटर लिस्ट में ना मेरा नाम है और ना मेरी पत्नी का नाम है। मैंने खुद 2013 में अपने वोट को कटवाने का आवेदन दिया था। मैंने जिला निर्वाचन अधिकारी को लिखकर दिया कि मेरा वोट काट दिया जाए। जब मैंने सूचना दे दी कि आप हमारा नाम काट दीजिए, तो मैंने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर दी। अब किसी नगर पालिका की वोटर लिस्ट में मेरा नाम था, तो वह देखना उसकी निगरानी करना कर्मचारी की होती है, जो कि योगी जी के सरकार के कर्मचारी हैं।

सड़क हादसे में मारे गए शख्स के परिजनों को 1.5 करोड़ रुपये का मुआवजा ट्रिब्यूनल का बड़ा फैसला

पालघर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने साल 2021 में सड़क हादसे में एक शख्स की मौत के मामले की सुनवाई करते हुए बड़ा फैसला सुनाया है। ट्रिब्यूनल ने मृतक के परिजनों को 1.5 करोड़ रुपये के मुआवजे का ऐलान किया है। ट्रिब्यूनल के इस फैसले की काफी चर्चा हो रही है। बता दें कि, ये घटना 13 फरवरी, 2021 को हुई थी जब 31 साल के लक्ष्मीनारायण तरनीराव पुलकला की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। दरअसल, पीड़ित लक्ष्मीनारायण अपनी बाइक से महाराष्ट्र के पालघर जिले की ओर जा रहे थे। इस दौरान पीछे से आ रही एक ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी थी। टक्कर लगने के बाद पीड़ित नीचे गिर गया और ट्रक उनके सिर के ऊपर से गुजर गया। याचिकाकर्ताओं के वकील ने ट्रिब्यूनल को बताया कि पीड़िता की मौके पर ही मौत हो गई थी।

दक्षिण एक्सप्रेस ट्रेन में युवक की हत्या, चार लोगों ने पीट-पीटकर मार डाला, सामने आई वजह

नागपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर में चलती ट्रेन में एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। यह वारदात दक्षिण एक्सप्रेस ट्रेन में हुई, जो हैदराबाद से दिल्ली जा रही थी। तभी नागपुर में हत्या की इस वारदात को अंजाम दिया गया। नागपुर रेलवे पुलिस ने इस मामले में चार युवकों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया कि चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है। सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

चोरी का विरोध करने पर मार डाला

जानकारी के अनुसार, मोबाइल और 1700 रुपये चोरी कर 4 युवको ने चलती ट्रेन में यात्री की हत्या कर दी। यात्री ने मोबाइल चोरो का विरोध किया तो चोरों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। आरोपियों ने युवक को इतना मारा कि उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान 30 साल के शशांक रामसिंह राज के रूप में की गई है। जब चोरों ने युवक का मोबाइल फोन और पैसे चुरा लिया तो दोनो के बीच विवाद हो गया। ट्रेन की जनरल बोगी में मौजूद चार युवकों ने 30 वर्ष के शशांक रामसिंह राज की पीट-पीटकर हत्या कर दी और उसकी मौके पर ही मौत हो गयी।

रेलवे पुलिस ने चोरों को किया गिरफ्तार

रेलवे पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों के नाम मोहमद फैयाज ,सय्यद समीर, मोहमद अमात और मोहमद खैसर बताए जा रहे हैं। ये सभी हैदराबाद के रहने वाले हैं और दिल्ली जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि दक्षिण एक्सप्रेस ट्रेन जब नागपुर से गुजर रही थी तभी ट्रेन में हंगामा हुआ और हंगामा इतना बढ़ा की चार युवकों ने शशांक रामसिंह राज को हाथ और लात से मरना शुरू किया। चार लोगों ने इस कदर शशांक को पीटा की उसकी मौके पर मौत हो गई।

इंदौर की रेत मंडी से हटाई पचास से ज्यादा अवैध दुकानें और ढाबे, वर्षों से था अवैध कब्जा

इंदौर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर के राजेंद्र नगर क्षेत्र में रेत मंडी के आसपास से नगर निगम ने सुबह बड़ी अतिक्रमण विरोधी मुहिम को अंजाम दिया। यहां से 50 से ज्यादा दुकानें, ढाबे, अस्थाई शेड और पांच मकान तोड़े गए। वर्षों से इंदौर विकास प्राधिकरण की जमीन पर अवैध कब्जे थे। जमीन का मामला कोर्ट में चल रहा था। कोर्ट से फैसला प्राधिकरण के पक्ष में आया और नगर निगम ने जमीन अतिक्रमण मुक्त कर प्राधिकरण को सौंपी। गुरुवार सुबह छह जेसीबी, डेढ़ सौ से ज्याद श्रमिक और दो पोकलेन मशीनों के साथ नगर निगम की रिमूवल गैंग ने रेत मंडी पर धावा बोला। अतिक्रमणकारी मुहिम का विरोध भी कर रहे थे,लेकिन भारी पुलिस बल होने के कारण मुहिम नहीं रुक सकी। अफसरों ने कहा कि अतिक्रमण कोर्ट का फैसला आने के बाद हटाए जा रहे है। रेत मंडी की यह जमीन प्राधिकरण की स्कीम 97 पार्ट-4 का हिस्सा है। स्कीम लागू होने से पहले यह कब्जे जमीन पर थे। अतिक्रमण होने के कारण प्राधिकरण जमीन का उपयोग नहीं कर पा रहा था। इस मामले में कोर्ट में केस चल रहा था। कोर्ट में प्राधिकरण ने पक्ष रखा और कहा कि विधिवत रुप से जमीन अधिगृहित की गई है और जमीन मालिकों को तय मुआवजा भी दिया गया।

'ठेकेदार के सुसाइड नोट में है प्रियांक खरगे का नाम', भाजपा नेता ने कांग्रेस पर बोला हमला

बेंगलूरू, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में ठेकेदार सचिन पांचाल की आत्महत्या को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने आ गई है। भाजपा ने दावा किया है कि ठेकेदार के सुसाइड नोट में राज्य सरकार के मंत्री प्रियांक खरगे का नाम लिया गया है। भाजपा नेता और विधानपरिषद में नेता प्रतिपक्ष चलवाडी नारायणस्वामी ने आरोप लगाया है कि ठेकेदार सचिन पांचाल के सुसाइड नोट में प्रियांक खरगे का नाम तीन बार लिया गया है। बता दें कि प्रियांक खरगे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे हैं और कर्नाटक सरकार में मंत्री पद पर हैं। भाजपा नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर भी हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि सुसाइड नोट में प्रियांक खरगे का नाम तीन जगह पर है लेकिन सीएम सिद्धारमैया सबूतों के अभाव का हवाला देकर मंत्री प्रियांक खरगे का बचाव कर रहे हैं। नारायणस्वामी ने कहा कि सीएम कह रहे हैं कि सुसाइड नोट में खरगे का नाम नहीं है, जो कि गलत है। विधानपरिषद में नेता प्रतिपक्ष नारायणस्वामी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा- "सात पन्नों के सुसाइड नोट में मंत्री प्रियांक खरगे का नाम तीन जगह पर है। आप दस्तावेज मांग रहे हैं। यह रहा एक दस्तावेज। हम और क्या पेश करें? सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि आरोप साबित करने के लिए कोई दस्तावेज नहीं है, इसलिए प्रियांक खरगे को मंत्री पद हटाने का सवाल ही नहीं है।

सीएम को सत्ता खोने का डर- भाजपा

नारायणस्वामी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- हम जानते हैं कि सिद्धारमैया के पास प्रियांक खरगे हटाने की हिम्मत नहीं है क्योंकि मंत्री के पिता मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस अध्यक्ष हैं। अगर आप प्रियांक को छूते हैं तो वह आपको पद से हटा देंगे। आपको सत्ता खोने का डर है। आप अपने मुख्यमंत्री पद से चिपके हुए हैं। भाजपा नेता नारायणस्वामी ने दावाा किया है कि ठेकेदार सचिन पांचाल ने 7 पन्नो का सुसाइड नोट लिखा था जिसपर सभी को संदेह था। हालांकि, अब एफएसएल रिपोर्ट से इस बात की पुष्टि हो गई है कि यह सुसाइड नोट फर्जी नहीं, बल्कि असली है। नारायणस्वामी ने कहा है कि सिद्धारमैया सरकार को पांचाल की आत्महत्या पर जवाब देना होगा।

कर्नाटक में अतुल सुभाष जैसा केस: पत्नी के झगड़े से तंग आकर सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने की आत्महत्या

बेंगलूरू, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक से एक और अतुल सुभाष जैसा केस सामने आया है, जहां एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रमोद ने अपनी पत्नी के लड़ाई-झगड़ों से तंग आकर आत्महत्या कर ली। उसने नदी में कूदकर अपनी जान दे दी। बताया जा रहा है कि प्रमोद 29 दिसंबर को घर से बाहर गया था और इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। तब से ही वह गायब था। फिर उसका शव मिला। जब 29 दिसंबर को प्रमोद घर से निकला, तो वह अपना फोन भी घर पर छोड़ गया था। लंबे समय तक जब प्रमोद वापस नहीं लौटा तो माता-पिता ने पुलिस को जानकारी दी और तलाश शुरू की गई। तलाश में हेमावती नदी के पुल के पास से प्रमोद की बाइक और बैंक पासबुक बरामद हुई। इसके बाद बैंक पासबुक पर लिखे नंबर पर संपर्क किया गया, जिसे प्रमोद के पिता ने उठाया। पुलिस ने उन्हें जब बाइक के बारे में जानकारी दी तो प्रमोद की पहचान हो गई। पहचान होने के बाद प्रमोद के शव को नदी से खोजकर बाहर निकाला गया। प्रमोद बेंगलुरु में बेंज कंपनी में काम करता है। वह अपनी पत्नी के साथ होने वाले लड़ाई-झगड़े से तनाव में आ गया था। इसके साथ ही ये भी कहा जा रहा है कि प्रमोद को उसके भाई-बहन भी परेशान कर रहे थे। इस सब से छुटकारा पाने के लिए प्रमोद ने मौत को गले लगा लिया और नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली। जब प्रमोद का शव बरामद कर लिया गया, तो परिजन मौके पर पहुंच गए। प्रमोद की पत्नी भी अपनी मां और बच्चों के साथ प्रमोद के शव को देखने आई। इसी दौरान पत्नी के परिजनों और प्रमोद के परिजनों के बीच विवाद हो गया, जहां भीड़ को काबू करने में पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। हाल ही में पत्नी से तंग आकर सॉफ्टवेयर इंजीनियर अतुल सुभाष ने आत्महत्या कर ली थी। अतुल सुभाष के मामले ने पूरे देश में सनसनी फैला दी। इसके बाद से ही कर्नाटक के अलग-अलग हिस्सों से ऐसे मामले सामने आ रहे हैं।

नए साल पर युवक की बेरहमी से हत्या, शरीर के किए टुकड़े-टुकड़े, काट डाले सिर और हाथ-पैर

धेंकानाल, 2 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के धेंकानाल जिले के परजंग पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत बसोई गांव में नए साल के दिन एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। 28 साल के युवक राकेश सेठी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। राकेश पर उसी गांव के सरोज बिस्वाल ने हमला किया। कथित तौर पर सरोज बिस्वाल और राकेश सेठी के बीच पुरानी रंजिश थी। घटना उस समय हुई जब राकेश दोपहर को घर लौट रहा था।आरोपी सरोज ने पहले राकेश पर बांस के डंडे से हमला किया, जिससे वह बेहोश हो गया। उसके बाद उसने कुल्हाड़ी से राकेश के शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। जानकारी के मुताबिक आरोपी ने राकेश की पत्नी और दो छोटे बच्चों पर भी हमला करने की कोशिश की, लेकिन वे किसी तरह वहाँ से भाग गए। घटना की सूचना मिलने पर कमाख्यानगर के एसडीपीओ ज्ञान रंजन मिश्रा और परजंग थाना प्रभारी प्रियब्रत दास मौके पर पहुंचे। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया है

एमपी में बढ़ रहा साइबर क्राइम पुलिस के लिए चुनौती डीजीपी ने तैयार किया खात्मे का 'ब्लू प्रिंट'

भोपाल, 2 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में साइबर क्राइम का मामला बढ़ता जा रहा है। इस बीच प्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने नए साल पर पुलिस विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों को एमपी में बढ़ रहे साइबर अपराध, नशा और यातायात दुर्घटना को गंभीर चुनौती बताते हुए साल 2025 में इन पर रोक लगाने की अपील की है। डीजीपी का संदेश सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। मध्य प्रदेश के डीजीपी कैलाश मकवाणा ने साल 2025 के शुभकामना संदेश में मध्य प्रदेश पुलिस की दिशा तय करने के संकेत दे दिए हैं। डीजीपी ने अपने संदेश में कहा, साल 2024 मध्य प्रदेश पुलिस के लिए चुनौती पूर्ण रहा है लेकिन कई उल्लेखनीय उपलब्धियां भी पुलिस ने हासिल की हैं। मध्य प्रदेश में साल 2024 में हुए लोकसभा चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने में पुलिस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डीजीपी साल 2025 को लेकर पुलिस को टास्क भी दिया है। डीजीपी ने कहा है कि मध्य प्रदेश में बढ़ रहे साइबर अपराध, नशा और यातायात दुर्घटना गंभीर चुनौती है। इन पर नियंत्रण करने के लिए पुलिस की और अधिक सक्रियता जरूरी है। इसके अलावा आम लोगों में इसके बचाव हेतु जागरूकता अभियान भी निरंतर जारी रखने की आवश्यकता है।

विवाहित का सहमति संबंध में रहना द्विविवाह जैसा, कोर्ट ने कहा-नहीं दे सकते ऐसे मामलों में सुरक्षा

चंडीगढ़, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने सहमति संबंध में रह रहे पंजाब निवासी जोड़े को सुरक्षा देने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि व्यक्ति पहले से ही शादीशुदा है और उसके बच्चे भी हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में संरक्षण देने से गलत काम करने वालों को बढ़ावा मिलेगा और भारतीय समाज के नैतिक मूल्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। जस्टिस संदीप मौदगिल ने अपने आदेश में कहा कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक नागरिक को सम्मानपूर्वक जीने का अधिकार देता है, लेकिन यह अधिकार कानून के दायरे में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में याचिकाओं को स्वीकार करने से द्विविवाह जैसी अवैध प्रथाओं को बढ़ावा मिलेगा, जो भारतीय दंड संहिता की धारा 494 के तहत अपराध है। विवाहित व्यक्ति का सहमति संबंध में रहना सामाजिक ताने-बाने और नैतिक मूल्यों के खिलाफ है। इस तरह के अवैध संबंधों को वैधता प्रदान करना अन्यायपूर्ण होगा।

आंखों के सामने जल गया आशियाना, गांव में लगी भीषण आग, नए साल पर 100 लोग हो गए बेघर

कुल्लू, 2 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल के मौके पर जब हर तरफ जश्न मनाया जा रहा था। तभी हिमाचल प्रदेश के कल्लू की बंजार घाटी के एक गांव में भीषण आग लग गई। इस आग की चपेट में आने से सैकड़ों लोग बेघर हो गए। इसमें करीब 17 घर जलकर राख हो गए। गांव में लगी आग पर करीब पांच घंटे बाद काबू पाया जा सका। यह हादसा कुल्लू की बंजार घाटी के जीभी के तांदी नाम के गांव में हुआ। जीभी एक फेमस टूरिस्ट स्थल है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि सबसे पहले एक गौशाला में आग लगी थी। इसके बाद देखते ही देखते आग की चपेट में गांव के कई घर आ गए। इस हादसे के दौरान गांव वालों ने आग बुझाने की बहुत कोशिश की, लेकिन उनकी कोशिश नाकाम रही और आग फैलती चली गई। इस हादसे में 17 घरों के साथ-साथ 7 गौशालाएं और देवता शेषनाग का भंडार भी जलकर राख हो गया। इस घटना में करीब 100 लोगों के आशियाने उनकी आंखों के सामने जल गए। आग लगने की जानकारी फायर ब्रिगेड की टीम को दी गई। टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर तो काबू पा लिया, लेकिन घरों को जलने से नहीं बचा पाई। हिमाचल प्रदेश आपदा प्रबंधन की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक इस घटना से करीब 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हादसे में जिन लोगों के घर जले हैं। उन पीड़ित परिवारों को प्रशासन की ओर से मदद दिए जाने की बात कही गई है। प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को 15 हजार रुपये की राहत देने का ऐलान किया है। इसके साथ ही पीड़ित लोगों को तिरपाल, रजाई, कंबल, बर्तन और सभी जरूरी चीजें भी मुहैया कराई गई हैं, साथ ही राशन भी बांटा गया है। इस घटना की जानकारी जब कुल्लू के विधायक सुरेंद्र शौरी को मिली, तो वह भी मौके पर पहुंचे।

सामने नहीं आई आग लगने की वजह

उन्होंने बताया कि भीषण अग्निकांड हुआ है। लोगों के घर, गौशालाएं और देवता शेषनाग का भंडार भी जल गया है। पीड़ितों की पूरी मदद की जा रही है। कुल्लू की डीसी ने बताया कि राहत की बात ये है कि इस हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। इसके अलावा सूबे के मुखिया सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी घटना पर दुख जाहिर किया। ये घटना कैसे हुई। अभी तक इस बात का पता नहीं लग पाया है।

बीड सरपंच हत्याकांड: कांग्रेस नेता का सरकार पर हमला, कहा- बड़ी को बचाने के लिए छोटी मछली को मारने की तैयारी

नागपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बीड सरपंच हत्या मामले में कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने महायुति सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बड़ी मछली को बचाने के लिए छोटी मछली को मारने की तैयारी है। उन्होंने बीड पुलिस-प्रशासन पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि बीड पुलिस स्टेशन में जो बेड ले जाए जा रहे थे क्या वे वाल्मिक कराड के लिए थे? कांग्रेस नेता वडेट्टीवार ने किसी का नाम लिए बिना दावा किया कि बड़ी मछली को बचाने के लिए छोटी मछलियों को मारा जा सकता है। पुलिस को बताना चाहिए कि बीड के पुलिस स्टेशन में किसके लिए बिस्तर ले जाए जा रहे थे? क्या वे वाल्मिक कराड के लिए थे, जो पुलिस हिरासत में हैं? इसकी जांच की जानी चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि राज्य के लोग चुनावों के दौरान सत्तारूढ़ महायुति द्वारा दिए गए आश्वासनों को पूरा करने की उम्मीद कर रहे हैं।

जलगांव हिंसा अपडेट: 14 घंटे के लिए बढ़ाया गया कर्फ्यू, दुकानदारों को भारी नुकसान

जलगांव, 2 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले के पलाधी गांव में 31 दिसंबर की रात हुई हिंसा में पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है। यहां रात में हुए दो गुटों के विवाद में मारपीट, पथराव और आगजनी के बाद इलाके में पुलिस ने कर्फ्यू लगा दिया। गुरुवार सुबह 6 बजे तक इलाके में कर्फ्यू लगाया गया था, जिसे 14 घंटे के लिए बढ़ा दिया गया है। यानी कर्फ्यू में ढील देने के जगह इसे रात 8 बजे तक बढ़ाया गया है। इस घटना में 2 अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। इसमें 20 से 22 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज है। जलगांव पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों को पकड़ने का काम कर रही है। रातभर ये काम शुरू था। अब भी इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। रेवेन्यू विभाग की टीम भी आगजनी में हुए नुकसान का जायजा लेने इलाके में पहुंची है। इस आगजनी में लाखों की संपत्ति का नुकसान हुआ है। उपद्रवियों ने कई दुकानें और गाड़ियां फूंक दी थीं।

ऐसे हुआ विवाद और भड़क गई हिंसा

पलाधी शिवसेना मंत्री गुलाबराव पाटिल का गांव है। इसी गांव में मंत्री गुलाबराव पाटिल अपने परिवार के साथ रहते हैं। बीते 31 दिसंबर की रात मंत्री गुलाबराव पाटिल की पत्नी अपने वाहन से गुजर रही थीं। इस समय कुछ युवक एक स्थान पर खड़े थे। ड्राइवर के हार्न बजाने पर विवाद हो गया। युवकों ने ड्राइवर से गाली-गलौच की। आरोप है कि इसी दौरान गुस्साए शिवसैनिकों ने युवकों पर गाड़ी चढ़ा दी। उसके बाद गांव में हिंसा भड़क गई। दो गुट आमने-सामने आ गए। पथराव और आगजनी हुई।

जमकर हुआ पथराव और आगजनी

एक समूह ने बस स्टेशन इलाके में पांच दुकानों में आग लगा दी। फिर बाजार की दुकानों में तोड़फोड़ की। इस बीच कुछ गाड़ियों में भी आग लगा दी गई। इससे पलाधी गांव में काफी तनाव पैदा हो गया। घटना की गंभीरता को समझते हुए जलगांव से दंगा नियंत्रण दल की तीन इकाइयां और पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी मौके पर पहुंची। इसके बाद स्थिति पर काबू पाया गया। अधिकारी रात भर गांव में तैनात रहे। देर रात तक इस मामले में धरणगांव थाने में मामला दर्ज कर लिया गया। इसके बाद सात लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

दुकानदारों को हुआ भारी नुकसान

पुलिस ने बताया है कि इस संबंध में धरनगांव थाने में 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। गांव में शांति बनाए रखने के लिए कर्फ्यू लगा दिया गया है। पुलिस ने ग्रामीणों से कानून व्यवस्था का पालन करने की अपील की है। इस घटना में चार से पांच दुकानें जलकर पूरी तरह खाक हो गई हैं। दुकानदारों ने बताया कि सामान व दुकान को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। रोज की तरह रात को दुकान बंद कर घर जाने के बाद सीधे पुलिस से घटना की जानकारी मिली। आकर देखा तो दुकानें जल रही थीं। आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन तब तक दुकान व सारा सामान नष्ट हो चुका था।

बीजेपी सांसद महेश शर्मा की सदस्यता के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका, सुनवाई के दौरान क्या-क्या हुआ?

गौतमबुद्धनगर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। गौतमबुद्धनगर के भाजपा सांसद डॉक्टर महेश शर्मा के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने डॉ महेश शर्मा, चुनाव आयोग समेत अन्य पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। सीजेआई संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिकाकर्ता गीतारानी शर्मा के वकील से पूछा कि याचिका से डीएम का नाम हटाने का आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट ने क्यों दिया था? हालांकि वकील ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया, जिसके बाद बेंच ने सभी पक्षकारों को नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट 24 मार्च के बाद गए गीतारानी याचिका पर अगली सुनवाई करेगा। यह याचिका बुलंदशहर की रहने वाली चुनावी उम्मीदवार गीतारानी शर्मा की है, जिनकी याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी और अब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। याचिका में पीठासीन अधिकारी पर गलत तरीके से उनका नामांकन निरस्त करने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है।

याद रहे कि हाईकोर्ट ने कहा था कि विपक्षी सांसद अपना जवाबी हलफनामा दाखिल नहीं करते हैं तब हाईकोर्ट याचिका पर सुनवाई के आदेश देगा। इसके बाद हाई कोर्ट ने केंद्रीय निर्वाचन आयुक्त की आपत्ति को स्वीकारते हुए निर्वाचन आयुक्त को पक्षकार से हटा दिया था। साथ ही डीएम गौतमबुद्धनगर और विपक्षी चार व पांच को भी पक्षकार से हटाने का आदेश दिया था। गीतारानी शर्मा ने लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए निर्दलीय पर्चा दाखिल किया था, लेकिन उनका पर्चा खारिज कर दिया गया था। गीतारानी 2022 में भी विधानसभा का चुनाव लड़ चुकी हैं। उनके मुताबिक राजनीति में आने के लिए उन्होंने पुलिस की नौकरी छोड़ दी थी।

तीसरी बार सांसद चुने गए हैं महेश शर्मा

महेश शर्मा तीसरी बार गौतमबुद्धनगर सीट से सांसद चुने गए हैं। 2024 के चुनाव में शर्मा ने सपा के महेंद्र नागर को हराया था। 2014 में शर्मा पहली बार इस सीट से जीतकर संसद पहुंचे थे। शर्मा केंद्र सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। 2008 में गौतमबुद्धनगर सीट सियासी तौर पर अस्तित्व में आया। गौतमबुद्धनगर लोकसभा के अधीन नोएडा, खुर्जा, दादरी, जेवर और शिकंदराबाद की विधानसभा सीटें हैं।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 3 जनवरी - 2025

भाजपा व आप की लड़ाई में मायावती किसका खेल बिगाड़ेंगी?

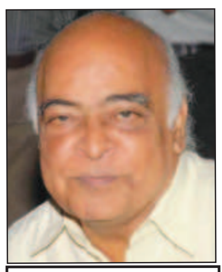

अशोक भाटिया

इस समय दिल्ली चुनाव में सबकी नजर अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी पर है। आंदोलन से निकली इस पार्टी ने अपने पहले ही चुनाव में कमाल किया था। फिर 2015 के चुनाव में दिल्ली की 70 में से 67 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया था। 2020 में भी दिल्ली की 63 सीटों पर पार्टी ने कब्जा जमाया। वहीं, पंजाब में भी पार्टी सत्ता में है। हालांकि, पार्टी के लिए 2024 का साल अच्छा नहीं रहा। कानूनी परेशानियों, नेतृत्व परिवर्तन और चुनावी असफलताओं से जूझते हुए आम आदमी पार्टी को 2024 में अशांति का सामना करना पड़ा। फरवरी में दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारी के साथ, पार्टी अपनी नीतियों में जनता के विश्वास को फिर से बनाने और अपने शासन रिकॉर्ड और विवादों से आकार लेने वाले राजनीतिक परिदृश्य को नेविगेट करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। 2024 में आप के लिए सबसे बड़ा झटका उसके सुप्रीमो और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मार्च में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उत्पाद शुल्क नीति मामले से जुड़े कथित भ्रष्टाचार को लेकर गिरफ्तारी थी। यह पहली बार था कि किसी मौजूदा मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया गया था। मई में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतरिम जमानत दिए जाने से पहले केजरीवाल ने लगभग छह महीने तिहाड़ जेल में बिताए। जबकि अदालत ने उन्हें लोकसभा चुनावों के लिए प्रचार करने की अनुमति दी, लेकिन उन्हें आधिकारिक कर्तव्यों को फिर से शुरू करने से रोक दिया, एक ऐसा निर्णय जिसने राष्ट्रीय राजधानी में नियमित शासन को प्रभावित किया। केजरीवाल की गिरफ्तारी के साथ-साथ अन्य वरिष्ठ नेताओं को कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ा, जिससे आप की छवि पर काफी असर पड़ा। हालाँकि, 2024 वह साल भी था जब सभी शीर्ष गिरफ्तार नेताओं को जमानत दे दी गई थी। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को अप्रैल में जमानत मिल गई, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, जिन्हें 2023 में गिरफ्तार किया गया था, 17 महीने जेल में रहने के बाद अगस्त में रिहा हो गए और एक अन्य प्रमुख नेता सत्येन्द्र जैन को अक्टूबर में जमानत मिल गई। इन कानूनी राहतों के बावजूद, मामलों ने आप की भ्रष्टाचार विरोधी कहानी को नुकसान पहुँचाया, विपक्षी दलों ने पार्टी की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने के लिए विवादों का इस्तेमाल किया। 2024 के लोकसभा चुनावों में, आप दिल्ली की सात सीटों में से किसी को भी सुरक्षित करने में विफल रही, बावजूद इसके कि उसका वोट शेयर 2019 में 18.2 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 24.14 प्रतिशत हो गया। इसके अलावा, पार्टी पंजाब में जिन 13 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ी थी, उनमें से केवल तीन सीटें जीतने में सफल रही, जिससे उसकी आकांक्षाओं को झटका लगा। नतीजों ने मतदाताओं के असंतोष को रेखांकित किया और विपक्षी आख्यानों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने की पार्टी की क्षमता पर सवाल उठाए। ऐसे में भाजपा जिसने 2024 के लोकसभा चुनावों में दिल्ली की सातों सीट जीती थी अब इस चुनाव में आप पार्टी को विधानसभा में शिकस्त देने की तैयारी कर रही है । चुनाव के इस रण में अचानक बसपा ने सभी सीटों पर लड़ने का एलान कर भाजपा व आप पार्टी के लिए मुसीबत कड़ी कर दी है । वैसे मायावती के हाथी का इस रण में उतरना कोई नई बात नहीं है । राजधानी दिल्ली में बसपा दिल्ली नगर निगम की 250 और दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों पर चुनाव लड़ती हुई आई है। साल 2008 में दिल्ली में 2 उम्मीदवार बसपा से जीत कर पहुंचे थे। हालांकि, 2013 के विधानसभा चुनाव में पार्टी किसी भी सीट से चुनाव नहीं जीती। हालांकि, इन सबके बाद बसपा ने साल 2009, 2014 और 2019 में दिल्ली में लोकसभा चुनाव भी लड़ा था, लेकिन कोई खास कामयाबी नहीं मिली। दिल्ली की राजनीति में बसपा ने चुनाव हर बार लड़ा, लेकिन दम नहीं दिखा पाई। वर्ष 2004 से 2024 तक हुए चार लोकसभा चुनाव में बसपा को इस बार सबसे कम वोट प्रतिशत मिला है। इस बार उसका वोट शेयर महज 0.71 प्रतिशत रहा, जबकि वर्ष 2019 में 1.1 फीसदी रहा था। राजधानी दिल्ली में बसपा की छवि अब सिर्फ वोट काटने वाली पार्टी की बन गई है। ज्ञात हो कि लोकसभा चुनाव में बिना गठबंधन में शामिल हुए अकेले मैदान में उतरी बसपा ने दिल्ली में सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे। जातीय समीकरणों को साधने की भी पूरी कोशिश की, लेकिन राजनीतिक कमाल दिखाना तो दूर, बसपा के प्रत्याशी जमानत जब्त होने से भी नहीं बचा सके। 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने दिल्ली में अपने राजनीतिक सफर में सबसे ज्यादा 5.23 फीसदी वोट पाए थे। भाजपा और कांग्रेस की तुलना में यह भले कम था, लेकिन बसपा के कई प्रत्याशियों ने चुनाव मैदान में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई थी। इसके बाद 2014 में मोदी लहर में एससी वोट भाजपा की तरफ खिसका तो दिल्ली में बसपा के हाथ करीब-करीब खाली हो गए। इस चुनाव में बसपा को दिल्ली में सिर्फ 1.23 फीसदी वोट शेयर मिला था। इसके बाद से हर चुनाव में बसपा के लिए न तो राजनीतिक और न ही जातीय समीकरण काम आए। मुस्लिम और एससी बहुल क्षेत्रों में सजातीय प्रत्याशियों को टिकट देने के बावजूद बसपा के लिए जीत का स्वाद चखना तो दूर, 2009 जैसी स्थिति को वापस पाना भी मुश्किल हो गया। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान दिल्ली में बसपा की स्थिति 2014 जैसी भी नहीं रही। 0.1 फीसदी वोट शेयर और नीचे खिसक कर बसपा का वोट प्रतिशत इस चुनाव में महज 1.1 फीसदी रह गया था। 2024 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने फिर से दिल्ली की सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारे। आम आदमी पार्टी से बगावत करके आए मंत्री राजकुमार आनंद को टिकट देकर राजनीतिक समीकरण साधने का प्रयास किया, लेकिन बसपा का प्रदर्शन लोकसभा चुनाव में अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन रहा। चुनाव दर चुनाव नीचे गिर रहे बसपा के वोट शेयर के आंकड़े बता रहे हैं कि बसपा का वजूद दिल्ली में अब सिर्फ वोट काटने वाली पार्टी का बनकर रह गया है। जीत हासिल करना पार्टी के लिए बेहद मुश्किल हो गया है।दिल्ली में बसपा का प्रदर्शन 2009 के लोकसभा चुनाव में बढ़िया रहा था। इस चुनाव में पार्टी को सबसे ज्यादा 12.04 फीसदी वोट दक्षिणी दिल्ली सीट पर मिले थे। बसपा ने यहां कंवर सिंह तंवर को टिकट देकर चुनाव मैदान में उतारा था। मजबूत प्रत्याशी और जातीय समीकरणों को साधकर उन्होंने अन्य प्रत्याशियों से ज्यादा वोट पाए थे, लेकिन जीत हासिल नहीं कर पाए थे।1989 से 2024 तक के चुनाव में बसपा को दिल्ली में मिला वोट शेयर बहुत ही कमजोर रहा । मायावती को सोचना चाहिए कि दो सत्ताधारी दिग्गज पार्टियों की लड़ाई में वह कहाँ टिकेगी । केवल दो पाटों के बीच पिस कर रह जाएगी । लोकतंत्र में चुनाव लड़ने का हक सबकों है पर सामने वालों की ताक़त को भी देखना चाहिए । दिल्ली में एक दशक से अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी सत्ता में है। आगे भी कुर्सी पर बने रहने के लिए केजरीवाल की ओर से महिलाओं, बुजुर्गों पर फोकस करके योजनाओं का ऐलान किया जा रहा है। दिल्ली में फ्रीबीज को लेकर आप सरकार लगातार विपक्ष के निशाने पर रही है लेकिन केजरीवाल को यह फॉर्मूला काफी रास आया है। यही वजह है कि पार्टी ने 70 विधानसभा सीटों वाली दिल्ली में दो बार 60 से ज्यादा सीटें हासिल की हैं। हाल में लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद अरविंद केजरीवाल को जेल भी जाना पड़ा। यही नहीं, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, संजय सिंह जैसे टॉप पार्टी लीडर भी जेल में रह चुके हैं।

महिलाएं सुरक्षित नहीं!

महिलाएं घर से बाहर निकलें तो वे अपने को असुरक्षित महसूस करती हैं। रही बात घर की तो उसकी चारदीवारी के भीतर भी उनके साथ हो रहा हिंसात्मक व्यवहार सबसे बडी समस्या बनी हुई है। महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा की कुल शिकायतों का 54% उत्तर प्रदेश से ही है। इस रिपोर्ट में 'सम्मान के साथ जीने के अधिकार' की मांग वाली शिकायतें सबसे ऊपर रहीं, जो कुल शिकायतों का लगभग 28% हैं। दहेज उत्पीड़न के मामले 17% (4,383) रहे और दहेज हत्याओं की 292 शिकायतें दर्ज हुईं हैं। एनसीडब्ल्यू के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में घरेलू हिंसा एक प्रमुख चिंता का विषय बनी रही। कुल 25,743 शिकायतों में से 6,237 शिकायतें घरेलू हिंसा से संबंधित थीं, जो कुल शिकायतों का लगभग एक-चौथाई है। इससे यह तो साबित हो जाता है कि घर के भीतर भी महिलाओं के खिलाफ हिंसा एक गंभीर समस्या बनी हुई है। महिलाओं को 'सम्मान के साथ जीने के बुनियादी अधिकार' है लेकिन इसी से जुड़ी शिकायतें सबसे ज़्यादा मिली हैं। यह अधिकार महिलाओं के लिए बुनियादी है और इसकी मांग सबसे ज़्यादा होना चिंताजनक है। बराबरी का दर्जा मिलने के बाद भी महिलाओं के साथ दहेज उत्पीड़न और दहेज हत्याओं की शिकायतें आज भी बड़ी संख्या में दर्ज की गईं हैं, जो दर्शाता है कि दहेज प्रथा अभी भी महिलाओं के लिए एक बड़ा अभिशाप है। हालांकि 2024 में कुल शिकायतों में गिरावट देखी गई, लेकिन ये संख्या कोविड से पहले के सालों की तुलना में अभी भी ज्यादा है। 2019 में कुल शिकायतें 19,730 थीं, जो 2020 में बढ़कर 23,722 हो गईं। महामारी के दौरान 2021 और 2022 में यह संख्या 30,000 से अधिक हो गई थी। 2023 में पहली बार इन शिकायतों में गिरावट आई। यह गिरावट सकारात्मक संकेत है, लेकिन शिकायतों की संख्या अभी भी चिंताजनक है। राज्यवार शिकायतों का आंकडा देखें तो उत्तर प्रदेश से सबसे ज़्यादा शिकायतें मिलीं हैं, जो कुल शिकायतों का आधे से भी ज्यादा हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार, मध्य प्रदेश और हरियाणा भी उन राज्यों में शामिल हैं जहां से बड़ी संख्या में शिकायतें मिलीं हैं। यह दर्शाता है कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों को रोकने के लिए इन राज्यों में और ज्यादा कोशिश करनी होगी। 2024 में सबसे ज्यादा शिकायतें उत्तर प्रदेश (54%) से आईं, उसके बाद दिल्ली (9%), महाराष्ट्र (5.1%), बिहार (4.8%), मध्य प्रदेश (4.2%) और हरियाणा (4.1%) का स्थान रहा। महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े अन्य अपराधों, जैसे कि छेड़छाड़, बलात्कार, यौन उत्पीड़न, साइबर अपराध और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतें भी दर्ज की गईं। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि महिलाओं को विभिन्न प्रकार की हिंसा और उत्पीड़न का सामना आए दिन करना ही पडता है।

कल जो गुजरा है फिर से न गुजरे

मनोज अग्रवाल

2024 अच्छे बुरे अंजाम के साथ विदा हो चुका है और हमलोग नए साल में प्रवेश कर चुके हैं। 2024 में जहां दुनिया भर में प्राकृतिक आपदाओं धर्म जाति संप्रदाय क्षेत्र के नाम पर परस्पर खून की प्यास बुझाने के लिए कहीं इजराइल और फिलिस्तीन के बीच गाजा पट्टी पर खूनी संघर्ष हुआ तो यूक्रेन और रूस के बीच भी जंग जारी रही। बंगलादेश में शेख हसीना को पद से हटा कर युनूस पदारूढ किए गए तो हिन्दुओं पर अत्याचार बढ गए। अपने देश में भी मणिपुर समेत कई राज्यों में हिंसा का तांडव चलता रहा। इस सब के बीच निर्दोष निरपराध इंसानों ने बहुत बड़ी कीमत चुकाई। कहीं हजारों लाखों लोग दरबदर होकर जान की हिफाजत के लिए शरणार्थी शिविरों में शरण लेने बंकरों में छिपने के लिए मजबूर हुए। कुल मिला कर दुनिया का एक बड़ा हिस्सा आपाधापी हिंसा अराजकता के बीच जिंदगी खोजता रहा। निःसंदेह नव वर्ष सुबह नई उम्मीद और एहसास लेकर आया है। हर नया वर्ष चुनौतियों का होता है तो उम्मीदों की किरणों भी रोशनी बिखेरती हैं। यह इंसान की फितरत है कि हर नए आगाज के साथ नई उम्मीदें जोड़ता है। साथ ही अपने सामने मौजूद चुनौतियों के लिए खुद को तैयार करने का संकल्प वह लेता है। इसीलिए नव वर्ष के मौके पर नए संकल्प लेने की रिवायत है। साथ ही नया साल जो कार्य पिछले साल में अधूरे रह रह गए थे उन कार्यों को नई ऊर्जा से पूर्ण करने की प्रेरणा और आधार देता है। नए साल में हर व्यक्ति को नए अहसास के साथ अपने अधूरे कार्यों को पूर्ण करने का प्रयास करना चाहिए और अपने लिए नए लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए व नई सोच के साथ उन लक्ष्यों को साकार करने का प्रण लेना चाहिए। नया वर्ष हर व्यक्ति के लिए बीते हुए वर्ष की सफलताओं और उपलब्धियों के साथ-साथ कमियों और गलतियों का मूल्यांकन करने का समय है। यह हमें अपने आप को भावी वर्ष के लिए योजना बनाने, कार्य करने तथा आगामी वर्ष के लिए नए लक्ष्य तय करने का अवसर प्रदान करता है। नए साल की शुरुआत में हर व्यक्ति को भावी वर्ष के लिए नए लक्ष्य बनाने चाहिए और उन्हें पूरा करने की रणनीति बनानी चाहिए, जिससे कि अवसरों को सफलता में बदला जा सके। अगर देखा जाए तो 2024 जाते-जाते कई ऐसे यादगार पल दे गया जो उत्साह, उमंग एवं ऊर्जा जगाते हैं, उज्जवल भविष्य का संकेत देते हैं। दुनिया के कई हिस्सों में व्याप्त अशांति के बावजूद भारत ने वर्ष 2024 में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। यह साल भारत के। लिए काफी खास रहा। हा। केंद्र की मोदी सरकार ने देश में ऐसे कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए, जिससे सर्वजन के कल्याण के साथ ही एक देश के रूप में भारत को पहले से कहीं ज्यादा मजबूत किया। देश के प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चाहे वो अर्थव्यवस्था, सामाजिक कल्याण और देश के बुनियादी ढांचे का विकास हो या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा क्षेत्रों में नीतियों और निर्णयों का निर्धारण हो, भारत की तरफ से दुनिया को यही संदेश दिया गया कि अब न केवल देश विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है, बल्कि उसके बागडोर मजबूत हाथों में भी है।

इसी साल ना सिर्फ पीएम मोदी साठ साल में लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाले पहले पीएम बने, बल्कि उनके नेतृत्व में भाजपा ने हरियाणा और महाराष्ट्र में शानदार सफलता हासिल की। केंद्र की एनडीए सरकार के प्रमुख निर्णय नए आपराधिक कानूनों को लागू करना, पीएम-सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी देना, प्रधानमंत्री आवास योजना का विस्तार और संसद में 'एक राष्ट्र एक चुनाव' विधेयक पेश करना रहा। अगर अर्थव्यवस्था की बात की जाए भू-राजनीतिक चुनौतियों से उत्पन्न आपूर्ति श्रृंखला और कच्चे तेल के दामों में अ आई तेजी के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था 2024 में विश्व की सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रही है। तकनीकी प्रगति, प्रौद्योगिकी, बैंकिंग, नवीकरणीय ऊर्जा और आत्मनिर्भर भारत जैसे नीतिगत उपायों से भारत वैश्विक आर्थिक क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत रखने में सफल रहा है।

रेखाओं के बाणों से बींधने वाले 'काक'

घनश्याम बादल

साल 2025 की पहली खबर ही रचनात्मक दुनिया को एक मनहूस खबर के रूप में मिली । सुबह-सुबह पांच बजे ही सूरज की पहली किरण से पहले प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट 'काक' हम सबको पिछले 50 साल से भी ज्यादा अवधि में हंसाते हुए, हृदय आघात से दुनिया छोड़कर चले गए। वैसे काक उनका 'सिग्नेचर' नाम था। असली नाम था हरीश चंद्र शुक्ला । शायद हरिश्चंद्र शुक्ला नाम से उन्हें बहुत कम लोग जानते हों लेकिन उस जमाने में जब अखबार खबरों के सबसे बड़े माध्यम हुआ करते थे और अधिकांश पाठक अखबार पढ़ने की शुरुआत हैडलाइंस से करते थे, तब मैकेनिकल इंजीनियर की नौकरी करके भी लगातार धारदार कार्टून बनाकर काक ने अपने मोटे ब्रश से बनाए गए कार्टून कोनों से इस परंपरा को बदलकर रख दिया। देश के प्रमुख अखबारों में मुख्य पृष्ठ पर बाईं ओर एक कोने में केवल चार साढे चार इंच के बॉक्स में छपने वाला उनका कार्टून जागरूक पाठकों की पहली पसंद बन गया । अब अखबार जनसत्ता हो या नवभारत टाइम्स, चौथी दुनिया हो या जागरण, हर अखबार के संपादक की पहली पसंद होते थे काक के कार्टून । काक काम के लिए अखबारों के प्रतिष्ठानों के पीछे नहीं भागे बल्कि प्रतिष्ठान उन्हें ससम्मान अपने यहां लेकर गए और पाठकों की मांग और उनकी लोकप्रियता को देखते हुए अधिकांश प्रतिष्ठानों में उनका रुतबा संपादकों से भी बड़ा बना रहा लेकिन इस रुतबे का विनम्र स्वभाव के हरिश्चंद्र शुक्ला ने कभी फ़ायदा नहीं उठाया. विनम्रता पूर्वक चुप रहकर कुछ इस तरीके से मोटी रेखाओं के रेखाचित्र बनाते रहते थे कि मोटी से मोटी बुद्धि का पाठक भी उनके 'नज़रिए' या काक दृष्टि को समझ जाता था और उनके व्यंग्य की तीखी धार तथा व्यंग्य की मार को अंदर तक महसूस करता था। काक के कार्टून और चित्रों ने भारतीय समाज के विभिन्न पहलुओं को बहुत सटीकता से चित्रित किया। 16 मार्च 1940 को उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के एक छोटे से गांव 'पुरा' में जन्मे पेशे से भूतपूर्व मैकेनिकल इंजीनियर काक की दृष्टि गजब की थी. राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक या तकनीकी अथवा तीज त्यौहार, सभी क्षेत्रों से वे अपने कार्टूनों की सामग्री इतने स्वाभाविक तरीके से ढूंढ आदि थे कि देखने वाला बस देखते ही रह जाता था। काक के पिता शोभा नाथ शुक्ला, एक स्वतंत्रता सेनानी और गंभीर स्वभाव के व्यक्ति थे मगर उनका बेटा हरिश्चंद्र शुक्ला व्यवस्थाओं में एवं प्रशासन में अपनी पहली दृष्टि से ऐसे चित्र ढूंढ लता था कि व्यक्ति मुस्कुराए बगैर नहीं रहता था। काक के कार्टूनों के कार्टूनों में सेंस ऑफ ह्यूमर गजब का था और तीखे कटाक्ष में अद्भुत ताजगी थी। उनके कार्टूनों में रोज़ की राजनीतिक हलचलों का विश्लेषण बेहद सटीक था। हो सकता है आज की पीढ़ी शायद काक से ज़्यादा परिचित न हो लेकिन उनके कार्टूनों ने एक दौर में बड़ी पहचान बनाई । काक हर दिल अजीज कार्टूनिस्ट ही नहीं अपितु बेहद संवेदनशील व्यक्ति भी थे । अपने पाठकों से उनका गहरा लगाव था । एक बार जब नवभारत टाइम्स में उनके कार्टून राजेंद्र माथुर के संपादन काल में प्रमुखता से छप रहे थे, तब मैं हाई स्कूल या इंटरमीडिएट का छात्र था और उनके कार्टूनों का बहुत बड़ा मुरीद, मैंने बहुत ही मासूमियत भरे अंदाज में उनसे पत्र लिखकर पूछा था कि क्या मैं भी उनके 'बुढऊ' को बना सकता हूं तो उन्होंने कार्टून के जरिए ही इसका जवाब भी दिया था जिसमें उनका बुढऊ कहते हुए दिख रहा था, मुझे तो कोई भी 'बना' सकता है । फेसबुक पर भी जब मैं उनकी प्रोफाइल देखी तो उत्सुकतावश उन्हें फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी और उन्होंने सहृदयता पूर्वक मुझे अपनी मित्रता सूची में जोड़ लिया उसके बाद से इस आभासी मंच के माध्यम से उनसे लगातार संपर्क बना रहा । 83 वर्ष की उम्र में भी उनकी सक्रियता देखते ही बनती थी और करीब-करीब रोज ही एक नया कार्टून बनाकर अपने प्रोफाइल पर डाल देते थे । नव वर्ष की सुबह जब उनके निधन का समाचार उनके फेसबुक अकाउंट के माध्यम से ही मिला तो यक़ीन नहीं हुआ लेकिन यही जीवन का कटु यथार्थ है कि जो आया है उसे जाना ही पड़ेगा लेकिन व्यक्ति की पहचान उसके द्वारा जिए गए बरसों से नहीं बल्कि उसके द्वारा किए गए कार्यों से अधिक बनती है और बेशक एक कार्टूनिस्ट एवं कैरीकेचर बनाने वाले आर्टिस्ट के तौर पर आज भी काक के मुकाबले का रेखांकनकार दूसरा तो नजर नहीं आता। अपने श्रेष्ठ एवं चुटीले कार्टूनों के लिए काक को अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले। 2003 में उन्हें हिंदी अकादमी दिल्ली द्वारा "काका हाथरसी सम्मान" मिला तो केरल ललित कला अकादमी और केरल कार्टून अकादमी द्वारा भी सम्मानित किया गया। 2009 में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कार्टूनिस्ट्स, बैंगलोर ने उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मान दिया । उसी साल कार्टून वॉच द्वारा आयोजित कार्टून फेस्टिवल में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड भी काक को मिला। इसके बाद, 2016 में पत्रकारिता में उत्कृष्टता हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया, और 2017 में भारतीय प्रेस परिषद द्वारा भी उन्हें सम्मानित किया गया। बीच के कुछ वर्षों में काक ने फ्रीलांसर रूप में कार्टून बनाएं जो प्रमुखता के साथ प्रकाशित हुए। एक वक्त था जब जनसत्ता में तेज तर्रार पत्रकारिता की नई पौध तैयार हो रही थी. काक के कार्टून पहले पेज पर प्रकाशित हो रहे थे। काक इससे पहले दैनिक जागरण, धर्मयुग से लेकर दिनमान और शंकर वीकली में छप चुके थे पर जनसत्ता में नियमित प्रकाशित बेबाक कार्टूनों से उन्हें देशव्यापी पहचान मिली। 1985 में उन्होंने जनसत्ता छोड़ नवभारत टाइम्स ज्वाइन कर लिया. राजेंद्र माथुर एवं सुरेंद्र प्रताप सिंह के संपादकत्व में काक के कार्टून और भी तीखे होकर सामने आए । कोई भी नेता, अभिनेता, खिलाड़ी, पत्रकार, सेलिब्रिटी या घटना अथवा आयोजन उनके निशाने से नहीं बचा. उनकी काक दृष्टि उनके कार्टून कोने 'नज़रिया' में उसे समय शीर्ष पर थी। यह वह समय था जब हिंदी अखबारों में युवा कार्टूनिस्ट अपनी महत्वपूर्ण जगह बनाने लगे थे। सुधीर तैलंग, इरफान, राजेन्द्र धोड़पकर से लेकर चंदर तक कार्टूनिस्टों की नई जमीन तैयार हो रही थी। आरके लक्ष्मण, सुधीर दर और सुशील कालरा तथा सुशील कुमार जैसे स्थापित कार्टूनिस्ट तो पहले से ही मौजूद थे .बाद में हिंदी अखबारों के विशुद्ध व्यापारीकरण, उत्थान-पतन के साथ भटकाव, बिखराव, राजनीतिक दलों एवं नेताओं को खुश करने की नीतियां लाभ प्राप्त करने के लिए किसी भी हद तक चले जाने वाली खबरों ने कार्टूनिस्टों को सबसे बड़ा नुकसान पहुंचा. शायद इसी माहौल को देखते हुए काक ने खुद को संस्थानों से अलग कर लिया मगर उनके अंदर का कार्टूनिस्ट कभी मरा नहीं।

निष्क्रियता का अनुष्ठान

डॉ. सुरेश मिश्रा

गांव में एक समय ऐसा था जब संकट आते ही लोग जादुई मंत्रों का जप करने लगते थे। जैसे ही कोई समस्या खड़ी होती, वे ताबीज़, यज्ञ, और अनुष्ठान करने में जुट जाते। लेकिन समय बीतने के साथ, यह परंपरा शहरों में भी फैल गई। अब हम न केवल अपने संकटों का सामना करने के लिए मंत्र पढ़ते हैं, बल्कि आधुनिकता के आवरण में ढके अनुष्ठानों का सहारा लेते हैं।

गांव का एक मशहूर सक्रियता का नेता, सेवक जी, हमेशा देश की समस्याओं के खिलाफ आवाज उठाते रहते थे। एक दिन, उन्होंने एक बड़ा रैली आयोजित किया। जब उनसे पूछा गया कि इस रैली का उद्देश्य क्या था, तो उन्होंने गर्व से कहा, "समुदायिकता और जातिवाद के खिलाफ! सभी वर्गों के प्रतिनिधि शामिल हुए! हमने तो दो पुतलों को भी जलाया!"

सेवक जी और उनके साथी यह सोचकर संतुष्ट थे कि उनकी यह रैली ने देश में एकता की अलख जगा दी है। लेकिन मैं इस नजारे को देखकर संदेह में था। क्या ये पुतले जलाने से किसी के मन की सोच में बदलाव आएगा? क्या कोई भी इस आयोजन से जागरूकता के साथ लौटता है? मुझे शक है।

सच्चाई तो यह है कि साम्प्रदायिकता और जातिवाद के खिलाफ असली संघर्ष को निरंतर मेहनत की आवश्यकता होती है। यह केवल एक रैली करने से नहीं होता। असली बदलाव के लिए लोगों से मिलना, संवाद करना, और शिक्षा का प्रसार करना पड़ता है। अगर हमारे शिक्षकों, समाज सेवकों, और बुद्धिजीवियों ने स्वतंत्रता के बाद से इसी दिशा में काम किया होता, तो आज हमारी स्थिति कहीं और होती। लेकिन हम सभी ने भाषणों, रैलियों, और पुतले जलाने जैसे आसान रास्ते को चुना।अब गांव में सभी लोग छोटे-छोटे अनुष्ठान करने लगे। सेमिनार के नाम पर भीड़ जुटाई जाती। तीन चिंतित विद्वान और सात उदासीन श्रोता मिलकर एक जगह इकट्ठा होते। इसे हम "सेमिनार" कहते हैं। विद्वान लोगों का विषय होता है समाज में गिरावट, लेकिन उनकी बातें समाधान देने के बजाय बस चिंता की एक परफॉर्मेंस होती हैं।

दर्शक आमतौर पर बोर होकर सेमिनार का अंत होने का इंतजार करते रहते हैं। विद्वानों के विचार अगले दिन की खबरों में दोहराए जाते हैं, लेकिन इनमें से कुछ भी नया नहीं होता। क्या हमें वाकई विद्वानों की आवश्यकता है, जो वही पुरानी बातें दोहराते हैं?आओ, अब पुतले जलाने और रैलियों की बात करें। यह सब नाटक मात्र है। लोग जुटते हैं और एक निर्जीव आकृति को जलते हुए देखकर तालियां बजाते हैं। लेकिन क्या ये पुतले अन्याय से लड़ते हैं? क्या वे सामाजिक दमन को समाप्त करते हैं? नहीं, ये केवल दर्शकों के लिए थोड़ी देर का मनोरंजन हैं और भाग लेने वालों के लिए कार्रवाई का एक भ्रम। इसी तरह, रैलियां भी केवल नारे और बैनर का प्रदर्शन होती हैं।

फ्री फिशिंग एक्ट बनाने को लेकर आंदोलन

कुमार कृष्णन

गंगा बेसिन का लगभग 79 फीसदी क्षेत्र भारत में है। बेसिन में 11 राज्य शामिल हैं - उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और दिल्ली। गंगा बेसिन से जुड़े सवालों को लेकर गंगा मुक्ति आंदोलन की ओर से बिहार के मुजफ्फरपुर के चंद्रशेखर भवन ,मिठनपुरा, में गंगा बेसिन : समस्याएं एवं समाधान विषयक राष्ट्रीय विमर्श में जुटे देश के आठ राज्यों और नेपाल के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर गंगा के सवाल पर देशव्यापी अभियान चलाने का संकल्प लिया था। इसी संकल्प के तहत गंगा मुक्ति आंदोलन के बैनर तले अपने साथी संगठनों जल श्रमिक संघ , बिहार प्रदेश मत्स्यजीवी जल श्रमिक संघ के साथ मिलकर भागलपुर समाहरणालय पर अपने आंदोलन का शंखनाद किया। इसी भागलपुर जिले में 22 फरवरी 2025 को गंगा मुक्ति आंदोलन के वर्षगांठ पर कागजी टोला कहलगांव , भागलपुर में पुनः देश भर से परिवर्तनवादी जुटेंगे और आगे की योजना बनाएंगे। इस लिहाज़ से आंदोलन का शंखनाद दो दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। एक तो शासन तंत्र पर दबाव बनाने लिए, दूसरे सांगठनिक मजबूती के लिए। जल श्रमिक संघ के प्रदेश संयोजक योगेंद्र सहनी ने कहा कि वन विभाग बिहार सरकार द्वारा दिए गए निःशुल्क शिकारमाही के अधिकार को शिथिल करना चाहती है. पिछले दिनों वन विभाग ने हजारों रुपए का जाल गंगा किनारे से उठा लिया है और कर्मचारियों ने महिलाओं के साथ भी अभद्र व्यवहार किया। इसके विरोध में आंदोलन भी हुआ। गंगा मुक्ति आंदोलन वरिष्ठ संगठक उदय का कहना था कि एक दशक के लंबे संघर्ष के जलकर जमींदारी से मुक्ति मिली। संघर्ष के बाद मछुओं को करमुक्त मछली पकड़ने का अधिकार मिला है जिसे सरकार ने निरस्त नहीं किया है ।भागलपुर के गंगा नदी में सुल्तानगंज के जहांगीरा (घोरघट पुल) से पीरपैंती के हजरत पीरशाह कमाल दरगाह तक बिहार सरकार के पशुपालन एवं मत्स्य विभाग ने अपने ज्ञापांक 2294 /मत्स्य / पटना दिनांक 11 दिसंबर 1991 द्वारा पारंपरिक मछुओं हेतु शिकारमाही के लिए निःशुल्क घोषित किया है। निःशुल्क शिकारमाही की घोषणा के पूर्व ही पर्यावरण विभाग बिहार पटना द्वारा 22 अगस्त 1990 को सुल्तानगंज से कहलगांव तक विक्रमशिला गांगेय डॉल्फिन आश्रयणी क्षेत्र घोषित किया जा चुका था।सरकार ने निःशुल्क शिकारमाही के अधिकार को किसी भी आदेश से निरस्त नहीं किया है । वन विभाग मौखिक रूप से जबरन कहता है कि उपरोक्त क्षेत्र में मछली पकड़ना मना है । मछली पकड़ने से रोकने के लिए तरह तरह का बेबुनियाद , झूठ और मनगढ़ंत आरोप मछुओं पर लगाया जाता है. हकीकत ये है कि गैर मछुओं और सोसाइटी द्वारा गंगा में अवैध जाल चलाया जाता है और जिंदा धार में बाड़ी बांधा जाता है, उसे वन विभाग कुछ नहीं कहता है।

सवालिया लहजा में लोगों का कहना है कि वन विभाग नगर निगम / नगर परिषद / नगर पंचायत और एनटीपीसी पर गंगा को प्रदूषित कर डॉल्फिन मारने पर कोई कारवाई या मुकदमा क्यों नहीं करती? वन विभाग डॉल्फिन पर नगर निगम के कचरे और एनटीपीसी के कचरे से होने वाले नुकसान पर मुंह क्यों खोलता ? वन विभाग उम्र पूरा होने या प्रदूषण से मरने वाले सोंस की संख्या सार्वजनिक क्यों नहीं करता ? मत्स्य विभाग मछुओं को निःशुल्क शिकारमाही का परिचय पत्र निर्गत करने में आना कानी और टाल मटोल करता है।वन विभाग अवैध रूप से बाड़ी (जो डॉल्फिन के लिए हानिकारक है)बांधने पर कोई कारवाई क्यों नहीं करता ? 1993 के पहले गंगा में जमींदारों के पानीदार थे जो गंगा के मालिक बने हुए थे। सुल्तानगंज से लेकर पीरपैंती तक 80 किलोमीटर के क्षेत्र में जलकर जमींदारी थी । यह जमींदारी मुगलकाल से चली आ रही थी। सुल्तानगंज से बरारी के बीच जलकर गंगा पथ की जमींदारी महाशय घोष की थी। बरारी से लेकी पीरपैंती तक मकससपुर की आधी-आधी जमींदारी क्रमशः मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल के मुसर्रफ हुसैन प्रमाणिक और महाराज घोष की थी। हैरत की बात तो यह थी कि जमींदारी किसी आदमी के नाम पर नहीं बल्कि देवी-देवताओं के नाम पर थी। ये देवता थे श्री श्री भैरवनाथ जी, श्री श्री ठाकुर वासुदेव राय, श्री शिवजी एवं अन्य। कागजी तौर जमींदार की हैसियत केवल सेवायत की रही है। सन 1908 के आसपास दियारे के जमीन का काफी उलट-फेर हुआ. जमींदारों के जमीन पर आये लोगों द्वारा कब्जा किया गया. किसानों में आक्रोश फैला। संघर्ष की चेतना पूरे इलाके में फैली; जलकर जमींदार इस जागृति से भयभीत हो गये और 1930 के आसपास ट्रस्ट बनाकर देवी -देवताओं के नाम कर दिया. जल कर जमींदारी खत्म करने के लिए 1961 में एक कोशिश की गयी; भागलपुर के तत्कालीन डिप्टी कलेक्टर ने इस जमींदारी को खत्म कर मछली बंदोबस्ती की जवाबदेही सरकार पर डाल दी।

नए साल पर रांची के इन शक्तिपीठों में श्रद्धालुओं की भीड़, दर्शन मात्र से पूरी होती हैं मनोकामनाएं

नए साल के पहले हफ्ते में रांची के तीन प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा होता है। इन मंदिरों में विश्वास है कि यहां पूजा करने से मन्नतें पूरी होती हैं, यही कारण है कि हर साल भक्तों की संख्या बढ़ जाती है।

झारखंड की राजधानी रांची का जगन्नाथ मंदिर, रांची से 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित देवड़ी मंदिर और रांची से 30 किलोमीटर की दूरी पर से सूर्य मंदिर। नए साल पर श्रद्धालुओं का गजब का जमावड़ा देखने को मिलता है। यहां जनवरी के पहले हफ्ते भीड़ लगा रहता है। यह तीनों ही मंदिर रांची के सबसे लोकप्रिय मंदिर में से एक है।

सूर्य मंदिर में बड़े-बड़े मंत्री भी हाजिरी लगाते हैं। पूरे रांची में यह सूर्य भगवान का इकलौता मंदिर है।मंदिर में साक्षात राम भगवान भी आ चुके हैं, यही कारण है इसकी विशेष महत्व है।

कहा जाता है कि यहां पर हर एक मनोकामना पूरी होती है। देवड़ी मंदिर में तो महेंद्र सिंह धोनी भी समय-समय पर आते रहते हैं। यह एक शक्तिपीठ है। यहां पर 16 भुजाओं वाली माता का दर्शन होता है।

खासतौर पर यहां लोग संतान प्राप्ति की मनोकामना के लिए आते हैं और भक्तों की गोद भी कभी सूनी नहीं रहती। उनकी हर पुकार सूर्य भगवान पूरी करते हैं।

जगन्नाथ मंदिर में तो खुद सीएम हेमंत सोरेन माथा टेकने आते हैं और प्रसाद पाते हैं। साथ ही, यह छोटे से चट्टान पर है। ऐसे में पूरी रांची का बड़ा मनोरम दृश्य नजर आता है। लोग यहां पिकनिक भी मनाते हैं।

नए साल की पहिली विनायक चतुर्थी आज

साल 2025 का आगाज हो गया है। इस साल जनवरी का पहला व्रत बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि ये भगवान गणेश को समर्पित है। हिंदू धर्म में भगवान गणेश को सभी प्रकार के विघ्नों को दूर करने वाला देवता माना जाता है। उनकी पूजा करने से सुख-समृद्धि और सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। आइए जानते हैं इस साल का पहला व्रत कौन सा है।

नए साल का पहला व्रत पौष माह की विनायक चतुर्थी 3 जनवरी 2025 को है। यह व्रत उन लोगों के लिए विशेष रूप से फलदायी होता है, जो कार्यक्षेत्र में सफल और काम-काज में आने वाली बाधाओं दूर करना चाहते हैं।

पौष विनायक चतुर्थी 2025 मुहूर्त

पौष माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि 3 जनवरी शुक्रवार को 01:08 ए एम शुरू होगी। इस तिथि का समापन 3 जनवरी को ही रात 11 बजकर 39 मिनट पर होगा।

गणेश पूजा का समय - सुबह 11।24 - दोपहर 1।28

इस दिन चंद्रमा के दर्शन करना वर्जित है। इस दिन चंद्रोदय सुबह 09।54 पर होगा।

विनायक चतुर्थी पर इस विधि से करें पूजा

विनायक चतुर्थी पर सुबह सबसे पहले स्नान करके सूर्यदेव को जल देना चाहिए।

इसके बाद घर साफ करके पंचोपचार कर पूरे विधि विधान से भगवान गणेश की पूजा करनी चाहिए।

भगवान गणेश को पीले वस्त्र, दूर्वा, हल्दी मोदक आदि चढ़ाना चाहिए।

भगवान गणेश की आरती देशी घी का दिया जलाकर करनी चाहिए।

मंत्रों का जप करना चाहिए। साथ ही गणेश चालीसा का पाठ अवश्य करना चाहिए।

जीवन में सुख-समृद्धि का वास बना रहे। ऐसी प्रार्थना भगवान गणेश से करनी चाहिए।

अंतिम में भगवान गणेश को भोग लगाना चाहिए। फिर प्रसाद का वितरण करना चाहिए। इस दिन अन्न, धन, वस्त्र का दान करें।

मकर संक्रांति के राशि अनुसार उपाय, जीवन में घुल जाएगी मिठास

1 मेष राशि

अगर आपकी राशि मेष है तो आपके लिए मकर संक्रांति पर किसी शुभ स्थान पर दीप जलाने और तिल के लड्डू खाने से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। साथ ही, इस दिन गरीबों को तिल या तिल से बनी चीजें दान करने से जीवन में समृद्धि आती है। यह उपाय शांति और सुख का प्रतीक माना जाता है।

2 वृषभ राशि

जिन जातकों की राशि वृषभ है उन लोगों को इस दिन किसी प्रिय वस्तु का दान करना चाहिए। यह दान न सिर्फ पुण्य कमाता है, बल्कि जीवन में आने वाली सभी अड़चनों को

दूर करता है। इस दिन गेंहू या चावल का दान करने से आर्थिक स्थिति में सुधार आता है।

3 मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातक मकर संक्रांति के दिन गाय को खाने के लिए गुड़ और तिल जरूर दें। यह उपाय मानसिक शांति और बौद्धिक विकास में मदद करता है। इस दिन उबटन लगा कर स्नान करने का बड़ा महत्व है।

4 कर्क राशि

कर्क राशि के जातकों को इस दिन जल में तिल डालकर स्नान करना चाहिए। इसके बाद किसी मंदिर में जाकर भगवान शिव की पूजा करें। यह उपाय स्वास्थ्य और सुख-शांति के लिए लाभकारी होता है।

5 सिंह राशि

सिंह राशि के जातकों को इस दिन किसी भी प्रकार का दान करें। विशेष रूप से लोहे की वस्तुएं दान करने से व्यापार में तरक्की मिलती है। साथ ही, अपने प्रियजनों को तिल का प्रसाद देकर रिश्तों में मधुरता लाएं।

6 कन्या राशि

कन्या राशि वालों के लिए मकर संक्रांति पर तिल, गुड़ और चिउड़े का सेवन करना शुभ होता है। इसके अलावा, इस दिन केले के पौधे का पूजन करने से समृद्धि आती है और घर में सुख-शांति बनी रहती है।

7 तुला राशि

तुला राशि के जातकों को मकर संक्रांति पर शहद का सेवन करना चाहिए। इसके साथ ही इस दिन पीले रंग की वस्तुएं दान करने से आर्थिक स्थिति में सुधार होता है और सफलता प्राप्त होती है।

8 वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि के जातक मकर संक्रांति के दिन गाय के बछड़े को कुछ ताजे पत्ते और चारा जरूर दें। इसके साथ ही तिल और गुड़ का दान करें, जिससे घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है और आने वाली सभी परेशानियां दूर होती हैं।

9 धनु राशि

धनु राशि के लोग इस दिन खास तौर पर चांदी या कांसे के बर्तन दान करें। इससे जीवन में सुख-शांति आती है और किसी भी काम में परेशानी नहीं आता। इसके साथ ही भगवान सूर्य की पूजा भी करनी चाहिए।

10 मकर राशि

मकर राशि वालों के लिए मकर संक्रांति का दिन विशेष महत्व रखता है। इस दिन घर में ताजे फल, तिल, और गुड़ का सेवन करें और जरूरतमंदों को दान दें। इस दिन व्रत करने से न सिर्फ पुण्य मिलता है, बल्कि जीवन की सभी परेशानियां भी दूर होती हैं।

11 कुम्भ राशि

कुम्भ राशि के जातकों को मकर संक्रांति के दिन पीले कपड़े पहनने चाहिए और सूर्य देव की पूजा करनी चाहिए। इस दिन दान करना विशेष रूप से शुभ माना जाता है, खासकर तिल का दान।

12 मीन राशि

मीन राशि वाले जातक इस दिन किसी गरीब को भोजन कराएं और तिल का दान करें। इस दिन स्नान करने के बाद मांसाहार से बचना चाहिए, ताकि जीवन में सकारात्मकता बनी रहे।

काली मिर्च से शनि देव की मिलेगी कृपा, चमक उठेगा भाग्य, चारों तरफ से होगा सिर्फ लाभ!

हर व्यक्ति लगभग किसी न किसी समस्या से परेशान रहता है और वह चाहता है कि कम पैसे अथवा बिना पैसे खर्च किए उसके जीवन से समस्याएं खत्म हो जाए, क्योंकि वह व्यक्ति पैसे की वजह से ही परेशान रहता है या किसी भी परेशानी की वजह से उसका धंधा व्यापार आदि प्रभावित होता है। वह आर्थिक मामलों में संघर्ष करने लगता है, अतः हम आज आपको इस लेख के माध्यम से घर में मौजूद किचन के अंदर रखी काली मिर्च से जुड़े हुए कुछ ऐसे उपाय बताने जा रहे हैं, जिन्हें करने मात्र से आपके जीवन से समस्याएं कोसों दूर चली जाएगी। जानते हैं काली मिर्च से जुड़े इन खास उपायों को।

काली मिर्च से जुड़े उपाय

धन की कमी से छुटकारा पाने के लिए, काली मिर्च के पांच दाने लें और अपने सिर के ऊपर से सात बार घुमाएं। इसके बाद, किसी सुनसान जगह या चौराहे पर चार दाने फेंक दें और पांचवें दाने को आसमान की ओर उछालें। पीछे मुड़कर न देखें।

घर में शांति लाने के लिए, काली मिर्च के आठ दाने लें और घर के किसी खाली कोने में जला दें।

शनि दोष दूर करने के लिए, काले कपड़े में सात काली मिर्च के दाने और कुछ सिक्के बांधकर मंदिर में रख दें।

शिवलिंग पर काली मिर्च चढ़ाने से रोग से मुक्ति मिलती है।

मान्यता है कि महाशिवरात्रि या मासिक शिवरात्रि पर शिवलिंग पर काली मिर्च चढ़ाने से सुख-समृद्धि मिलती है।

करियर की अड़चनें दूर करने के लिए तकिए के नीचे काली मिर्च के दाने रखें।

घर की उन्नति के लिए काली मिर्च को कपूर के साथ जलाएं।

अगर किसी को नज़र लग गई है, तो सात काली मिर्च लेकर उसे नज़र लगे व्यक्ति के ऊपर से सात बार वारकर आग में जला दें।

यदि किसी व्यक्ति पर शनि दोष है तो उससे छुटकारा पाने के लिए काली मिर्च का टोटका बहुत ही उपयोगी साबित होगा। इसके लिए एक काले कपड़े में थोड़ी सी काली मिर्च और 11 रुपए बांधकर किसी जरूरतमंद को दान कर दें। ऐसे करने से व्यक्ति को शनि दोष से मुक्ति मिलेगी। यदि किसी पर ढैय्या है तो उनके लिए यह उपाय काफी असरदार रहेगा।

घर की तिजोरी में 7 काली मिर्च को एक पोटली में बांधकर रख दें। इसके साथ एक रुपये का सिक्का भी रखें। ऐसा करने से व्यक्ति को धन संबंधी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता। साथ ही आपकी तिजोरी हमेशा धन से भरी रहेगी।

क्या हनुमानजी ने 'रामायण' समुद्र में फेंक दी थी!

राम और कृष्ण पर जितनी कथा टीका,भाष्य, व्याख्याएं आदि लिखी गई हैं उतनी किसी अन्य महापुरुष पर नहीं। कहते हैं कि हरि अनंत हरि कथा अनंता, कहहिं सुनहिं बहुविधि सब संता। शास्त्रों में एक घटना ऐसी भी है कि श्री हनुमानजी ने रामायण को वाल्मीकि जी के सामने ही समुद्र में फेंक दिया था।

वाल्मीकि जी ने जो रामायण लिखी थी वह तो प्रभु श्रीराम के जीवन के कुछ घास घटनाक्रम की लिखी थी। उन्होंने उनके 14 वर्ष के वनवास का संपूर्ण वर्णन थोड़े ही किया है। यही कारण रहा कि वाल्मीकिजी रामायण में जो कथा नहीं मिलती वह हमें कबंद रामायण (कबंद एक राक्षस का नाम था) और जो कबंद में नहीं मिलती वह हमें अद्भुत रामायण में मिल जाती है और जो अद्भुत में नहीं मिलती है वह हमें आनंद रामायण में मिल जाती है।

राम काल में अनेक रामायणें लिखी गई थीं। ऐसा क्यों? क्योंकि राम के बारे में वाल्मीकिजी जो जानते थे वह उन्होंने लिखी। कबंद, अद्भुत और आनंद रामायण के रचयिता जो जानते थे वह उन्होंने लिखा। वाल्मीकिजी तो अयोध्या पुरी क्षेत्र में रहते थे लेकिन दंडकारण्य में राम के साथ क्या-क्या घटा, यह तो दंडकाराण्य के ऋषि ही जानते हैं। इस तरह रामायण कई होती गईं, लेकिन वाल्मीकिजी रामायण को ही मान्यता मिली, क्योंकि वह रामायण वाल्मीकिजी ने लिखी थी। वाल्मीकिजी उस समय के महान ऋषियों की गिनती में थे।

राम की कथा को वाल्मीकिजी के लिखने के बाद दक्षिण भारतीय लोगों ने अलग तरीके से लिखा। दक्षिण भारतीय लोगों के जीवन में राम का बहुत महत्व है। कर्नाटक और तमिलनाडु में राम ने अपनी सेना का गठन किया था। तमिलनाडु में ही श्रीराम ने रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग की स्थापना की थी।

कई भाषाओं में लिखी गईं रामायण : जितनी भाषाओं में रामकथा पाई जाती है, उनकी फेहरिस्त बनाने में ही आप थक जाएंगे- अन्नामी, बाली, बांग्ला, कम्बोडियाई, चीनी, गुजराती, जावाई, कन्नड़, कश्मीरी, खोटानी, लाओसी, मलेशियाई, मराठी, ओड़िया, प्राकृत, संस्कृत, संथाली, सिंहली, तमिल, तेलुगु, थाई, तिब्बती, कावी आदि हजारों भाषाओं में उस काल में और उसके बाद कृष्ण काल, बौद्ध काल में चरित रामायण में अनुवाद के कारण कई परिवर्तन होते चले गए, लेकिन मूल कथा आज भी वैसी की वैसी ही है।

हनुमानजी ने रामायण' समुद्र में फेंक दी थी..!

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

हनुमद रामायण : शास्त्रों के अनुसार विद्वान लोग कहते हैं कि सर्वप्रथम रामकथा हनुमानजी ने लिखी थी और वह भी एक शिला (चट्टान) पर अपने नाखूनों से लिखी थी। यह रामकथा वाल्मीकिजी की रामायण से भी पहले लिखी गई थी और यह 'हनुमद रामायण' के नाम से प्रसिद्ध है।

यह घटना तब की है जबकि भगवान श्रीराम रावण पर विजय प्राप्त करने के बाद अयोध्या में राज करने लगते हैं और श्री हनुमानजी हिमालय पर चले जाते हैं। वहां वे अपनी शिव तपस्या के दौरान की एक शिला पर प्रतिदिन अपने नाखून से रामायण की कथा लिखते थे। इस तरह उन्होंने प्रभु श्रीराम की महिमा का उल्लेख करते हुए 'हनुमद रामायण' की रचना की।

कुछ समय बाद महर्षि वाल्मीकि ने भी 'वाल्मीकि रामायण' लिखी और लिखने के बाद उनके मन में इसे भगवान शंकर को दिखाकर उनको समर्पित करने की इच्छा हुई। वे अपनी रामायण लेकर शिव के धाम कैलाश पर्वत पहुंच गए। वहां उन्होंने हनुमानजी को और उनके द्वारा लिखी गई *'हनुमद रामायण'₹ को देखा। हनुमद रामायण के दर्शन कर वाल्मीकिजी निराश हो गए।

वाल्मीकिजी को निराश देखकर हनुमानजी ने उनसे उनकी निराशा का कारण पूछा तो महर्षि बोले कि उन्होंने बड़े ही कठिन परिश्रम के बाद रामायण लिखी थी लेकिन आपकी रामायण देखकर लगता है कि अब मेरी रामायण उपेक्षित हो जाएगी, क्योंकि आपने जो लिखा है उसके समक्ष मेरी रामायण तो कुछ भी नहीं है।

तब वाल्मीकिजी की चिंता का शमन करते हुए श्री हनुमानजी ने हनुमद रामायण पर्वत शिला को एक कंधे पर उठाया और दूसरे कंधे पर महर्षि वाल्मीकि को बिठाकर समुद्र के पास गए और स्वयं द्वारा की गई रचना को श्रीराम को समर्पित करते हुए समुद्र में समा दिया। तभी से हनुमान द्वारा रची गई हनुमद रामायण उपलब्ध नहीं है। वह आज भी समुद्र में पड़ी है। कौन ढूंढेगा उसको और कौन निकालेगा उसको?

हनुमानजी द्वारा लिखी रामायण को हनुमानजी द्वारा समुद्र में फेंक दिए जाने के बाद महर्षि वाल्मीकि बोले कि हे रामभक्त श्री हनुमान, आप धन्य हैं! आप जैसा कोई दूसरा ज्ञानी और दयावान नहीं है। हे हनुमान, आपकी महिमा का गुणगान करने के लिए मुझे एक जन्म और लेना होगा और मैं वचन देता हूं कि कलयुग में मैं एक और रामायण लिखने के लिए जन्म लूंगा। तब मैं यह रामायण आम लोगों की भाषा में लिखूंगा।

माना जाता है कि रामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास कोई और नहीं बल्कि महर्षि वाल्मीकि का ही दूसरा जन्म था। तुलसीदासजी अपनी 'रामचरित मानस' लिखने के पूर्व हनुमान चालीसा लिखकर हनुमानजी का गुणगान करते हैं और हनुमानजी की प्रेरणा से ही वे फिर रामचरित मानस लिखते हैं।

मिल गई समुद्र में हनुमान द्वारा लिखी हनुमान रामायण...

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

कहते हैं कि कालिदास के काल में एक पट्टलिका को समुद्र के किनारे पाया गया था जिसे एक सार्वजनिक स्थान पर टांग दिया गया था ताकि विद्यार्थी उस पर लिखी गूढ़ लिपि को समझ और पढ़कर उसका अर्थ निकाल सकें। ऐसा माना जाता है कि कालिदास ने उसका अर्थ निकाल लिया था और वो ये भी जान गए थे कि ये पट्टलिका कोई और नहीं, अपितु हनुमानजी द्वारा रचित हनुमद रामायण का ही एक अंश है, जो कि जल के साथ प्रवाहित होकर यहां तक आ गया है।

महाकवि तुलसीदास के हाथ वहीं पट्टलिका लग गई थी। उसे पाकर तुलसीदास ने अपने आपको बहुत भाग्यशाली माना कि उन्हें हनुमद रामायण के श्लोक का एक पद्य प्राप्त हुआ है।

हनुमन्नाटक रामायण के अंतिम खंड में लिखा है-

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

'रचितमनिलपुत्रेणाथ वाल्मीकिनाब्धौ
निहितममृतबुद्धया प्राड् महानाटकं यत।।
सुमतिनृपतिभेजेनोद्धतं तत्क्रमेण
ग्रथितमवतु विश्वं मिश्रदामोदरेण।।'

अर्थात ☞ इसको पवनकुमार ने रचा और शिलाओं पर लिखा था, परंतु वाल्मीकि ने जब अपनी रामायण रची तो तब यह समझकर कि इस रामायण को कौन पढ़ेगा, श्री हनुमानजी से प्रार्थना करके उनकी आज्ञा से इस महानाटक को समुद्र में स्थापित करा दिया, परंतु विद्वानों से किंवदंती को सुनकर राजा भोज ने इसे समुद्र से निकलवाया और जो कुछ भी मिला उसको उनकी सभा के विद्वान दामोदर मिश्र ने संगतिपूर्वक संग्रहीत किया।
~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

अथिया शेट्टी ने फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

पति केएल राहुल के साथ हाथ में हाथ डाले नजर आईं अभिनेत्री

अथिया शेट्टी और केएल राहुल अपने पहले बच्चे के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। नवंबर में अपनी प्रेग्नेंसी का खुलासा करने के बाद, अथिया ने अपने पति के एल राहुल के साथ हाथ में हाथ डाले टहलते हुए अपना बेबी बंप दिखाते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। पोस्ट के साथ, उन्होंने 'नई शुरुआत' को अपनाने के बारे में एक दिल को छू लेने वाला संदेश भी लिखा।

अथिया शेट्टी ने कुछ ही देर पहले इंस्टाग्राम पर एक दिल को छू लेने वाली पोस्ट शेयर की है। पहली तस्वीर में, वह स्टाइलिश को-ऑर्ड सेट में बेहद खूबसूरत दिखाई दे रही हैं। इस नए लुक में अथिया एक स्लीक पोनीटेल, धूप का चश्मा और एक आरामदायक वाइब के साथ वह केएल राहुल के कंधे पर अपना सिर टिकाए हुए नजर आ रही हैं।

कैजुअल फुल स्लीव टी-शर्ट, डेनिम और कैप पहने क्रिकेटर के एल राहुल भी काफी हैंडसम दिखाई दे रहे हैं। मोनोक्रोमैटिक शॉट में कपल गोल की झलक प्रशंसकों को बेहद पसंद आ रही है। दूसरी स्लाइड में एक वीडियो है, जिसमें अथिया का बेबी बंप साफ दिखाई दे रहा है। इस तस्वीर में उसका चेहरा दिखाई नहीं दे रहा है, लेकिन उसकी उपस्थिति साफ नजर आ रही है। इस शानदार पोस्ट के साथ अथिया ने लिखा, अक्सर धीमे हो जाओ। अपने आशीर्वादों को गिनें। अपने दिल के प्रति दयालु बनो। नई शुरुआत में विश्वास रखो।

अपनी पोस्ट में, अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, 2025, आपका इंतजार कर रही हूं। इस पोस्ट के शेयर करते ही यह प्रशंसकों के बीच वायरल हो गया। प्रशंसकों के अलावा मशहूर हस्तियों ने भी अथिया की इस पोस्ट पर प्यार बरसाया है। टाइगर श्रॉफ ने काले दिल वाले इमोजी के साथ अपनी प्रतिक्रिया दी, जबकि रिया कपूर ने दिल और आंखों वाले इमोजी से अपना प्यार जताया।

अथिया की शानदार तस्वीरों पर प्रशंसकों ने भी जमकर प्यार लुटाया। एक फैन ने लिखा, आप लोग केवल एक ही तस्वीर क्यों शेयर कर रहे हैं? एक और फैन ने लिखा, प्लीज, मेरा दिल मक्खन की तरह पिघल रहा है। एक फैन ने मजाकिया अंदाज में लिखा, ₹बस केएल दो छोटे बच्चों की देखभाल कर रहा है एक और फैन ने लिखा, ₹केएल दो प्यारे बच्चों को पकड़े हुए है।

अथिया ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के जरिए अपनी पहली प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। अपनी खुशी शेयर करते हुए इस जोड़े ने खुलासा किया कि उनका बच्चा 2025 में आने वाला है। इस पोस्ट के साथ अथिया ने नोट में लिखा था, ₹हमारा सुंदर आशीर्वाद जल्द ही आ रहा है। 2025 और साथ में प्यारे बच्चे के पैरों की इमोजी भी थी। केएल राहुल ने जनवरी 2023 में बॉलीवुड अभिनेत्री और सुनील शेट्टी की बेटी अथिया शेट्टी के साथ शादी की थी। कथित तौर पर दोनों की मुलाकात 2019 में एक दोस्त द्वारा हुई थी और तब से उनका प्यार जगजाहिर है।

लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड आशना श्रॉफ संग शादी के बंधन में बंधे प्लेबैक सिंगर अरमान मलिक

प्लेबैक सिंगर अरमान मलिक ने आज यानी 2 जनवरी को अपनी लॉन्गटाइम गर्लफ्रेंड आशना श्रॉफ से शादी कर ली। सिंगर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने वेडिंग डे की कई तस्वीरें शेयर करके मशहूर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से अपनी शादी की खुशखबरी की घोषणा की। फैंस सिंगर को ढेर सारी शुभकामनाएं दे रहे हैं। सिंगर की वेडिंग फोटोज भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

पत्नी आशना मलिक को बताया घर

अरमान ने साल की शुरुआत में ही अपने फैंस को सरप्राइज कर दिया है। हाल ही में, उन्होंने शादी की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, ₹तू ही मेरा घर।₹ बेबी पिंक ड्रेस में अरमान मलिक काफी डैशिंग लग रहे हैं। वहीं, लाल जोड़े में आशना दुल्हन बन काफी सुंदर लग रही हैं। प्रशंसक भी अरमान मलिक को ढेर सारी शुभकामनाएं दे रहे हैं।

प्रशंसकों ने दिया ये रिएक्शन

एक यूजर ने लिखा, 'ये क्या तरीका है सरप्राइज देने का।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'आज का दिन तो हमारे लिए ही बड़ा बन गया है। दोनों को खूब शुभकामनाएं। बेहद प्यारी तस्वीरें हैं।' एक और यूजर ने लिखा, 'अरमान ने शादी की तस्वीरें इतनी अचानक से दिखाई है कि मुझे तो अभी तक विश्वास नहीं हो रहा है कि दोनों की शादी हो गई है।'

इन गानों के लिए फेमस हैं सिंगर

अरमान मलिक ने अगस्त 2023 में आशना श्रॉफ को प्रपोज किया था। बाद में, उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड के लिए कसम से - द प्रपोजल नाम से एक म्यूजिक वीडियो भी जारी किया था।

लगभग दो महीने बाद, इस कपल ने आधिकारिक रूप से सगाई भी कर ली थी, जिसकी तस्वीरें भी उन्होंने अपने फैंस के साथ साझा की थी।

क्या करती हैं आशना श्रॉफ?

गायक अरमान मलिक वजह तुम हो, बोल दो ना जरा और बुट्टा बोम्मा जैसे गानों के लिए लोकप्रिय हैं ।अरमान ने इससे पहले ब्रिटिश गायक एड शीरन के गाने 2स्टेप के नए वर्जन पर उनके साथ मिलकर काम किया था।

वहीं, बात करें आशना श्रॉफ की तो आशना श्रॉफ एक फैशन और ब्यूटी ब्लॉगर और यूट्यूबर हैं। उन्हें कॉस्मोपॉलिटन लग्जरी फैशन इन्फ्लुएंसर ऑफ द ईयर 2023 नामित किया गया था।

जब अमिताभ बच्चन ने 'कजरा रे' में दिया जुगलबंदी का आइडिया, शंकर महादेवन ने तुरंत लिख दी थी लाइनें

अमिताभ बच्चन सिनेमा के सबसे चर्चित सितारों में से एक हैं। अमिताभ बच्चन को अभिनय के साथ गाना गाने में भी दिलचस्पी रखते हैं। शंकर महादेवन ने अमिताभ बच्चन को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि 'कजरा रे' गाने में जो जुगलबंदी हुई, उसमें अमिताभ बच्चन का खास रोल था। हाल ही में , शंकर महादेवन ने बताया, 'बच्चन सर स्टूडियो आया करते थे, हमारे साथ बैठते थे। हमारे साथ मस्ती मजाक भी करते थे। कजरा रे गान में 'धिन धिनक धिन...' भी उन्ही का आइडिया था। बातों में जुगल बंदी वाला आइडिया भी उन्ही से आया था। ये गाना मेरा चैन वैन सब उजड़ा से शुरू हो रहा था। उन्होंने कहा कि इससे पहले कुछ जुगलबंदी लेते हैं। मैंने ये पांच मिनट में ही कर दिया। इससे वे बहुत खुश हो गए थे।

शंकर महादेवन की आवाज चाहते थे अमिताभ

शंकर महादेवन ने बताया कि उन्होंने गाने के डमी वर्जन को तैयार किया। वे चाहते थे कि इस गाने को कोई और अभिनेता गाए। इस पर अमिताभ बच्चन ने कहा, तुम किसे फोन करने जा रहे हो? मैंने कहा, और भी गायक आएंगे और इस गाने को गाएंगे। उन्होंने कहा, उसको हाथ लगाओगे तो मैं तुम्हें मार डालूंगा। ये गाना तुम्हारी आवाज में होना चाहिए। मुझे तुम्हारी आवाज बहुत पसंद है।

अमिताभ बच्चन ने भी गाया गाना

गुलजार द्वारा लिखे गए इस कजरा रे गाने को अलीशा, शंकर और जावेद अली ने गाया है और ऐश्वर्या राय, अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन पर फिल्माया गया है, जिसकी कोरियोग्राफी वैभवी मर्चेंट ने की है। फिल्म में शंकर की आवाज अमिताभ पर फिल्माई गई है और जावेद की आवाज अभिषेक ने लिप-सिंक की है।

किंग खान ने सॉफ्ट ड्रिंक-स्मोकिंग को लेकर कही यह खास बात? बोले- यह लोगों को जहर दे रहा है

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान, जो अपने बेबाकी के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने एक बार सॉफ्ट ड्रिंक्स और धूम्रपान को लेकर अपनी राय शेयर की थी, जिससे सुनने के बाद कोई भी हैरान हो जाएगा। उनका यह वीडियो एक बार फिर से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

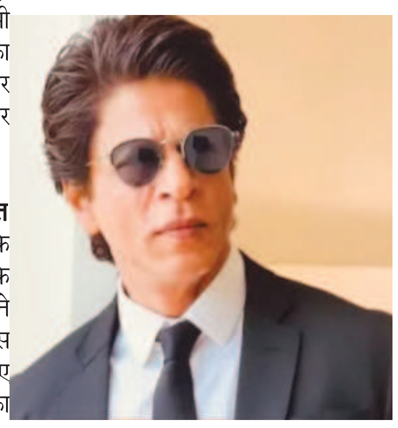

सॉफ्ट ड्रिंक्स को लेकर शाहरुख ने कही थी यह बात

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान शाहरुख खान ने कहा, "अगर कोल्ड ड्रिंक्स वाकई में लोगों के लिए हानिकारक हैं तो उनका उत्पादन पूरी तरह से बंद कर देना चाहिए। अगर आपको लगता है कि यह बच्चों के लिए बुरा है, तो इसे तुरंत रोक दें।" वहीं धूम्रपान को लेकर शाहरुख खान ने कहा, मैं किसी भी अधिकारी से इस तरह की अपील करूंगा। इसे बंद कर दें। इसे हमारे देश में बिकने ना दें। धूम्रपान बुरा है - इस देश में सिगरेट का उत्पादन ना होने दें। अगर आपको लगता है कि कोल्ड ड्रिंक्स खराब हैं, तो उन्हें ना बनने दें। अगर यह हमारे लोगों को जहर दे रहा है, तो इसे भारत में ना बनने दें।

धूम्रपान को लेकर किंग की राय

शाहरुख ने धूम्रपान से होने वाली बड़ी स्वास्थ्य के देखते हुए कहा, पूरा बड़ा मुद्दा यह है कि आज धूम्रपान, कल क्या? और यह आगे कहां जाता है? मैं वास्तव में मानता हूं कि भारतीय जनता इतनी शिक्षित है कि वह जानती है कि धूम्रपान कितना गलत होता है।

अब कोई ऐसा नहीं है कि आप किसी अभिनेता के धूम्रपान करने पर धूम्रपान करना शुरू कर दें। मुझे लगता है कि सत्ता में बैठे लोगों को फिल्मों में धूम्रपान से कहीं बड़े स्वास्थ्य मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। काम की बात करें तो शाहरुख खान निर्देशक सुजॉय घोष की आगामी एक्शन फिल्म किंग में बेटी सुहाना खान के साथ नजर आएंगे।

वरुण धवन की बात पर कीर्ति सुरेश ने दी प्रतिक्रिया बोलीं- 'किसी ने नंबर मांगा मुझे पता नहीं'

'बेबी जॉन' फिल्म में फेम कीर्ति सुरेश ने वरुण धवन के साथ फिल्म की है। इस फिल्म में कीर्ति को पसंद किया जा रहा है। कीर्ति ने हाल ही में एंटनी थाटिल के साथ शादी की। वे शादी से पहले 15 साल तक रिलेशनशिप में रहे थे। उन्होंने बेबी जॉन फिल्म में अपने सह-कलाकार वरुण धवन के बयान पर प्रतिक्रिया दी है।

एक इंटरव्यू को लेकर कीर्ति सुरेश ने कहा कि कई पुरुष अभिनेताओं ने उनसे उनका नंबर मांगा, लेकिन उन्होंने उन्हें नंबर नहीं दिया क्योंकि उन्हें पता था कि वह सिंगल नहीं हैं। वरुण धवन को लेकर कीर्ति सुरेश ने कहा कि काश उन्होंने मुझे बताया होता। मैं यह पहली बार सुन रही हूं। उन्होंने मुझे कभी नहीं बताया।

प्राइवेसी रखना पसंद करती हैं कीर्ति

कीर्ति ने कहा, किसी को नहीं पता था। सिर्फ बहुत करीबी दोस्तों को ही पता था और इंडस्ट्री में भी, सामंथा को पता था जगदीश शुरू से ही हमारे सफर का हिस्सा रहे हैं। एटली और प्रिया जानते थे, विजय सर जानते थे हम दोनों राज रखने में बहुत अच्छे हैं। दरअसल, हम अप्रैल 2022 से ही इस शादी की योजना बना रहे हैं। मुझे लगा कि यह बहुत पहले ही सामने आ जाएगी। हम दोनों को अपनी प्राइवेसी पसंद है और वे थोड़े शर्मीले भी हैं। हम हाथ पकड़कर नहीं घूमते। इतने सालों से यही चल रहा है।"

कोई न्यूजीलैंड में तो कोई 100 रशियन डांसर्स के साथ हुआ शूट, 75 करोड़ में बने 'गेम चेंजर' के गाने

राम चरण और कियारा आडवाणी की आगामी फिल्म 'गेम चेंजर' इन दिनों चर्चा में है। फिल्म कहानी के साथ अपने संगीत को लेकर भी सुर्खियों में है। इसके चार गानों पर निर्माताओं ने पानी की तरह पैसा बहाया है। फिल्म के संगीत की कुल लागत 75 करोड़ रुपये हैं, जो किसी बड़ी फिल्म के निर्माण बजट से भी ज्यादा है। आइए जानते हैं कि इन गानों में आखिर खास क्या है?

जरागंडी : जरागंडी गाने को बड़े स्तर पर शूट किया गया है। इस गाने की कोरियोग्राफी मशहूर डांसर-कोरियोग्राफर प्रभु देवा ने की है। गाने के सेट को एक विशाल 70 फीट ऊंची पहाड़ी के गांव प तैयार किया गया था। खास बात यह है कि इस गाने में 600 से ज्यादा डांसरों ने काम किया है। इसकी शूटिंग 13 दिनों तक चली। इस गाने में इस्तेमाल किए गए कपड़े पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल जूट से बनाए गए थे। इसी वजह से यह गाना न सिर्फ भव्य नहीं बल्कि ईको-फ्रेंडली भी है।

रा माचा माचा : इस गाने में भारत की लोक संस्कृति की झलक लोगों को देखने को मिलेगी। गाने की कोरियोग्राफी गणेश आचार्य ने की है। गाने में कुल 1000 डांसर हिस्सा लिया। यह गाना भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाता पर्दे पर मनाती नजर आएगी।

ना ना हायराना : ना ना हायराना गान इस फिल्म में काफी ज्यादा खास है। इसमें एक नयए तकनीक का प्रयोग किया गया है। यह भारत का पहला गाना है जिसे इन्फ्रारेड कैमरे से शूट किया गया है। इस गाने में पश्चिमी और कर्नाटक संगीत का अनूठा मिश्रण देखने को मिलेगा। इस गाने को न्यूजीलैंड में शूट किया गया है।

धोप : 'गेम चेंजर' का यह गाना ऊर्जा से भरा हुआ है। इसे जानी मास्टर ने कोरियोग्राफ किया है। इस गाने की खास बात यह है कि इसमें 100 रूसी डांसरों ने डांस किया है। इस गाने की शूटिंग सिर्फ 8 दिनों में की गई, लेकिन इसके बावजूद इसका परफॉर्मेंस और एनर्जी स्तर पर कोई असर नहीं पड़ा। दर्शकों के पंसद को ध्यान में रखते हुए इस गाने को तैयार किया गया है।

'ओटीटी वर्सेज थिएटर' की बहस में 'देसी गर्ल' ने किया सिनेमाघर का चुनाव, बोलीं- यह जादू है

बॉलीवुड से हॉलीवुड का सफर तय कर चुकीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की दीवानगी दुनियाभर में है। प्रियंका ने अपने दम पर यह पहचान बनाई है। बॉलीवुड में सिक्का जमाने वाली देसी गर्ल ने 2017 में हॉलीवुड का रुख किया। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने ओटीटी वर्सेज थिएटर की बहस पर अपनी राय दी है और थिएयर में फिल्में देखने के अनुभव को काफी अलग बताया है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

ओटीटी वर्सेज थिएटर पर बोलीं देसी गर्ल

हाल ही में, एक साक्षात्कार में देसी गर्ल ने कहा, मुझे लगता है कि ओटीटी और थिएटर दोनों के अपने अलग मायने हैं और दोनों ही काफी अच्छे भी है। हम एक ऐसे समय में रह रहे हैं, जब हम 24 घंटे, 7 दिन और रात हर संभव तरीके से मनोरंजन तक पहुंच सकते हैं और यह मुझे लगता है कि खुद में काफी अच्छा है।

हालांकि, अभिनेत्री ने सिनेमाघरों में फिल्म देखने के एक्सपीरियंस की खूब सराहना की है और कहा है कि उन्हें आज भी थिएटर जाकर फिल्में देखने में काफी मजा आता है। प्रियंका ने कहा, मुझे लगता है कि थिएटर में जाकर फिल्म देखना मेरे लिए हमेशा खास रहेगा। अंधेरे थिएटर में फिल्म देखने जैसा कुछ नहीं है, न केवल दोस्तों और परिवार के साथ, बल्कि अजनबियों से भरे कमरे में, सभी देखने के अनुभव से जुड़े हुए हैं।

थिएटर में फिल्में देखना पसंद करती हैं अभिनेत्री

प्रियंका ने आगे कहा, बड़ी स्क्रीन का, तेज साउंड इसे लोगों के लिए और अच्छा बना देते हैं। वहां बैठकर ऐसा लगता है कि सच में यह सारे सीन्स हमारे बीच ही हो रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि मूवी थिएटर का जादू कभी फीका पड़ेगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो कथित तौर पर निर्देशक फरहान अख्तर की फिल्म 'जी ले जरा' में प्रियंका के साथ कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में नजर आ सकती हैं। हा लां कि , अभी तक इ स की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

क्या बॉयफ्रेंड इब्राहिम संग नए साल का जश्न मनाकर मुंबई लौटी पलक?

कथित लवबर्ड्स इब्राहिम अली खान और पलक तिवारी को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर मैचिंग आउटफिट में एक साथ देखा गया, जब वे नए साल की छुट्टियां मनाकर वापस मुंबई लौटे।

बॉलीवुड सेलेब्रिटीज अपने खास लोगों और परिवार के साथ नए साल 2025 का जश्न मनाने के लिए छुट्टियां मना रहे थे। हाल ही में इब्राहिम अली खान को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। उन्हें कथित गर्लफ्रेंड पलक तिवारी के साथ काले रंग की ड्रेस में देखा गया। कथित तौर पर यह जोड़ा गोवा की छुट्टियों से लौटा है।

1 जनवरी, 2025 की शाम को, इब्राहिम अली खान और पलक तिवारी को लगभग एक ही समय पर मुंबई एयरपोर्ट पर पैपराजा ने अपने कैमरे में कैद कर लिया। इब्राहिम को काले रंग की हुडी और मैचिंग पैंट के साथ सफेद जूते पहने देखा गया। इब्राहिम ने अपने लुक को सिल्वर वॉच और ब्लैक शेड्स से पूरा किया। पलक ने फुल-स्लीव ब्लैक टॉप और ब्लू डेनिम जींस के साथ ब्लैक फ्लैट्स पहने हुए थे। उन्होंने अपने बाल खुले रखे थे, ब्लैक ग्लेयर्स और घड़ी पहनी हुई थी।

दोनों अलग-अलग एयरपोर्ट से बाहर आए, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वे दोनों नए साल का जश्न एक साथ मनाकर गोवा से लौटे हैं। इब्राहिम अली खान और पलक तिवारी के डेटिंग की खबरें पिछले कुछ समय से आ रही हैं। हालांकि दोनों ने ही आधिकारिक तौर पर अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है, लेकिन उन्हें पहले भी कई मौकों पर एक साथ देखा गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान पलक तिवारी की मां और अभिनेत्री श्वेता तिवारी ने कहा कि उनकी बेटी के लिंकअप की अफवाहों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। काम की बात करें तो पलक तिवारी ने सलमान खान स्टारर 2023 की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस बीच, इब्राहिम अली खान सरजमीन के साथ अपने बॉलीवुड डेब्यू के लिए कमर कस रहे हैं। कायोज ईरानी द्वारा निर्देशित इस एक्शन थ्रिलर में काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम किरदार में नजर आएंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इब्राहिम, खुशी कपूर के साथ एक रोमांटिक कॉमेडी में भी काम करने वाले हैं। कथित तौर पर इस फिल्म का नाम नादानियां है। इस फिल्म का निर्देशन शौना गौतम कर रही हैं, जिन्होंने 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में करण जौहर को असिस्ट किया था। निर्माता दिनेश विजन की दिलेर भी इब्राहिम की फिल्मों में शामिल है।

वार्षिक राशिफल 2025

ज्योतिषी पं महेशचंद्र शर्मा

आर्थिक जीवन

यदि कर्क राशि के जातकों की आर्थिक स्थिति की बात करें तो कर्क राशिफल की यह भविष्यवाणी है कि वर्ष 2025 आपके लिए आर्थिक तौर पर अनुकूल रहने की संभावना दिखाई दे रही है। हालांकि आपको कुछ सावधानियां भी रखनी होंगी। वर्ष की शुरुआत में देवगुरु बृहस्पति आपके एकादश भाव में होंगे और यह आपके भाग्य स्थान के स्वामी भी हैं। इसके अतिरिक्त राहु महाराज नवम भाव में स्थित होंगे। यह ग्रह स्थितियां आर्थिक तौर पर आपको अच्छी वृद्धि प्रदान करेंगी। वर्ष की शुरुआत में शनि महाराज अष्टम भाव में बैठकर कुछ धन संबंधित चिंताएं जरूर दे सकते हैं लेकिन मार्च के महीने में यह आपके नवम भाव में चले जाएंगे, तब धन संबंधित समस्याएं अपने आप दूर हो जाएंगी। आपको कहीं से अप्रत्याशित धन मिल सकता है। कोई वसीयत प्राप्त हो सकती है, गुप्त धन मिल सकता है अथवा आर्थिक स्थिति से संबंधित शुभ परिणाम मिलने के योग बनेंगे। मई के महीने में राहु अष्टम भाव में आएंगे जो अचानक से धन लाभ प्रदान कर सकते हैं, बस आपको धन का निवेश करने से पहले सावधानी बरतनी होगी ।

स्वास्थ्य

कर्क राशिफल के अनुसार वर्ष 2025 कर्क राशि के जातकों के स्वास्थ्य के लिए शुरुआत में उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा क्योंकि वर्ष की शुरुआत में मंगल महाराज आपकी राशि में बैठे होंगे और शनि महाराज शुक्र महाराज के साथ आपके अष्टम भाव में होंगे। इससे स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं परेशान कर सकती हैं। आंखों में समस्या होने अथवा पेट से संबंधित समस्याएं विशेष रूप से ध्यान देने वाली होंगी। उसके बाद जब शनि महाराज नवम भाव में चले जाएंगे तो मई के महीने में देवगुरु बृहस्पति द्वादश भाव में जाएंगे। ऐसे में वसायुक्त पदार्थों के इस्तेमाल से बचना होगा और स्वास्थ्य को लेकर ध्यान पूर्वक रहना होगा, फिर अक्टूबर के महीने में देवगुरु बृहस्पति आपकी राशि में आएंगे और अपनी उच्च अवस्था में हो जाएंगे और आपकी

स्वास्थ्य संबंधित सभी आशंकाओं पर विराम लगा देंगे और आपको उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करेंगे लेकिन तब तक आपको अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होगी। सुबह की सैर करने की आदत डालें और संभव हो तो सेहतमंद भोजन करें या संतुलित भोजन करना भी लाभदायक रहेगा ।

करियर

कर्क राशिफल के अनुसार वर्ष 2025 आपके करियर के लिए अच्छा परिणाम लेकर आने वाला है। इस वर्ष नौकरी करने वाले जातकों को मार्च के बाद से नई नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। वर्तमान नौकरी में स्थानांतरण की स्थिति भी बन सकती है। यह स्थानांतरण आपके हक में होगा और आपको आर्थिक लाभ भी दिलाएगा। इसके अतिरिक्त जो लोग लंबे समय से नौकरी में बने हुए हैं, उन्हें अपनी नौकरी से भी उत्तम नौकरी प्राप्त होने के योग मार्च के बाद बन जाएंगे जिसमें उन्हें उत्तम मान सम्मान और धन लाभ तथा स्थायित्व की प्राप्ति होगी और संतुष्टि मिलेगी। व्यापार करने वाले जातकों के लिए भी यह वर्ष शुरुआत में कुछ कमजोर रहेगा। आपको कानूनी रूप से सावधानी बरतनी होगी, कोई भी ऐसा काम ना करें जिससे आप कानून के शिकंजे में आ जाएं। मार्च के बाद से व्यवसाय से संबंधित यात्राएं लाभदायक होंगी। यात्राओं से लाभ होगा और व्यवसाय में प्रगति होगी।

शिक्षा

कर्क राशि के विद्यार्थी वर्ग की शिक्षा की बात करें तो कर्क राशिफल के अनुसार वर्ष की शुरुआत विद्यार्थियों के लिए अति उत्तम रहेगी क्योंकि पंचम भाव में बुध महाराज विराजमान रहेंगे तो मई के महीने तक देवगुरु बृहस्पति एकादश भाव में बैठकर पंचम भाव को पूर्ण सप्तम दृष्टि से देखेंगे। इससे आपकी बुद्धि तेज होगी। आपके अंदर सहज ज्ञान की वृद्धि होगी। आप खुद ही पढ़ने के लिए लालायित रहेंगे। केवल सामान्य विद्यार्थी ही नहीं, जो लोग पढ़ाई छोड़ चुके हैं, उनका भी पढ़ने में मन लगेगा और वह पढ़ाई करना चाहेंगे। इससे आपको अलग-अलग ज्ञान प्राप्त होने के योग बनेंगे। ज्योतिष और आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने के विशेष योग भी बन सकते हैं जिससे आपको और अधिक परिपक्वता मिलेगी। प्रतियोगिता परीक्षा के लिए वर्ष की शुरुआत उत्तम रहेगी। यदि आप विदेश जाने की इच्छा रखते हैं तो मई के बाद जब देवगुरु बृहस्पति आपके द्वादश भाव में जाएंगे, तब आपका यह सपना भी पूरा हो सकता है और आप विदेश जाकर पढ़ाई कर सकते हैं।

पारिवारिक जीवन

कर्क राशिफल के अनुसार वर्ष 2025 आपके पारिवारिक जीवन के लिए वर्ष की शुरुआत में कुछ कठिन रहेगा क्योंकि आपकी राशि में बैठे नीच राशिगत मंगल महाराज की दृष्टि चतुर्थ भाव पर रहेगी। इसके अतिरिक्त दूसरे भाव के स्वामी सूर्य महाराज वर्ष की शुरुआत में छठे भाव में होंगे तो शनि महाराज शुक्र महाराज के साथ अष्टम भाव में होंगे, इन सभी परिस्थितियों को पारिवारिक जीवन के लिए अनुकूल नहीं कहा जा सकता है इसलिए आपको कुछ सावधानी रखनी होगी। वर्ष की शुरुआत में माताजी को कुछ स्वास्थ्य समस्याएं परेशान करेंगी, उनका आपको ध्यान रखना होगा। उसके बाद धीरे-धीरे परिस्थितियों में सुधार होगा लेकिन वर्ष की पहली तिमाही में सावधानी रखें। उसके बाद धीरे-धीरे परिवार में सामंजस्य स्थापित होगा और आप भी परिवार के साथ घुलमिल कर रहेंगे जिससे पारिवारिक जीवन में एक संतुलन स्थापित होगा और आपको अपने परिजनों का प्रेम और स्नेह प्राप्त होगा तथा पारिवारिक जीवन खुशियों से महक उठेगा। परिवार में इस वर्ष कोई बड़ी पूजा संपन्न हो सकती है।

वैवाहिक जीवन

कर्क 2025 राशिफल के अनुसार यदि आप विवाहित जातक हैं तो आपके लिए वर्ष की शुरुआत थोड़ी सी चुनौती पूर्ण रहेगी। वर्ष की शुरुआत में मंगल महाराज आपकी राशि में विराजमान रहकर सप्तम भाव को देखेंगे जिससे वैवाहिक संबंधों में तनाव और टकराव की स्थिति बन सकती है।

आप और आपके जीवनसाथी के बीच कहा सुनी और लड़ाई झगड़े की नौबत आ सकती है। इस प्रकार आपको सावधानियों के साथ आगे बढ़ना होगा। मंगल महाराज 21 जनवरी को वक्री अवस्था में द्वादश भाव में जाकर सप्तम भाव को देखेंगे, उसके बाद 3 अप्रैल को फिर कर्क राशि में ही आ जाएंगे और 7 जून को सिंह राशि में रहेंगे, तब तक का समय चुनौती पूर्ण रहेगा लेकिन 28 जुलाई से जब मंगल महाराज कन्या राशि में आपके तीसरे भाव में आएँगे, तब वैवाहिक जीवन में चली आ रही समस्याएं धीरे-धीरे कम होने लगेंगी और आपको सुकून मिलेगा। आपको धैर्य के साथ आगे बढ़ना चाहिए। इस बार जीवनसाथी के साथ लंबी यात्राओं के योग बनेंगे जिससे आपका प्रेम बढ़ेगा और आप एक दूसरे के निकट आएंगे। अक्टूबर से दिसंबर के बीच बृहस्पति महाराज आपकी राशि में रहकर पंचम और सप्तम तथा नवम भाव को देखेंगे जिससे संतान का सुख मिलेगा और वैवाहिक जीवन में प्रेम बढ़ेगा।

उपाय

आपको प्रतिदिन हनुमान जी की उपासना करनी चाहिए और संभव हो तो मंगलवार अथवा शनिवार के दिन सुंदरकांड या बजरंग बाण का पाठ करना चाहिए।

बृहस्पतिवार के दिन पीपल वृक्ष को छुए बिना जल अर्पित करना चाहिए। आपको वर्ष में कम से कम एक बार शिवजी का रुद्राभिषेक अवश्य करना चाहिए।

आर्थिक जीवन

सिंह 2025 राशिफल की भविष्यवाणी के अनुसार आर्थिक तौर पर आपके लिए उन्नति प्रदान करने वाला वर्ष साबित हो सकता है। वर्ष की शुरुआत में तो राहु अष्टम भाव में और मंगल द्वादश भाव में रहकर आपके खर्चों को बढ़ाने का काम करेंगे लेकिन मई के महीने में देवगुरु बृहस्पति एकादश भाव में आ जाएंगे तथा राहु महाराज भी अष्टम भाव से निकलकर सप्तम भाव में आ जाएंगे जिससे व्यावसायिक लाभ भी होंगे और अन्य प्रकार के अतिरिक्त धन लाभ होने के भी योग बनेंगे। आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी। एक से ज्यादा माध्यम आपको धन प्रदान करेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। हालांकि मार्च के अंत से शनि महाराज अष्टम भाव में रहेंगे जिस किसी प्रकार के कोर्ट या कचहरी के विवाद के कारण आपको धन लाभ होने के योग बन सकते हैं। इसके साथ ही अचानक से कोई धन प्राप्ति के योग भी बन सकते हैं लेकिन इस दौरान निवेश करना हानिकारक हो सकता है।

स्वास्थ्य

सिंह 2025 राशिफल के अनुसार यदि आपके स्वास्थ्य की बात करें तो वर्ष की शुरुआत आपके स्वास्थ्य के लिए बेहद कमजोर रहेगी। सूर्य पंचम भाव में होंगे, शनि और शुक्र सप्तम भाव में, केतु द्वितीय और राहु अष्टम भाव में तथा मंगल द्वादश भाव में होने से स्वास्थ्य समस्याएं चारों ओर से आपको पीड़ित कर सकती हैं लेकिन आप अपनी उत्तम इच्छा शक्ति और रोग प्रतिरोधक क्षमता के बल पर इन सभी समस्याओं से बचे रहने में कामयाब हो सकते हैं। वर्ष का उत्तरार्ध आपके लिए अपेक्षाकृत अधिक अनुकूल रहेगा क्योंकि राहु सप्तम भाव में आ जाएंगे, मंगल महाराज भी द्वादश से निकल जाएंगे और बृहस्पति महाराज एकादश भाव में आकर आपकी स्वास्थ्य समस्याओं में कमी करेंगे लेकिन शनि महाराज पूरे वर्ष अष्टम भाव में रहेंगे इसलिए आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखनी होगी। छोटी सी समस्या को नजरअंदाज करना आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है इसलिए आपको तुरंत उपचार के लिए आगे बढ़ना ही बेहतर होगा।

करियर

सिंह 2025 राशिफल के अनुसार यदि आपके करियर की बात करें तो नौकरी करने वाले जातकों को उत्तम लाभ मिलने के योग बनेंगे। वर्ष की शुरुआत में दशम भाव के स्वामी शुक्र महाराज सप्तम भाव में शनि महाराज के साथ होंगे जो कि छठे भाव के स्वामी भी हैं और देवगुरु बृहस्पति आपके दशम भाव में होंगे जिससे आपका अनुभव आपको सफलता प्रदान करने में

मददगार बनेगा इसके बाद बृहस्पति महाराज एकादश भाव में आ जाएंगे और शनि अष्टम भाव में होंगे जिससे आपके कार्यक्षेत्र में मेहनत बढ़ेगी लेकिन धीरे-धीरे उसका प्रतिफल भी मिलेगा और वर्ष के अंतिम महीनों में आपको जबरदस्त सफलता मिलेगी। वर्ष के मध्य में काम के सिलसिले में यात्राएं करने का मौका मिलेगा। व्यापार कर रहे जातकों के लिए वर्ष की शुरुआत बेहद उत्तम रहेगी। शनि और शुक्र महाराज की कृपा से आपको दूरगामी परिणाम प्राप्त होंगे जिससे व्यापार में कुछ नई चुनौतियां, जो सामने आ रही थीं, अब दूर हो जाएंगी और व्यापार उन्नति करेगा। इस वर्ष व्यापार के क्षेत्र में विशेष लाभ के योग बन सकते हैं। किसी भी प्रकार के कानूनी दांव पेंच से बचने की कोशिश करें।

शिक्षा

सिंह राशि के विद्यार्थी वर्ग की बात की जाए तो वर्ष की शुरुआत आपके लिए अच्छी रहेगी। जो लोग डिग्री प्राप्त कर रहे हैं, उनको कैंपस साक्षात्कार में सफलता मिल सकती है और नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। पंचम भाव के स्वामी बृहस्पति महाराज वर्ष की शुरुआत में दशम भाव में रहेंगे और उसके बाद मई के महीने में आपके एकादश भाव में आकर पंचम भाव को पूर्ण दृष्टि से देखेंगे जिससे शिक्षा में आपको उत्तम सफलता के योग बनेंगे। आपके मन में ज्ञान प्राप्ति की इच्छा भी सहज रूप से जागेगी। विद्या प्राप्ति में सफलता मिलेगी। प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को इस वर्ष कठिन मेहनत के दम पर सफलता प्राप्त होने के प्रबल योग बन रहे हैं। यदि आप उच्च शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं तो वर्ष के शुरुआती दो महीने आपके लिए उत्तम रहेंगे। उसके बाद भी आपकी मेहनत सफलता दिलाएगी लेकिन शुरुआती महीनों में विदेश जाकर पढ़ने का सपना भी पूरा हो सकता है। आपको अपनी एकाग्रता को बढ़ाना होगा।

पारिवारिक जीवन

सिंह 2025 राशिफल के अनुसार पारिवारिक जीवन के लिए शुरुआत में तो बहुत अनुकूल रहेगा। चतुर्थ भाव में बुध महाराज और दशम भाव में देवगुरु बृहस्पति विराजमान रहेंगे जिससे परिवार के सदस्यों के प्रति आपसी सामंजस्य मजबूत रहेगा। एक दूसरे के प्रति प्रेम और स्नेह की भावना रहेगी। एक दूसरे की कद्र करेंगे। शनि महाराज की दृष्टि वर्ष की शुरुआत में चतुर्थ भाव पर होने के कारण बीच-बीच में कुछ विरोधाभास की स्थितियां भी जन्म लेंगी। दूसरे भाव में केतु महाराज वाणी के कारण आपस में कुछ टकराव पैदा कर सकते हैं लेकिन मई के बाद से इन सभी स्थितियों में और कमी आ जाएगी और आपस में सामंजस्य बेहतर होगा। देवगुरु बृहस्पति के एकादश भाव में रहकर पंचम भाव, तृतीय भाव और सप्तम भाव को देखने से जीवनसाथी, परिवार के कनिष्ठ सदस्यों और संतान के बीच में अच्छा सामंजस्य देखने को मिलेगा। भाई - बहनों से आपके संबंध मधुर बनेंगे और संतान से संबंधित अच्छे समाचारों की प्राप्ति होगी जिससे घर में खुशहाली रहेगी और पारिवारिक जीवन भी मजबूत दिखेगा।

वैवाहिक जीवन

सिंह 2025 राशिफल के अनुसार यदि आपके वैवाहिक जीवन की बात की जाए तो वर्ष की शुरुआत अनुकूल रहेगी। आपस में आप और आपके जीवन साथी के मध्य सामंजस्य रहेगा। एक दूसरे की बात को समझेंगे तथा उनको महत्व देंगे। प्रेम और रोमांस के योग भी बनेंगे। आप अपने जीवनसाथी के साथ लंबी यात्राएं भी करेंगे। मार्च के महीने में शनि महाराज अष्टम भाव में चले जाएंगे, जहां पर राहु महाराज विराजमान होंगे, इससे ससुराल में तथा आपके जीवन साथी को कुछ कष्ट हो सकते हैं, उनको स्वास्थ्य समस्याएं भी परेशान कर सकती हैं।

ऐसे में उनका ध्यान रखें। इसके बाद मई के महीने में राहु महाराज सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे और देवगुरु बृहस्पति एकादश भाव से सप्तम भाव पर दृष्टि डालेंगे जिससे जीवनसाथी से रिश्ते और बेहतर बनेंगे। आपस में मधुरता बढ़ेगी और आप अपने ससुराल पक्ष के लोगों की भी मदद करेंगे। आपका वैवाहिक जीवन मधुरता से आगे बढ़ने लगेगा।

उपाय

प्रतिदिन श्री आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें।

शारीरिक समस्या होने पर लोहे की वस्तुओं का दान करें।

व्यवसाय संबंधित समस्याओं के लिए शिवलिंग पर खस का इत्र अर्पित करें।

आर्थिक जीवन

यदि आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो कन्या राशि के जातकों के लिए कन्या 2025 राशिफल यह है की पं महेशचन्द्र शर्मा भविष्यवाणी कर रहा है कि वर्ष 2025 की शुरुआत आपके लिए आमदनी और खर्च दोनों में संतुलन बिठाने के साथ होगी। वर्ष की शुरुआत में जहां मंगल महाराज एकादश भाव में और बृहस्पति महाराज नवम भाव में बैठकर आपकी आमदनी को बढ़ा रहे होंगे तो वहीं शनि महाराज, शुक्र महाराज के साथ छठे भाव में बैठकर आपके खर्चों को बढ़ाने की ओर इशारा कर रहे होंगे। ऐसे में आमदनी और खर्च के बीच संतुलन बिठाना आपके लिए आवश्यक होगा। जब मई के महीने में बृहस्पति महाराज दशम भाव में आकर दूसरे भाव को देखेंगे तब आपके बैंक बैलेंस में बढ़ोतरी करेंगे लेकिन मई के महीने में ही केतु महाराज आपके द्वादश भाव में आ जाएंगे, जो अनावश्यक खर्च करने में आपका धन को व्यर्थ करेंगे। ऐसी स्थिति में आपको सावधानियां रखनी होंगी, अन्यथा धन संबंधी समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं। अचानक से खर्च को छोड़ दें तो कोई बहुत बड़ी समस्या नहीं दिख रही है जिससे आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी ही रहेगी, ऐसा कहा जा सकता है।

कन्या स्वास्थ्य

कन्या 2025 राशिफल के अनुसार वर्ष की शुरुआत में आपकी राशि में केतु महाराज और सप्तम भाव में राहु महाराज विराजमान रहेंगे तथा शुक्र महाराज और शनि महाराज आपके छठे भाव में रहेंगे। ये सभी ग्रह स्थितियां आपके स्वास्थ्य को कमजोर बनाने का काम करेंगी जिससे स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। आपको किसी प्रकार का संक्रमण होने अथवा नेत्रों और पैरों से संबंधित समस्याएं परेशान कर सकती हैं लेकिन अच्छी बात यह होगी की पंचम दृष्टि से नवम भाव में बैठे गुरु महाराज आपकी राशि को देखेंगे जिससे इन सभी समस्याओं से बाहर निकलने में आपकी मदद करेंगे। वर्ष के उत्तरार्ध में राहु महाराज छठे भाव में जाएंगे और शनि महाराज सप्तम भाव में तथा बृहस्पति महाराज दशम भाव में आ जाएंगे तथा जुलाई के महीने में मंगल महाराज आपकी राशि में ही होंगे। ऐसे वर्ष के उत्तरार्ध में राहु महाराज छठे भाव में जाएंगे और शनि महाराज सप्तम भाव में तथा बृहस्पति महाराज दशम भाव में आ जाएंगे तथा जुलाई के महीने में मंगल महाराज आपकी राशि में ही होंगे, इस दौरान आपको अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होगा। जुलाई के बाद से धीरे-धीरे स्वास्थ्य में सुधार के योग बनेंगे।

करियर

कन्या 2025 राशिफल के

अनुसार यदि आपके करियर की बात की जाए तो वर्ष की शुरुआत में सूर्य महाराज चतुर्थ भाव में बैठकर दशम भाव को देखेंगे तथा शुक्र और शनि महाराज छठे भाव में होंगे जिससे नौकरी में चली आ रही समस्याएं कम होंगी। आपको सरकारी क्षेत्र से लाभ के योग बनेंगे। आपके वरिष्ठ अधिकारियों से आपका सानिध्य बढ़ेगा तथा आपके साथ काम करने वाले सहकर्मी भी बुध महाराज की कृपा से आपके पक्ष में रहेंगे जिससे आपको अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाबी मिलेगी। वर्ष के उत्तरार्ध में दशम भाव में बृहस्पति महाराज के विराजमान हो जाने से स्थितियां और बेहतर होने की उम्मीद की जा सकती है लेकिन आपको अति आत्मविश्वास का शिकार होने से बचना होगा। जहां तक व्यापार करने वाले जातकों की बात है तो आप बात बनाकर अपना काम निकाल ही लेंगे। वर्ष के उत्तरार्ध में जब शनि सप्तम भाव में होंगे, उस दौरान आपको दीर्घकालीन लाभों को और हितों को ध्यान में रखते हुए व्यावसायिक संपर्क करने चाहिए और उसके अनुसार आगे बढ़ने से लाभ होगा।

शिक्षा

कन्या 2025 राशिफल के अनुसार कन्या राशि के विद्यार्थी वर्ग की बात करें तो मंगल महाराज वर्ष की शुरुआत में एकादश भाव से पंचम भाव पर पूर्ण दृष्टि डालेंगे और जनवरी के उत्तरार्ध में सूर्य महाराज ने पंचम भाव में आ जाएंगे जिससे शिक्षा के क्षेत्र में आपका मन तो लगेगा लेकिन कुछ समस्याएं आएंगी और आपको एकाग्रता की कमी भी खलेगी। इन पर आपको ध्यान देना होगा। हालांकि मार्च के अंत से पूर्व शनि महाराज छठे भाव में रहकर प्रतियोगिता परीक्षा में अच्छी सफलता दिलाने में मददगार बनेंगे और एकादश भाव के मंगल तथा नवम भाव के गुरु भी इसमें आपकी मदद करेंगे। उसके बाद मई के महीने में राहु महाराज छठे भाव में आकर प्रतियोगिता में सफलता के योग बनाएंगे। आपको कठिन मेहनत करनी होगी। उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों को वर्ष की शुरुआत में कुछ कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। वर्ष का उत्तरार्ध अपेक्षाकृत अनुकूल रहेगा।

पारिवारिक जीवन

कन्या 2025 राशिफल के अनुसार वर्ष आपका पारिवारिक जीवन के लिए अच्छा रहने की संभावना है। वर्ष की शुरुआत में तो सूर्य महाराज चतुर्थ भाव में रहेंगे जिससे कुछ समस्याएं हो सकती हैं और एकादश भाव में बैठे मंगल महाराज भी दूसरे भाव को चतुर्थ दृष्टि से देखेंगे जिससे परिवार के लोगों के बीच कहा सुनी होने और गर्ममिजाजी के कारण समस्या उत्पन्न हो सकती है लेकिन जैसे ही मई के महीने में देवगुरु बृहस्पति आपके दशम भाव में आ जाएंगे और चतुर्थ भाव पर तथा द्वितीय भाव पर पूर्ण दृश्य डालेंगे, तब आपके पारिवारिक जीवन में खुशियां आ जाएंगी। आपसी संबंध मधुर बनेंगे और परिवार के बुजुर्ग सदस्यों का आशीर्वाद आपको प्राप्त होगा। आप उनका सम्मान करेंगे और उनसे भी आपको स्नेह प्राप्त होगा। शनि महाराज मार्च के अंत से सप्तम भाव में आकर दशम दृष्टि से आपके चतुर्थ भाव और तृतीय दृष्टि से नवम भाव को देखेंगे जिससे माता और पिता के स्वास्थ्य में कुछ गिरावट आ सकती है लेकिन आप अपनी व्यस्तता के कारण परिवार को कम समय दे पाएंगे। इस पर आपको ध्यान देना होगा ताकि कोई समस्या उत्पन्न न हो और परिवार के सदस्यों का प्रेम आपको प्राप्त होता रहे।

वैवाहिक जीवन

कन्या 2025 राशिफल के अनुसार वर्ष की शुरुआत में आपकी राशि में केतु महाराज और सप्तम भाव में राहु महाराज विराजमान होंगे जो आप और आपके जीवनसाथी के मध्य गलतफहमियों को जन्म दे सकते हैं जिससे बिना वजह की लड़ाई, झगड़ा और वाद विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। हालांकि बृहस्पति महाराज की पंचम दृष्टि आपकी राशि पर होने से आप अपनी बुद्धि का और ज्ञान का इस्तेमाल करके समस्याओं को सुलझाने में सफल रहेंगे और वैवाहिक जीवन को उत्तम बना पाएंगे। उसके बाद राहु तो छठे भाव में मई में चले जाएंगे लेकिन मार्च में शनि महाराज सप्तम भाव में आ जाएंगे। यह शनि देव जहां एक तरफ स्थितियों को कुछ अच्छा बनाएंगे तो वहीं आपके जीवनसाथी को ज्यादा स्पष्टवादी बना देंगे, उनका व्यवहार कुछ कड़वा सा महसूस हो सकता है लेकिन दिल से वह साफ होंगे इसलिए इस समय के दौरान उनकी बातों को अच्छे से सुनें, समझें और उनको मान्यता दें तथा कोई असहमति हो तो विचार विमर्श के द्वारा उसे हल कर लें। इससे आपका वैवाहिक जीवन खुशी से आगे बढ़ता रहेगा।

उपाय

आपको शनिवार के दिन शनिदेव के श्री दशरथ कृत नील शनि स्तोत्र का पाठ करना चाहिए।

शुक्रवार के दिन माता श्री महालक्ष्मी जी के किसी मंत्र का जाप करना भी लाभदायक रहेगा।

बुधवार के दिन गौ माता को साबुत मूंग की दाल खिलाएं।

अंबानी-मित्तल को टक्कर देने के लिए वोडाफोन ने कस ली कमर, 75 शहरों के लिए बनाया ये प्लान

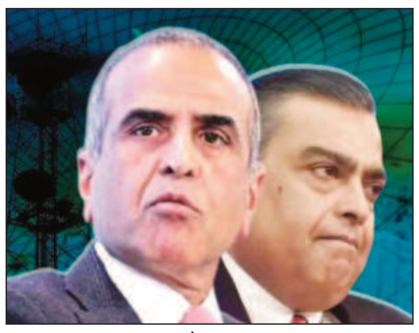

नई दिल्ली,2 जनवरी (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो ने पूरे टेलिकॉम सेक्टर की तस्वीर बदल कर रख दी है। वहीं एयरटेल के मुखिया सुनील भारती मित्तल अंबानी को टक्कर देने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। लेकिन अब बाजार में अंबानी-मित्तल दोनों को टक्कर देने के लिए वोडाफोन ने भी कमर कास ली है। वोडाफोन ने 5जी के युद्ध मैदान में उतरने के लिए पूरी प्लानिंग कर ली है। आइए जानते हैं क्या है वोडाफोन की 75 शहरों के लिए प्लानिंग वोडाफोन आइडिया द्वारा मार्च में आक्रामक कीमत वाले प्लान के साथ 5जी मोबाइल ब्रॉडबैंड सेवा लॉन्च करने की उम्मीद है, जिसका लक्ष्य रिलायंस जियो और भारती एयरटेल के ग्राहकों को वापस जीतना है।

क्या है 75 शहरों की प्लानिंग

इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक में इस मामले से परिचित कई लोगों के हवाले से बताया गया कि वोडाफोन आइडिया शुरुआत में अपने 17 प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में भारत के शीर्ष 75 शहरों में 5जी लॉन्च कर सकता है। इसके अलावा कंपनी उन शहरों को भी टारगेट कर सकती है जहां डाटा कि ज्यादा खपत होती है।

प्राइस वॉर में उतर सकते हैं

वोडाफोन अपने 5 जी रोलआउट प्लान के अलावा प्राइस वॉर में भी उतर सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी शुरुआत में अपने प्लान्स की कीमतें बाकि प्रद्वंदियो से 15 फीसदी कम रख सकती है। वीआई के एक प्रवक्ता के हवाले से ईटी की रिपोर्ट में बताया गया कि कंपनी 5जी सेवाएं लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी अपने 4जी कवरेज को और बढ़ाने और प्रमुख शहरों में जल्द से जल्द 5जी पेश करने में सक्षम होगी क्योंकि उसके पास अपने 17 प्राथमिकता वाले बाजारों में पर्याप्त और प्रतिस्पर्धी 5जी स्पेक्ट्रम है।

इस पर बढ़ सकता है खर्च

विश्लेषक ने कहा, टेल्को अपने बड़े प्रतिद्वंद्वियों से उच्च मूल्य वाले 5जी प्रीपेड उपयोगकर्ताओं को वापस लुभाने के लिए डीलर कमीशन और प्रचार खर्च के लिए अपना भुगतान बढ़ा सकता है। रियायती 5जी योजनाओं और डीलर कमीशन पर अधिक खर्च की संभावनाओं पर ईटी के पूछे सवालों पर अभी कंपनी ने कोई टिप्पणी नहीं की है।

डीलर कमीशन पर किसने किया कितना खर्च

जेफ़रीज़ के अनुसार, वीआई ने डीलर कमीशन के लिए एफवाई24 में लगभग `3,583 करोड़ (या बिक्री का 8.4%) खर्च किया। वैश्विक ब्रोकरेज की गणना के अनुसार, यह एफवाई24 में बिक्री के 3% पर जियो के `3,000 करोड़ के डीलर कमीशन भुगतान से बहुत अधिक था। हालांकि, एयरटेल एफवाई24 में सबसे बड़ा खर्च करने वाला व्यक्ति था, जिसने एआरपीयू मेट्रिक पर नेतृत्व बनाए रखने के लिए डीलर कमीशन के लिए लगभग `6,000 करोड़ (या बिक्री का 4%) खर्च किया। जुलाई 2024 की आखिरी टैरिफ बढ़ोतरी के दौरान, जियो और एयरटेल ने अपनी 5जी मोबाइल ब्रॉडबैंड सेवाओं का लाभ उठाने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए न्यूनतम सीमा बढ़ा दी थी, जिससे उन्हें अगले मुद्रीकरण को शुरू करने के लिए स्पष्ट बोली में उच्च मूल्य आधार योजनाओं में अपग्रेड करने के लिए मजबूर किया गया था।

4जी कवरेज को बढ़ाने का भी है प्लान

वीआई के सीईओ अक्षय मूंदड़ा ने संकेत दिया था कि टेलीकॉम कंपनी अपने 5जी बेस प्राइसिंग को अपने बड़े प्रतिद्वंद्वियों से कम रख सकती है। उन्होंने वित्त वर्ष 2015 की पहली तिमाही के लिए कंपनी की आय कॉल में कहा था कि 5जी मूल्य निर्धारण पर अंतिम निर्णय लॉन्च के करीब लिया जाएगा। ग्राहक हानि को रोकने और जियो और एयरटेल से प्रभावी ढंग से लड़ने के लिए वीआई को अपने प्राथमिकता वाले बाजारों में 4जी कवरेज को तेजी से बढ़ाने और 5जी सेवाओं को लॉन्च करने की आवश्यकता है।

अडानी ग्रुप को मिली राहत, चंद्रबाबू नायडू ने इस केस में नरम किए तेवर

नई दिल्ली,2 जनवरी (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप के लिए राहत भरी खबर है। ग्रुप पर लगे घूस के आरोपों पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के तेवर नरम हो गए हैं। महीनाभर पहले तक कड़े कदम उठाने की बात करने वाले नायडू अब ठोस सबूतों का इंतजार करने की बात कह रहे हैं। गौतम अडानी और उनके ग्रुप ने जरूर राहतभरी सांस ली होगी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू द्वारा विधानसभा के पटल पर अडानी समूह और पिछले वाईएस जगनमोहन रेड्डी प्रशासन से जुड़े रिश्वतखोरी के अमेरिकी आरोपों पर कार्रवाई का वादा करने के एक महीने के बाद ही पीछे हटने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि अडानी ग्रुप पर तब कोई कार्रवाई नहीं होगी जब तक उनके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं मिल जाता है।

जब तक सबूत नहीं मिलता कोई कार्रवाई नहीं होगी

सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि जब तक ठोस सबूत नहीं मिल जाता, हम अनुबंध से पीछे नहीं हट सकते। हमें कड़ा जुर्माना भरना पड़ेगा। जब तक ठोस सबूत नहीं मिल जाता तब तक कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती। हमें और सबूत चाहिए। आरोप की पुष्टि होने पर ठोस कार्रवाई की जायेगी।" नायडू ने मंगलवार शाम विजयवाड़ा में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। नवंबर में अमेरिकी रिश्वतखोरी के आरोप सामने आने के बाद यह केवल दूसरी बार है जब नायडू ने बात की है। इससे पहले नायडू ने 22 नवंबर को राज्य विधानसभा में मामले में कार्रवाई का वादा किया था। उन्होंने अपने बयान में आरोपों को "हानिकारक" बताया था और कहा था, "अभी और तथ्य सामने आने बाकी हैं।

सरकार इस बारे में भी सोच रही है कि क्या कदम उठाए जाएं क्योंकि जैसे-जैसे हम बात कर रहे हैं, तथ्य सामने आ रहे हैं। हम स्थिति का जायजा लेंगे, देखेंगे कि क्या करने की जरूरत है और उसके अनुसार कार्रवाई करेंगे अगर गलत काम हुआ है तो कार्रवाई की जानी चाहिए।' यह सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका है कि वही गलती दोबारा न दोहराई जाए।

शेयर बाजार में मजबूत बढ़त; सेंसेक्स 80 हजार के करीब पहुंचा, निफ्टी में 446 अंकों का उछाल

नई दिल्ली,2 जनवरी (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक नए साल में लगातार दूसरे दिन हरे निशान पर बंद हुए। वित्तीय, ऑटो और आईटी शेयरों में खरीदारी से गुरुवार को बेंचमार्क सेंसेक्स 1,436 अंक चढ़कर दो सप्ताह के उच्च स्तर पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,436.30 अंक या 1.83 प्रतिशत उछलकर 79,943.71 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान यह 1,525.46 अंक या 1.94 प्रतिशत बढ़कर 80,032.87 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 445.75 अंक या 1.88 प्रतिशत बढ़कर 24,188.65 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से बजाज फिनसर्व में करीब 8 फीसदी की तेजी आई जबकि बजाज फाइनेंस में 6 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। मारुति, टाइटन, महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक, जोमैटो, अल्ट्राटेक सीमेंट और कोटक महिंद्रा बैंक अन्य प्रमुख लाभ में रहे। सन फार्मा एकमात्र पिछड़ी कंपनी बनकर उभरी।

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर दिसंबर में 12 महीने के निचले स्तर पर

घरेलू और निर्यात रिफंड दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद दिसंबर में सकल जीएसटी संग्रह साल-दर-साल 7.3 प्रतिशत बढ़कर 1.77 लाख करोड़ रुपये हो गया। एक मासिक सर्वेक्षण में गुरुवार को कहा गया कि नये व्यावसायिक ऑर्डरों और उत्पादन में धीमी वृद्धि के कारण भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर दिसंबर में 12 महीने के निचले स्तर पर आ गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेंजिंग मैनेजर्स इंडेक्स दिसंबर में 56.4 पर था, जो नवंबर में 56.5 से कम था, जो परिचालन स्थितियों में कमजोर सुधार को दर्शाता है। गिरावट के बावजूद, मुख्य आंकड़ा 54.1 के अपने दीर्घकालिक औसत से ऊपर रहा, जिससे मजबूत वृद्धि दर का संकेत मिलता है। पीएमआई की भाषा में, 50 से ऊपर का अंक विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है। एशियाई बाजारों में सियोल, शंघाई और हांगकांग में गिरावट रही। यूरोपीय बाजारों में ज्यादातर गिरावट देखी गई। बुधवार को नए साल की छुट्टी के कारण अमेरिकी बाजार बंद रहे।एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 1,782.71 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.09 प्रतिशत बढ़कर 75.47 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बुधवार को 2025 के पहले कारोबारी सत्र में बीएसई बेंचमार्क 368.40 अंक या 0.47 प्रतिशत चढ़कर 78,507.41 पर बंद हुआ। निफ्टी 98.10 अंक या 0.41 प्रतिशत बढ़कर 23,742.90 पर पहुंच गया।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	धनु	मे
चंद्र-	मकर	मे
मंगल	कर्क	मे
बुध-	वृश्चिक	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	कुंभ	मे
शनि-	कुंभ	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय		
धनु----	05-29	बजे
मकर...	07-35	बजे
कुंभ -	09-26	बजे
मीन-	11-04	बजे
मेष---	12-40	बजे
वृष---	14-25	बजे
मिथुन	16-26	बजे
कर्क...	18-38	बजे
सिंह---	20-50	बजे
कन्या---	22-57	बजे
तुला----	01-02	बजे
वृश्चिक...	03-12	बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणे • ऋतु • शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय - 06-50
सूर्यास्त. - 17-50
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी . 23-39 तक उपरान्त पंचमी
मास • पौषे शुक्ल , शुक्रवार 03 January
नक्षत्र • धनिष्ठा 22-21 तक उपरान्त शतभिषा
योग • वज्र 12-37 तक उप सिद्ध
करण- वणिज 12-25 तक उप विष्टी
विशेष:- भद्राकाल 12-26 से
व्रत -त्योहार • पंचक 10-48 से

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
10:58 से
12:21 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06:50 - 08:11	शुभ	रोग	17:50 - 19:30	अशुभ
लाभ.	08:11 - 09:35	शुभ	काल	19:30 - 21:07	अशुभ
अमृत	09:35 - 10:58	शुभ	लाभ	21:07 - 22:44	शुभ
काल .	10:58 - 12:21	अशुभ	उत्पात	22:44 - 00:21	अशुभ
शुभ	12:21 - 13:44	शुभ	शुभ	00:21 - 01:58	शुभ
रोग	13:44 - 15:07	अशुभ	अमृत.	01:58 - 03:35	शुभ
उत्पात	15:07 - 16:30	अशुभ	चंचल.	03:35 - 29:12	शुभ
चंचल.	16:30 - 17:50	शुभ	रोग	05:12 - 06:50	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
दिन शुरुआत में बहुत अच्छा,बाद में थोडा व्यस्त रह सकता है । घर पर कोई बीमार पड़ सकता है और आपको अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उनकी देखभाल के लिए समय निकालना होगा । आपको सहकर्मियों या दोस्तों से खुशी मिलेगी और आप आने वाले समय में उनके साथ समय बिताने की योजनायें बना सकते हैं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज का दिन अपने जीवन की वर्त्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है । अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे जिससे आपके ये अधूरे काम संतोषजनक ढंग से पूरे हो पायेंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने सम्बन्धियों से बात कर सकते हैं । प्यार से बातचीत करें और नम्र बने रहें । अगर आप अभी स्थिति को नही संभाल पा रहें हैं तो अभी इसे छोड़ दें । अगर मूड हल्का करना चाहते हैं तो शाम को किसी समारोह में भाग लें । आध्यात्मिकता और विश्वास पर फोकस करने से आपको सहायता मिलेगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें । निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं । अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें । अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
किसी पुराने दोस्त या परिवार के साथ बाहर घुमने जाने या बातचीत का आनंद लें । आपको अपने काम के लिए उन्ही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए जो आपके लिए पिछले समय में लाभकारी रहें हैं । आज कोई नया प्रयोग शुरू करना ठीक नही होगा । अगर आप कोई नौकरी या कोई परियोजना हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं तपो पारम्परिक तरीकों से ही कोशिश करें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप बारीकियों पर बहुत ध्यान देंगे । आप किसी परियोजना की ब्योरेवार योजना बनाने में जुटे हुए हैं और आप इस पर बहुत मेहनत भी कर रहे हैं । आपकी यह मेहनत आपके काम में भी दिखाई देगी और इस काम के लिए आपको काफी तारीफ मिलेगी । आपके काम में आज पूरा दिन सृजनात्मकता बनी रहेगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज हर कोई आपकी तरफ आकर्षित होगा ।सब आपकी समझ और शिष्टता से प्रभावित होंगे । खूब प्रशंसा मिलेगी । इस बेहतरीन समय का प्रयोग नए दोस्त बनाने और नए लोगों से मिलने जुलने में करें । इससे आपके सामने नए अवसर खुलेंगे । स्वास्थ्य सम्बन्धी छोटी तकलीफ हो सकती हैं ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे ।यह कदम मानसिक ,वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं । इससे आपको बहुत अच्छा लगेगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
व्यवसाय सम्बन्धी परेशानियां हल होंगीं लेकिन तब तक आपको बोलने ,लिखने और काम में भी आक्रामक नही होना है । निजी जीवन से सम्बंधित परेशानियां झेल रहे लोगों को अपनों के लिए समय निकालना चाहिए । आप लम्बे समय से स्वस्थ्य की उपेक्षा क्र रहे हैं ,इस पर ध्यान दें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
अपने स्वतंत्र विचारों को अभिव्यक्त कर दें लेकिन आवाज को नीची रखें । पुरानी बातों में उलझे रहने के स्थान पर बदलाव के लिए जो कुछ जरूरी है उसपर फोकस करें । इस समय बेहतर यही होगा कि आप जिनके साथ रहते हैं उनके साथ विवादों में पड़ने की बजाय विवादों से दूर ही रहें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दी में ना रहें । अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें । अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें । यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगें । सब कुछ भाग्य पर ना छोड़ें ।आपके कार्य ही आपके भाग्य का निर्माण करेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

दिसंबर में भारत की विनिर्माण वृद्धि दर 12 महीने के निचले स्तर पर, पीएमआई के आंकड़े जारी

नई दिल्ली,2 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर दिसंबर में 12 महीने के निचले स्तर पर आ गई, क्योंकि नए व्यापार ऑर्डर और उत्पादन में धीमा विकास हुआ। गुरुवार को एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स दिसंबर में 56.4 पर था, यह नवंबर के 56.5 से कम रहा, जो परिचालन स्थितियों में कमजोर सुधार को दर्शाता है। गिरावट के बावजूद, मुख्य आंकड़ा 54.1 के अपने दीर्घकालिक औसत से ऊपर रहा, जिससे मजबूत वृद्धि दर का संकेत मिलता है। पीएमआई की भाषा में, 50 से ऊपर का अंक विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी की अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा, औद्योगिक क्षेत्र में मंदी के रुझान के और अधिक संकेत के बीच भारत की विनिर्माण गतिविधि 2024 में नरम रुख के साथ मजबूत रही। नए ऑर्डरों में विस्तार की दर साल में सबसे धीमी रही, जो भविष्य में उत्पादन में कमजोर वृद्धि का संकेत देती है। प्रतिस्पर्धा और मूल्य दबाव के कारण विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि बाधित हुई। लैम ने कहा कि नये निर्यात ऑर्डरों की वृद्धि में कुछ वृद्धि हुई है, जो जुलाई के बाद सबसे तेज गति से बढ़ी है।सर्वेक्षण में कहा गया है, हालांकि कुल नए कारोबार की तुलना में नई निर्यात बिक्री की दर धीमी रही, लेकिन निर्यात की वृद्धि की गति मजबूत हुई, क्योंकि कंपनियां दुनिया भर से अंतर्राष्ट्रीय ऑर्डर प्राप्त करने में सक्षम रहीं। सर्वेक्षण के अनुसार, विकास की पर्याप्त दर के परिणामस्वरूप खरीद स्तर और रोजगार में और अधिक वृद्धि हुई। नए रोजगार में हो रहे सुधार के कारण भारत में विनिर्माण कम्पनियों को उत्पादन प्रक्रियाओं में उपयोग के लिए अतिरिक्त इनपुट खरीदने के लिए प्रेरित किया गया और रोजगार के मोर्चे पर, लगभग दस में से एक कम्पनी ने अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती की, जबकि 2 प्रतिशत से भी कम कम्पनियों ने नौकरियों में कटौती की। कीमतों के मोर्चे पर, नवंबर से कंटेनर, सामग्री और श्रम लागत में कथित रूप से वृद्धि के बाद, भारतीय निर्माताओं ने समग्र व्यय में एक और वृद्धि दर्ज की। हालांकि, महीने-दर-महीने के आधार पर, इनपुट मूल्य मुद्रास्फीति की दर ऐतिहासिक मानकों के अनुसार मध्यम थी। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल की ओर से लगभग 400 निर्माताओं के पैनल में क्रय प्रबंधकों को भेजी गई प्रश्नावली के उत्तरों से संकलित किया जाता है।

कहां है हमारा मेक इन इंडिया ?

दुनिया का आधा सामान बनाने की तैयारी कर रहा है चीन

नई दिल्ली,2 जनवरी (एजेंसियां)। चीन पिछले दो दशक से भी अधिक समय से दुनिया की फैक्ट्री बना हुआ है और हाल फिलहाल उसका कारवां रुकने वाला नहीं है। दुनियाभर के बाजार चीन से आ रहे सस्ते सामान से पटे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2030 में ग्लोबल मैन्यूफैक्चरिंग में चीन की हिस्सेदारी बढ़कर 45 फीसदी हो जाएगी। साल 2000 में ग्लोबल मैन्यूफैक्चरिंग वैल्यू एडेड में चीन की हिस्सेदारी महज 6% थी। लेकिन जब चीन 2001 में डब्ल्यूटीओ से जुड़ा तो सबकुछ बदल गया। आर्थिक सुधारों और स्किल्ड वर्कफोर्स के दम पर चीन ग्लोबल मैन्यूफैक्चरर बनकर उभरा। संयुक्त राष्ट्र यानी यूएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2030 में ग्लोबल एमवीए में चीन की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 45 फीसदी पहुंच जाएगी। तब दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका की हिस्सेदारी घटकर महज 11 फीसदी रह जाएगी। इसी तरह जापान की हिस्सेदारी 5 फीसदी, जर्मनी और साउथ कोरिया की 3-3 फीसदी रहने का अनुमान है। साल 2030 में ग्लोबल एमवीए में दूसरे हाई इनकम देशों की हिस्सेदारी 16 फीसदी, अपर मिडिल इनकम देशों की हिस्सेदारी 8 परसेंट और लो तथा लोअर मिडिल इनकम देशों की हिस्सेदारी 9 फीसदी होगी।

25 साल पहले का हाल

अगर साल 2000 की बात करें तो तब ग्लोबल एमवीए में अमेरिका की हिस्सेदारी सबसे अधिक 25 फीसदी थी। जापान 11 फीसदी के साथ दूसरे नंबर पर था जबकि जर्मनी की आठ फीसदी हिस्सेदारी थी। उस दौर में चीन छह फीसदी के साथ चौथे नंबर पर था।

इटली की 4 फीसदी, फ्रांस और यूके की 3-3 फीसदी हिस्सेदारी थी। दूसरे हाई इनकम देशों की हिस्सेदारी 25 साल पहले 21 फीसदी, अपर मिडिल इनकम देशों की 14 फीसदी और लो तथा लोअर मिडिल इनकम देशों की हिस्सेदारी 5 फीसदी होगी।

पांच साल में 80हजार लोगों को रोजगार देगा कृषि प्रौद्योगिकी क्षेत्र, यूपी जैसे राज्यों में उपलब्ध होंगे अवसर

नई दिल्ली,2 जनवरी (एजेंसियां)। कृषि प्रौद्योगिकी क्षेत्र अगले पांच साल में रोजगार के 60,000-80,000 नए अवसर पैदा करेगा। ये अवसर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के विकास, प्रौद्योगिकी व आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन जैसी भूमिकाओं में होंगे। टीमलीज सर्विसेज के मुख्य रणनीति अधिकारी सुब्बुराथिनम पी ने कहा, भारत में कृषि प्रौद्योगिकी क्षेत्र तकनीकी, परिचालन व प्रबंधकीय पदों सहित विभिन्न भूमिकाओं में लगभग एक लाख लोगों को रोजगार देता है। रोजगार के ये नए अवसर महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, यूपी, कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे कृषि आधारित राज्यों में उपलब्ध होंगे। इसके अतिरिक्त, बंगलूरू, हैदराबाद, पुणे और गुरुग्राम जैसे कृषि स्टार्टअप हब भी रोजगार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कृषि प्रौद्योगिकी खेती के हर पहलू को हल करती है। इसमें बीज, उर्वरक, कीटनाशकों के लिए जल सिंचाई उन्नति से लेकर उन्नत कृषि मशीनरी तक पहुंच और उपज बेचने के लिए बाजार संपर्क सुविधा शामिल है। अर्न्स्ट एंड यंग (ईएंडवाई) की एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में कृषि प्रौद्योगिकी कंपनियां 24 अरब डॉलर का अवसर प्रस्तुत कर रही हैं। हालांकि, बाजार की पहुंच अब भी सिर्फ 1.5 फीसदी है। देश में 2022 में करीब 450 कृषि प्रौद्योगिकी स्टार्टअप थे, जिनकी संख्या हर साल 25 फीसदी की दर से बढ़ रही है।

चांदी के दाम में 852 की तेजी:सोना 186 रुपए बढ़कर 76769 पर पहुंचा

नई दिल्ली,2 जनवरी (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 2 जनवरी को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 186 रुपए बढ़कर 76,769 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 76,583 रुपए प्रति दस ग्राम थी। वहीं, चांदी का भाव आज 852 रुपए बढ़कर 86,907 रुपए पर पहुंच गया। कल चांदी 86,055 रुपए प्रति किलोग्राम थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

2024 में सोना ने 20% और चांदी ने 17% का रिटर्न दिया

बीते साल यानी 1 जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 के बीच सोने का भाव 20.22% बढ़ा। 1 जनवरी 2024 को 24 कैरेट 10 ग्राम गोल्ड की कीमत 63,352 रुपए थी, जो सालभर में 12,810 रुपए बढ़कर 76,162 रुपए पर पहुंच गई।

वहीं, 1 जनवरी को एक किलो चांदी 73,395 रुपए में बिक रही थी, जिसकी कीमत 12,622 रुपए बढ़कर साल के आखिरी दिन 86,017 रुपए पर पहुंच गई। एक साल में चांदी का भाव 17.19% बढ़ा।

4 महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,480 रुपए है।
मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,330 रुपए है।
कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 71,800 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 78,330 रुपए है।

बीते साल 20% चढ़ा गोल्ड

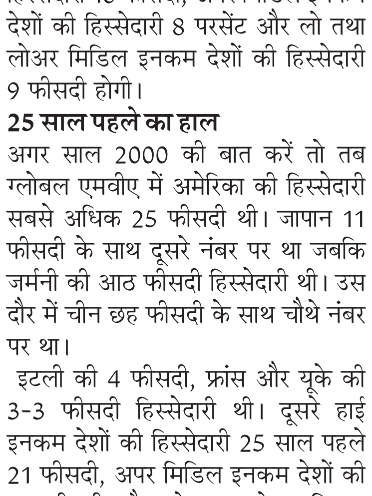

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,330 रुपए है।
भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,380 रुपए है।
हैदराबाद : सोने की दर 24 कैरेट के लिए रुपए 78330 / 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए रुपए 71800/10 ग्राम।

मौसम के करवट लेते ही बढ़ी देश में बिजली की डिमांड

नई दिल्ली,2 जनवरी (एजेंसियां)। पिछले साल यानी 2024 के नवंबर तक तो गर्मी की ही धमक रही थी। जिस महीने स्वेटर और जैकेट लादे रहते हैं, दिल्ली में लोग शर्ट में घूम रहे थे। लेकिन दिसंबर महीने में मौसम ने करवट ली। और ऐसी सर्दी आई कि बिजली की खपत ने रेकार्ड बना दिया। जी हां, भारत में बीते साल के आखिरी महीने में बिजली खपत में छह फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है।केंद्रीय बिजली मंत्रालय की एजेंसी द्वारा तैयार आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2024 में देश की

बिजली खपत बढ़कर 130.40 बिलियन यूनिट (बीयू) हो गई है। यह एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में करीब 6 फीसदी की वृद्धि है। एक साल पहले मतलब कि दिसंबर 2023 में भारत की बिजली की खपत 123.17 बिलियन यूनिट थी। इसमें खेती-बारी सेक्टर में पंपिंग सेट चलाने के लिए बिजली की बढ़ी मांग तो शामिल थी ही, उत्तर भारत में सर्दी की सितम बढ़ने का भी असर था आमतौर पर देखा जाता है कि जिस दिन कड़ाके की ठंड पड़ती है, लोग दिन भर बोरसी तापते रहते हैं या अलाव को घेरे रहते हैं। शहरों में तो बोरसी तापना संभव है नहीं, इसलिए रूम हीटर की शरण में जाते हैं। बीते साल दिसंबर महीने के दौराना एक दिन में सबसे अधिक आपूर्ति (बिजली की अधिकतम मांग पूरी) का आंकड़ा बढ़कर 224.16 गीगावाट हो गया। एक साल पहले इसी महीने यह 213.62 गीगावाट था।

नवंबर 2024 में भी बढ़ी थी खपत

सिर्फ ऐसा नहीं है कि दिसंबर महीने में ही बिजली की खपत बढ़ी है। इससे पहले, मतलब कि नवंबर 2024 में भी देश भर में बिजली की खपत 5.14 फीसदी बढ़कर 125.44 बिलियन यूनिट्स हो गई थी। पिछले साल समान अवधि में यह आंकड़ा 119.30 बिलियन यूनिट था।

विधायक देवेन्द्र यादव की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती

ऑपरेशन की चल रही तैयारी, बलौदाबाजार हिंसा केस में जेल में हैं बंद

रायपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बलौदाबाजार हिंसा मामले में रायपुर जेल में बंद भिलाई के कांग्रेस विधायक देवेन्द्र यादव की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें दाउ कल्याण सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल (डीकेएस) में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि, देवेंद्र पिछले 5 दिनों से अस्पताल में भर्ती है। उनके ऑपरेशन की तैयारी चल रही है।

जानकारी के मुताबिक, विधायक देवेंद्र यादव को पेट की मांसपेशी से जुड़ी बीमारी के इलाज के लिए लाया गया है। इससे पहले उनके मेडिकल फिटनेस के लिए उन्हें अंबेडकर अस्पताल भेजा गया था। जहां सारी जांच की गई। मेडिसिन विभाग से मेडिकल फिटनेस रिपोर्ट आने के बाद उनका डीकेएस में ऑपरेशन होगा।

बलौदाबाजार हिंसा मामले में 17 अगस्त को भिलाई से देवेन्द्र यादव को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद से लगातार उनकी न्यायिक रिमांड बढ़ रही

है। वे रायपुर की सेंट्रल जेल में बंद हैं। इस दौरान टीम राहुल गांधी के सदस्य, प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, यूथ कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब समेत कई बड़े कांग्रेस नेता उनसे मुलाकात करने जेल पहुंचे थे।

विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी बलौदाबाजार हिंसा मामले में हुई है। उन पर हिंसा भड़काने का आरोप है। इस मामले में बलौदाबाजार पुलिस ने 4 बार नोटिस जारी किया, लेकिन विधायक ने बयान देने जाने से मना कर दिया था।

उन्होंने कहा था कि पुलिस को बयान लेना है, तो उनके पास और लेकर जाए। हालांकि पूछताछ के लिए तीसरा नोटिस मिलने पर देवेंद्र यादव ने बलौदाबाजार जाकर पुलिस अधीक्षक से मुलाकात भी की थी।

बलौदाबाजार पुलिस के एक उच्चाधिकारी की माने तो पुलिस के पास देवेंद्र के खिलाफ गवाह हैं। कुछ लोगों के बयान हैं। इसके अलावा पुलिस के पास कुछ वीडियो भी हैं। इसको आधार बनाकर उन पर कार्रवाई की जा रही है।

क्या है बलौदाबाजार हिंसा

15 मई को सतनामी समुदाय के धार्मिक स्थल गिरौदपुरी धाम से करीब 5 किमी मानाकोनी बस्ती स्थित बाघिन गुफा में लगे धार्मिक चिन्ह जैतखाम को देर रात क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। इसके बाद कार्रवाई की मांग उठी और लगातार लोकल स्तर पर प्रदर्शन हुए।

19 मई को पुलिस ने इस मामले में बिहार निवासी 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि नल-जल योजना कार्य में ठेकेदार पैसे नहीं दे रहा था। इसलिए शराब के नशे में आरोपियों ने तोड़फोड़ कर दी लेकिन इस कार्रवाई से समाज के लोग संतुष्ट नहीं थे।

इस बीच 10 जून को बलौदाबाजार में प्रदर्शन के दौरान अचानक से लोग उग्र हो गए और बवाल बढ़ता चला गया। हिंसा के दौरान कलेक्टर-एसपी दफ्तर में आगजनी की गई। कई गाड़ियां जला दी गई। इसके बाद कई जनप्रतिनिधि समेत करीब 200 लोगों की गिरफ्तारी हुई।

प्रदर्शन में एक वीडियो सामने आया जिसमें देवेंद्र यादव भी शामिल दिखे। इस मामले में उन्हें नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया गया। एक बार वे पूछताछ के लिए बलौदाबाजार भी पहुंचे। इसके बाद 17 अगस्त को उनकी गिरफ्तारी हुई थी।

शराब घोटाला केस, लखमा हो सकते हैं गिरफ्तार

ईडी बोली–पूर्व मंत्री के खिलाफ कमीशन के सबूत और आपत्तिजनक रिकॉर्ड मिले, कल बयान देने दफ्तर जाएंगे कवासी

रायपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के चर्चित शराब घोटाला मामले में पूर्व मंत्री कवासी लखमा को ईडी गिरफ्तार कर सकती है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में अपने आधिकारिक बयान में दावा किया है कि, शराब घोटाले में लखमा के शामिल होने और उन्हें अवैध शराब बिक्री पर कमीशन मिलने के महत्वपूर्ण सबूत मिले हैं।

जब कवासी लखमा मंत्री थे, उनकी गाड़ी में हमेशा सुशील ओझा उनके साथ घूमा करता था। ये कांग्रेस में प्रदेश प्रतिनिधि के पद पर है। ईडी ने रायपुर स्थित इनके घर पर छापा मारा था। लेकिन ओझा विदेश यात्रा पर हैं। वहां पार्टी करते हुए सोशल मीडिया पर रील्स अपलोड कर रहे हैं।

इससे पहले ईडी सबूतों का दावा करते हुए शराब कारोबारी और रायपुर महापौर रहे एजाज ढेबर के भाई अनवर ढेबर, आबकारी विभाग के अधिकारी एपी त्रिपाठी समेत 5 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। ऐसे ही

लखमा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर सकती है। हालांकि अब लखमा ने मीडिया से कहा है कि, मैं 3 जनवरी को ईडी के दफ्तर जाऊंगा।

कवासी लखमा ने कहा कि, जब ईडी वाले आए थे, तो मेरे से कागज मांग रहे थे, कागज सब गांव में था। समय मांगा था। जो जो कागज मांग रहे वो दूंगा। हर आदमी को कानून का सम्मान करना चाहिए। मैं भी सम्मान करूंगा। जब भी बुलाएंगे जाऊंगा। मैं सच्ची बात करूंगा। मैं सच्चा आदमी हूं। मैं राजनीतिक मुद्दों और मीडिया के सवालों पर जवाब अभी नहीं दूंगा। नियम कानून का सम्मान करता रहूंगा।

28 दिसंबर 2024 को ईडी ने पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, उनके बेटे हरीश कवासी के घर छापा मारा। रायपुर के धरमपुरा स्थित कवासी लखमा के बंगले में टीम पहुंची। पूर्व मंत्री की कार को घर से बाहर निकालकर तलाशी ली। कवासी के करीबी सुशील ओझा के चौबे कॉलोनी स्थित घर, सुकमा जिले में हरीश कवासी और नगर पालिका अध्यक्ष राजू साहू के घर पर भी दबिश दी गई।

आपत्तिजनक रिकॉर्ड भी मिले

ईडी ने X पर लिखा कि, छत्तीसगढ़ के शराब घोटाले मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के प्रावधानों के तहत रायपुर, धमतरी और सुकमा जिलों में स्थित 7 परिसरों में तलाशी अभियान चलाया।

ईडी घोटाले की प्रासंगिक अवधि के दौरान कवासी लखमा द्वारा नकद में (पीओसी) प्रोसीड ऑफ क्राइम यानी की अपराध से अर्जित आय के उपयोग से संबंधित सबूत जुटाने में सक्षम हो गया है। इसके अलावा, तलाशी में कई डिजिटल डिवाइस बरामद और जब्त की गईं, जिनके बारे में माना जाता है कि उनमें आपत्तिजनक रिकॉर्ड हैं।

निदेशालय की ओर से लखमा के खिलाफ एक्शन को लेकर कहा गया कि, ईडी की जांच में पहले पता चला था कि अनवर ढेबर, अनिल टुटेजा और अन्य लोगों का शराब सिंडिकेट छत्तीसगढ़ राज्य में काम कर रहा था। इस घोटाले की रकम 2161 करोड़ रुपए है। जांच में पता चला है कि कवासी लखमा को शराब घोटाले से पीओसी से हर महीने कमिशन मिला है।

हाइवा ने बाइक सवार 3 दोस्तों को कुचला, मौत

देर-रात सड़क पर बिखरे पड़े रहे शव, बलौदाबाजार में न्यू-ईयर पार्टी कर बाइक से लौट रहे थे

बलौदाबाजार, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बलौदाबाजार में नए साल का जश्न मनाकर घर लौट रहे तीन युवकों की सड़क हादसे में मौत हो गई। तीनों युवक गिरौधपुरी के महाराजी गांव के रहने वाले थे। हादसा कटगी स्थित सर्वा मोड़ मुख्य मार्ग पर हुआ है। मृतकों की पहचान राजू कर्ष (23), परमेश्वर सिंह पैकरा (22), और दुर्गेश कर्ष (26) के रूप में हुई है।

तीनों दोस्त एक बाइक पर सवार होकर नया साल सेलिब्रेट करने के लिए बुधवार को तुरतुरिया गए हुए थे। वापसी के समय करीब रात 11:30 बजे सर्वा मोड़ के पास उनकी बाइक हाइवा से टकरा गई। टकराने के बाद तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने के बाद राहगीरों ने पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। लेकिन जब तक रेस्क्यू टीम पहुंची, तीनों दोस्तों की मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद कसडोल पुलिस ने हाइवा जब्त कर उसके ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। प्रशासन ने हादसे में जान गंवाने वाले तीनों युवकों के परिजनों को 25,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी है।

कसडोल थाना प्रभारी रितेश मिश्रा ने बताया कि घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं। प्राइमरी इन्वेस्टिगेशन के अनुसार बाइक बेकाबू होकर हाइवा से टकराई है।

ड्रिंक एंड ड्राइव के एंगल से भी मामले की जांच की जाएगी। वहीं तीनों युवकों की मौत से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

56 लाख महिलाओं के खातों में जाएगा 2500 रुपये

6 जनवरी को होगा मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान समारोह सीएम हेमंत ने पहले कैबिनेट में लिया था फैसला

रांची, 2 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान समारोह 6 जनवरी को नामकुम के खोजा टोली मैदान में होगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दोपहर एक बजे समारोह की शुरुआत करेंगे। इसी दिन करीब 56 लाख महिलाओं के खाते में दिसंबर माह से बढ़ी हुई 2500 रुपए की राशि ऑनलाइन ट्रांसफर हो जाएगी। इस समारोह में राज्यभर से करीब तीन लाख महिलाओं के जुटने की उम्मीद है। महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग ने पहले ही सभी जिलों को इस मद में पैसे उपलब्ध करा दिया है। जिलों के सामाजिक सुरक्षा कोषांग ने भी पैसे ट्रांसफर करने की पूरी तैयारी कर ली है। पहले यह समारोह 28 दिसंबर को होने वाला था। लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बाद राज्य में सात दिन के राजकीय शोक के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। हालांकि 26-27 दिसंबर को टेस्ट के तौर पर हर जिले की 100-200

महिलाओं के खाते में पैसे ट्रांसफर हुए थे। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव की घोषणा से एक दिन पहले कैबिनेट ने दिसंबर से मंईयां सम्मान योजना की राशि 1000 रुपए से बढ़ाकर 2500 रुपए करने का फैसला किया था। चालू वित्तीय वर्ष में मंईयां सम्मान योजना के लिए मूल बजट में कोई प्रावधान नहीं था। बाद में महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग ने दूसरे मद के पैसे सरेंडर कराए। इसके साथ प्रथम अनुपूरक बजट और जेसीएफ के माध्यम से करीब 1000 करोड़ की व्यवस्था कर इस योजना में भुगतान किया। उस समय सम्मान राशि 1000 रुपए थी। एक आकलन के अनुसार 31 मार्च तक इस योजना के लिए 7300 करोड़, बिजली बिल माफी योजना के लिए 1800 करोड़, बिरसा फसल बीमा योजना के लिए 250 करोड़ और बिजली टैरिफ सब्सिडी के लिए 767 करोड़ रुपए चाहिए। अब विभाग ने मंईयां योजना के लिए 6391 करोड़ का फंड जुटा लिया है। सरकारी खजाने में करीब 5000 करोड़ रुपए है। सरकार ने पेयजल स्वच्छता, ग्रामीण विकास व खाद्य आपूर्ति समेत एक दर्जन विभागों से 4000 करोड़ से अधिक राशि सरेंडर कराया। सूत्रों के मुताबिक पेयजल स्वच्छता विभाग से नल-जल एवं चापाकल योजना का 1400 करोड़, ग्रामीण विकास विभाग से ग्राम व अन्य योजना का 900 करोड़ सरेंडर कराया है। वहीं खाद्य आपूर्ति विभाग से अनाज योजना का 600 करोड़ रुपए से अधिक सरेंडर कराया गया। इसके अलावा योजना एवं विकास, कृषि, पशुपालन, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और जल संसाधन विभाग के पैसे भी सरेंडर हुए। माइनिंग सेस के 1000 करोड़ और दो साल से पड़े करीब 2000 करोड़ रुपए भी इस योजना में लगाए गए है।

डॉक्टर के पत्नी की हत्या

गला दबाकर मारने की आशंका, घर पर अकेली थी महिला, पति और परिवार के लोग बाहर गए थे

जगदलपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में एक डॉक्टर की पत्नी की हत्या कर दी गई। गला दबाकर मारे जाने की आशंका है। बताया जा रहा है कि, घटना के समय महिला घर पर अकेली थी। पति समेत परिवार बाहर गया हुआ था। मामला बोधघाट थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, जगदलपुर में पोस्टेड एमडी मेडिसन डॉ बीडी रॉय की पत्नी अर्चना घोष (58) की लाश उनके घर पर ही मिली है। अनुकूल ठाकुर वार्ड अटल आवास कॉलोनी इलाके में इनका मकान है।

गुरुवार सुबह पति समेत परिवार के लोग घर पहुंचे, तो उन्हें लाश मिली।

महिला के गले पर निशान दिखा है। जिसके बाद इसकी जानकारी तत्काल पुलिस को दी गई। बोधघाट पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवाया गया है। आस-पास के सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं।

पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है। एएसपी महेश्वर नाग ने बताया कि, महिला के गले पर निशान मिले है। गला दबाकर मारे जाने की आशंका है। फिलहाल शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है।

उन्होंने बताया कि महिला ज्वेलरी पहनी हुई थी। घर में करीब 3-4 लाख रुपए कैश भी हैं। लूट के इरादे से हत्या नहीं हुई है। हो सकता है कोई आपसी रंजिश हो। फिलहाल, हर पहलू पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

महंगी कारों को किराए पर लेकर गिरवी चढ़ा दिया

2 करोड़ की 23 कार जब्त, मालिकों को सरकारी विभाग में लगवाने का दिया था झांसा

रायपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। रायपुर में एक नए तरीके की धोखाधड़ी सामने आई है। एक व्यक्ति महंगी कारों को मंथली किराए में लेने के बहाने गिरवी चढ़ा देता था। ठग ने कई कारों को बेच भी दिया था। जब गाड़ी मालिक उससे मंथली किराए देने की बात करते तो वह टालमटोल करने लगता था। पुलिस ने आरोपी के पास से 2 करोड़ से ज्यादा कीमत की 23 कारों को जब्त किया है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। रायपुर एसएसपी लाल उम्मेद सिंह के मुताबिक, त्रिलोक साहू ने 30 दिसंबर को पुलिस को शिकायत में बताया कि व्हाट ट्रांसपोर्टिंग का काम करता है। उसने दो महीने पहले अपने स्वीफ्ट डिजायर कार को जगमोहन सिंह मसराम को मंथली रेंट पर किराए पर दिया था। जगमोहन ने उसे 25 हजार

महीने किराया देने की बात कही। त्रिलोक ने जब उसे किराया मांगा तो टालमटोल करने लगा। त्रिलोक को जगमोहन पर शक हुआ तो उसने पता लगाने की कोशिश की। तब उसे जानकारी मिली कि उसकी कार को जगमोहन ने किसी दूसरे को बेच दिया है। इसके अलावा उसने तेज प्रताप देवांगन, छत्रपाल साहू जैसे अन्य लोगों को भी कई महीनो से कार का किराया नहीं दिया है। साथ ही जगमोहन सिंह मशराम ने जयसिंग, राकेश नायक, दुर्गा प्रसाद, राकेश साहू, देवेन्द्र कुमार वर्मा, अक्षय नोनिया, रघुवीर साहू व अन्य लोगो से भी वाहन किराये मे लेकर, किराया न देकर उनसे लगातार धोखाधड़ी करता रहा। इस मामले में सिविल लाइन पुलिस को शिकायत मिलते ही 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ किया गया। तो पूरे मामले का खुलासा हुआ।

बेटी ने पिता की ली जान

विवाद के बाद धारदार हथियार से पिता पर किए कई वार, बेटी गिरफ्तार

गुमला, 2 जनवरी (एजेंसियां)। सिमडेगा में पिता-पुत्री के बीच ऐसा विवाद हुआ कि बेटी ने पिता की हत्या कर दी। घटना बीती देर रात ठेठईटांगर थाना क्षेत्र के कोनमंजरा मांझी टोली की है। यहां बेटी ने धारदार हथियार (करनी) से पिता पर कई बार वार कर दिया। पिता ने पड़ोस में भागकर जान बचाने का प्रयास किया पर उसकी पड़ोसी के आंगन में ही मौत हो गई। घटना से पहले पिता-पुत्री के बीच किसी बात पर विवाद हुआ था। गुरुवार को जब लोगों ने राजमिस्त्री का शव देखा तो पूरे गांव में सनसनी फैल गई। इधर, पुलिस ने आरोपी लड़की कुंती को गिरफ्तार कर लिया है। वो मानसिक रूप से विक्षिप्त है। मृतक की पहचान सोमारू बड़ाइक के रूप में की गई। वो राजमिस्त्री का काम करता था।

पड़ोसियों ने बताया कि बुधवार की रात सोमारू और कुंती के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। इसके बाद कुंती ने घर में पड़े करनी को उठाया और सोमारू पर वार करना शुरू कर दिया। सोमारू खून से लथपथ हो गया और जान बचाने के लिए पड़ोस के घर की ओर भागा।

विधायक प्रतिनिधि पहुंचे घटनास्थल पर

पड़ोसी के आंगन में पहुंचकर सोमारू ने दम तोड़ दिया। इधर, घटना की सूचना के बाद कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी के निर्देश पर विधायक प्रतिनिधि मो. शमी आलम भी घटनास्थल पहुंचकर हालात का जायजा लिया।

वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस ने हत्या की आरोपी कुंती को हिरासत में लेकर छानबीन कर रही है।

हाईवा ने इंजीनियरिंग की छात्रा को कुचला, मौत

दोस्तों के साथ न्यू ईयर सेलिब्रेट करने जा रही थी

बिलासपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बिलासपुर में दोस्तों के साथ न्यू ईयर सेलिब्रेट करने जा रही इंजीनियरिंग छात्रा की स्कूटी को तेज रफ्तार हाईवा ने कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। छात्रा मुंबई की रहने वाली थी। गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी में बी-टेक कर रही थी। घटना सकरी थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, सिविल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में निधि यादव (22) बी-टेक थर्ड ईयर की छात्रा थी। यहां गर्ल्स हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी। बुधवार को नए साल के पहले दिन निधि और बिहार के भिमचक में रहने वाले गुडेश कुमार, समीर कुमार, राहुल कुमार, महिकांत, रजनीश सहित अन्य के साथ न्यू ईयर सेलिब्रेट करने कोटा क्षेत्र के बेलगहना स्थित औरापानी पिकनिक स्पॉट जाने के लिए निकली थी।

निधि और समीर एक एक्टिवा पर थे। समीर एक्टिवा चला रहा था। उनके आगे रजनीश और राहुल दूसरी बाइक पर थे। कोनी इलाके में रहने वाले सभी स्टूडेंट्स अलग-अलग बाइक और स्कूटी पर सवार होकर निकले थे। अभी वो तुर्काडीह पुल पर नेशनल हाईवे से होकर सकरी क्षेत्र के दलदलिहापारा में ओवरब्रिज के पास पहुंचे थे। यहां से एक्टिवा को अंडरब्रिज पर नीचे उतारते समय पीछे से आ रहे तेज रफ्तार हाईवा ने दूसरे वाहन को ओवरटेक करते हुए एक्टिवा को टक्कर मार दी। जिससे समीर दूर जाकर गिर गया। वहीं, निधि हाईवा के के पहिए के नीचे आ गई। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक्टिवा सवार समीर दूर गिरा। लेकिन उसे ज्यादा चोटें नहीं आई। जिसके बाद वहां छात्रों की भीड़ जुट गई। उन्होंने तत्काल इस घटना की जानकारी पुलिस को दी। इस पर कोनी और सकरी पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। वहीं, हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर हाईवा लेकर रायपुर की ओर भाग निकला। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस ने शव का पंचनामा के बाद उसके दोस्तों की रिपोर्ट पर हाईवा ड्राइवर के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है। वहीं शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सिम्स भेजा गया है। कॉलेज से उसके परिजनों का मोबाइल नंबर लेकर इस घटना की जानकारी दी गई है। खबर मिलते ही परिजन मुंबई से बिलासपुर के लिए रवाना हो गए हैं। गुरुवार को उनकी मौजूदगी में शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।

मां-बेटी की हत्या, नाले में फेंका लड़की का शव

लोग बताने घर गए तो देखी मां की लाश, 2 दिन में 5 मर्डर

रायपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। रायपुर में मां-बेटी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस मामले में ठीक एक दिन पहले बुधवार को 14 साल की बच्ची की लाश नाले में मिली थी। अब उसकी मां का शव मिला है। दरअसल, बच्ची की लाश मिलने के बाद जब पुलिस ने की छानबीन शुरू की तो लड़की के घर पर ही उसकी मां की मौत के बारे में पता चला। पुलिस को हत्या किए जाने के सबूत मिले हैं। इन्हें किसने मारा और हत्या के क्या कारण थे, इसकी जांच में पुलिस जुटी हुई है। बता दें कि रायपुर में बीते 2 दिनों में 5 मर्डर हुए हैं। बुधवार को 14 साल की लड़की की लाश खमतराई थाना इलाके के एक नाले में पड़ी मिली थी। गुरुवार को उसकी मां की लाश धरसींवा पुलिस स्टेशन एरिया में मिली है। दोनों ही थानों की टीम इस केस की जांच कर रही है। रायपुर-बिलासपुर हाईवे से लगी एक बस्ती में 14 साल की बच्ची और उसकी मां रहा करते थे।

महिला के पति की कुछ साल पहले ही मौत हो चुकी है। जहां महिला की लाश मिली पुलिस ने कमरे के भीतर किसी को जाने नहीं दिया। मौके पर खून छींटे जमीन और दीवार पर मिले हैं। जांच टीम के अधिकारियों ने बताया कि धारदार हथियार या भारी चीज से पीटकर महिला को मारा गया होगा। बेटी की हत्या कैसे की गई इसकी जांच जारी है। दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

ईडी को हाईकोर्ट का आदेश, 3 हफ्ते में दे जवाब

रांची, 2 जनवरी (एजेंसियां)। सीएम हेमंत सोरेन की शिकायत पर रांची के गोंदा थाने में ईडी अधिकारियों पर एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसकी सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में चल रही है। इस केस की जांच सीबीआई या अन्य स्वतंत्र एजेंसी ने कराने का आग्रह ईडी ने हाईकोर्ट से की है। इसी मामले में सुनवाई हुई। पूर्व की सुनवाई में अदालत ने सीएम हेमंत सोरेन से जवाब मांगा था। जिस पर उन्होंने जवाब सौंप दिया। आज सुनवाई करते हुए अदालत ने ईडी के वरिष्ठ अधिकारी देवव्रत झा को अपना प्रतिउत्तर देने को कहा है। अदालत ने इसके लिए ईडी को तीन हफ्ते का समय दिया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई तीन हफ्ते बाद की जाएगी।

पुल की रेलिंग से टकराई बाइक, एक सवार की मौत

हादसे में एक जख्मी, दोनों ने पी रखी थी शराब, हेलमेट भी नहीं पहना था

पलामू, 2 जनवरी (एजेंसियां)। हेलमेट नहीं पहनना और शराब पीकर गाड़ी चलाना दो दोस्तों को भारी पड़ गया। मेदिनीनगर के रेड़मा ओवरब्रिज के रेलिंग से बाइक टकराई और एक की मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से जख्मी है। गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम एमएमसीएच में किया गया। घटना बुधवार की देर रात हुई।

मृतक अनूप कुमार पासवान गढ़वा जिला के भवनाथपुर बुका निवासी मुकेश राम का पुत्र था। जख्मी युवक मनु कुमार पासवान पाटन थानाक्षेत्र के भुरवा नौडीहा के रहने वाले अखिलेश कुमार पासवान बेटा है। बुधवार की रात दस बजे के करीब मनु और अनूप एक ही बाइक से रेड़मा ओवरब्रिज से जा रहे थे। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से टकरा गई।

हादसे के बाद काफी देर तक दोनों सड़क पर ही पड़े रहे। रात में रास्ते से गुजर रहे लोगों ने घटना की जानकारी ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद को दी। ट्रैफिक प्रभारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों युवकों को पुलिस की गाड़ी से लेकर अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टर ने अनूप को मृत घोषित कर दिया। ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद ने बताया कि युवक शराब के नशे में थे और हेलमेट भी नहीं पहना हुआ था।

नए साल में बिकी 60 करोड़ की शराब

रांची में टूटा पिछले साल का रिकॉर्ड, सबसे कम जामताड़ा में हुई बिक्री

रांची, 2 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल के पहले दिन झारखंड में शराब की बिक्री ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। इस साल 30 दिसंबर से 1 जनवरी के बीच जितनी शराब बिकी है, वह पिछले साल से काफी अधिक है। राजस्व विभाग ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में 27 सौ करोड़ रुपए के राजस्व का टारगेट रखा है, जिसका आधे से अधिक पूरा हो चुका है। 30 दिसंबर से 1 जनवरी के बीच में सबसे अधिक शराब 31 दिसंबर की रात को बेची गई है। तीनों दिन मिला कर 60 करोड़ की शराब बेची गई। अभी आधिकारिक आंकड़े नहीं जारी किए गए है। विभाग को उम्मीद है कि आंकड़े में और इजाफा होगा। विभाग के अनुमानित आंकड़े के मुताबिक 30 दिसंबर को 14.58 करोड़ और 31 दिसंबर को 27.52 करोड़ रुपए की शराब बिकी है। इसके बाद 1 जनवरी को 18 से 19

करोड़ रुपए की शराब बेचने का अनुमान है। बीते साल के रिकॉर्ड और इस साल के अब तक रिकॉर्ड बता रहे हैं कि पिछले साल 2023 में 31 दिसंबर को 24 करोड़ रुपए की शराब बिकी थी, जबकि इस बार 31 दिसंबर को लगभग 3.50 करोड़ रुपए से अधिक की शराब बिकी है। शराब बेचने में रांची जिला टॉप पर है। 31 दिसंबर को राज्य में सबसे अधिक शराब की बिक्री रांची में ही हुई है। यहां 5.10 करोड़ रुपये की शराब बिकी। अब तक रांची का एक दिन में अधिकतम शराब बिक्री का रिकॉर्ड 4.62 करोड़ रुपए था। 1 जनवरी को रांची में लगभग 3 करोड़ रुपए से अधिक की शराब बिकी। 31 दिसंबर और 1 जनवरी को मिलाकर रांची में कुल आठ करोड़ रुपए से अधिक की शराब की बिक्री हुई। जिलों से आए आंकड़े के मुताबिक पूर्वी सिंहभूम, हजारीबाग और सरायकेला ऐसे जिले हैं, जहां रांची के बाद सबसे ज्यादा शराब बेची गई है।

बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय प्रभु की जमानत याचिका खारिज

चटगांव कोर्ट में आधे घंटे चली सुनवाई, चिन्मय की पेशी के बिना आया फैसला

ढाका, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय प्रभु दास की जमानत याचिका आज दूसरी बार खारिज हो गई। न्यूज एजेंसी डेली स्टार के मुताबिक चटगांव सेशन कोर्ट के जज सैफुल इस्लाम ने दोनों पक्षों की दलील पढ़ने के बाद ये फैसला दिया। इस मामले में करीब आधे घंटे तक सुनवाई चली। चिन्मय दास पर बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज के अपमान का आरोप है। इस मामले में राजद्रोह का केस दर्ज कर उन्हें 25 नवंबर 2024 को गिरफ्तार किया गया था। फैसले के बाद चिन्मय प्रभु के वकील अपूर्व भट्टाचार्य ने कहा कि वे जमानत को लेकर हाइकोर्ट में अपील करने पर विचार कर रहे हैं। सुबह 10.15 बजे सुप्रीम कोर्ट के 11 वकीलों की टीम चटगांव कोर्ट पहुंची। इसके बाद करीब 11 बजे मामले की सुनवाई शुरू हुई। वहीं, सुनवाई के दौरान चिन्मय प्रभु को कोर्ट में पेश नहीं किया गया। इससे पहले 3 दिसंबर 2024 को उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी।

बांग्लादेश पुलिस ने 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट से चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को गिरफ्तार किया। वे चटगांव जा रहे थे। मौके पर मौजूद इस्कॉन के सदस्यों ने कहा कि डीबी पुलिस ने कोई गिरफ्तारी वारंट नहीं दिखाया। उन्होंने बस इतना कहा कि वे बात करना चाहते हैं। इसके बाद वो उन्हें माइक्रोबस में बैठाकर ले गए। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की जासूसी शाखा (डीबी) के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त रेजाउल करीम मल्लिक ने कहा कि पुलिस के अनुरोध के बाद चिन्मय कृष्ण दास को गिरफ्तार किया गया। चिन्मय दास को कानूनी प्रक्रिया के लिए संबंधित पुलिस स्टेशन को सौंप दिया जाएगा। चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी का असली नाम चंदन कुमार धर है। वे चटगांव इस्कॉन के प्रमुख हैं। बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच 5 अगस्त 2024 को पीएम शेख हसीना ने देश छोड़ दिया था। इसके बाद बड़े पैमाने पर हिंदुओं के साथ हिंसक घटनाएं हुईं। इसके बाद बांग्लादेशी हिंदुओं और अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा के लिए सनातन जागरण मंच का गठन हुआ। चिन्मय प्रभु इसके प्रवक्ता बने। सनातन जागरण मंच के जरिए चिन्मय ने चटगांव और रंगपुर में कई रैलियों को संबोधित किया। इसमें हजारों लोग शामिल हुए। 25 अक्टूबर को चटगांव के लालदीघी मैदान में नातन जागरण मंच ने 8 सूत्री मांगों को लेकर एक रैली की थी। इसे चिन्मय कृष्ण दास ने भी संबोधित किया था। इस दौरान न्यू मार्केट चौक पर कुछ लोगों ने आजादी स्तंभ पर भगवा ध्वज फहराया था। इस ध्वज पर आमी सनातनी लिखा हुआ था। रैली के बाद 31 अक्टूबर को बेगम खालिदा जिया की बीएनपी पार्टी के नेता फिरोज खान ने चिन्मय कृष्ण दास समेत 19 लोगों के खिलाफ चटगांव में राजद्रोह का केस दर्ज कराया था। उन पर राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने का आरोप है।

बांग्लादेश में 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना सरकार गिरने के बाद से भारत विरोधी भावनाओं को बल मिला है।

तालिबान के सबसे बड़े दुश्मन से दोस्ती करने पहुंचे आईएसआई चीफ

'युद्ध' के बाद टेंशन में पाकिस्तान, यहीं पर भारत का भी मिलिट्री बेस

इस्लामाबाद, 2 जनवरी (एजेंसियां)। तालिबान और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात के बाद पाकिस्तानी सेना की खुफिया आईएसआई के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक ने अचानक से ताजिकिस्तान का दौरा किया है। पाकिस्तान ने इस दौरे का ऐलान नहीं किया लेकिन ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति कार्यालय ने इसकी जानकारी दी है। इस दौरे पर आईएसआई चीफ ने ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति से उनके महल में मुलाकात की। साल 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से ही ताजिकिस्तान की सरकार ने तालिबानी शासन का सबसे ज्यादा खुलकर विरोध किया है। वहीं पाकिस्तान की बात करें तो उसने संयुक्त राष्ट्र से लेकर दुनिया के अन्य मंचों तक पर तालिबानी सरकार को मान्यता देने की मांग की है। हालांकि अब तालिबान के साथ संघर्ष के बाद पाकिस्तान के सुर बदलने लगे हैं और वह अब ताजिकिस्तान के साथ दोस्ती करना चाहता है।

माना जा रहा है कि पाकिस्तान और ताजिकिस्तान दोनों ही मिलकर अपने खतरनाक पड़ोसी तालिबान को घेरना चाहते हैं। अफगानिस्तान में ताजिक मूल के हजारों लोग रहते हैं और उन पर तालिबानी हमले का खतरा मंडरा रहा है। इसी वजह से ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति ने खुलकर कहा है कि वह तालिबानी सरकार को स्वीकार नहीं करेंगे। वह सभी गुटों को मिलाकर सरकार बनाने की मांग कर रहे हैं। ताजिकिस्तान तालिबान विरोधी गुटों का गढ़ बन गया है। अशरफ गनी सरकार के पतन के बाद ज्यादातर तालिबान विरोधी नेता और सदस्य ताजिकिस्तान चले गए थे। इसी वजह से तालिबान और ताजिकिस्तान के बीच संबंध बहुत खराब रहते हैं और दोनों के बीच बयानबाजी होती रहती है।

पाकिस्तानी विश्लेषकों का कहना है कि आईएसआई चीफ की इस यात्रा से पाकिस्तान ने तालिबान को संदेश दिया है। पाकिस्तानी सेना ने यह दिखाने की कोशिश की है कि तालिबान अगर ऐसे ही टीटीपी को समर्थन देता रहा तो उसके पास विकल्प मौजूद हैं। तालिबान को जवाब देने के लिए अफगान विरोधी धड़ों ने एनआरएफ का गठन किया है। इसका नेतृत्व अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अमरुल्ला सालेह कर रहे हैं। एनआरएफ चाहता है कि पाकिस्तानी सेना उसे हथियार और पैसे दे तो हम तालिबान को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

अभी यह पता नहीं चला है कि आईएसआई चीफ ने एनआरएफ के नेताओं से मुलाकात की है या नहीं, यह पता नहीं चल पाया है। इससे पहले भारत अमरुल्ला सालेह और अहमद मसूद को तालिबान के खिलाफ जंग में मदद दे चुका है। उस समय पाकिस्तान तालिबान को सैन्य मदद दे रहा था। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि तालिबान की जीत के बाद उसका इस्तेमाल भारत के खिलाफ किया जाएगा लेकिन उसका दांव अब उल्टा पड़ गया है। पाकिस्तानी विश्लेषकों का कहना है कि हामिद करजई के समय में भी पाकिस्तान के साथ अफगानिस्तान के उतने रिश्ते खराब नहीं थे जितना आज तालिबान के राज में हैं।

अमेरिका के टाइम्स स्क्वायर पर इजराइल के खिलाफ प्रदर्शन

नए साल के मौके पर तीसरा इंतिफादा शुरू करने की मांग, जायोनिज्म को बताया कैंसर

वॉशिंगटन, 2 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यूयॉर्क में बुधवार को नए साल के मौके पर सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने टाइम्स स्क्वायर पर जमा होकर इजराइल के खिलाफ तीसरा इंतिफादा शुरू करने की मांग की। इजराइल विरोधी तख्तियां लहराते हुए प्रदर्शनकारियों ने कहा- जायोनिज्म कैंसर है, ईरान के खिलाफ कोई युद्ध नहीं और इजराइल को सभी अमेरिकी मदद बंद करो।

इस प्रदर्शन का आयोजन फिलिस्तीनी युवा आंदोलन, पार्टी फॉर सोशलिज्म एंड लिबरेशन और पीपुल्स फोरम ने किया था। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए - सिर्फ एक ही हल इंतिफादा, विरोध शानदार है - हम जीतेंगे और हमें गाजा पर फक्र है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक महिला प्रदर्शनकारी ने गोरे लोगों पर तंज करते हुए कहा- हम तुम्हें वापस यूरोप भेज रहे हैं। यूरोप वापस जाओ, यूरोप वापस जाओ। वहीं एक प्रदर्शनकारी ने मेगाफोन पर चिल्लाकर कहा कि साल 2024 जायोनिज्म के अपराधों के खिलाफ संघर्ष का साल है। बता दें कि जायोनिज्म एक धार्मिक और राजनीतिक आंदोलन है। यह इजराइल के ऐतिहासिक भूभाग में यहूदी देश की पुनर्स्थापना का समर्थन करता है।

खास बात यह था कि इस विरोध प्रदर्शन से कुछ देर पहले ही न्यू ऑर्लीन्स में एक शख्स ने न्यू ईयर सेलिब्रेशन में तेज रफ्तार ट्रक से हमला कर सैकड़ों लोगों को रौंद दिया था। इंतिफादा एक अरबी शब्द है। इसे अंग्रेजी में 'शेक ऑफ' कहते हैं। इजराइल के खिलाफ विद्रोह और उस पर जोरदार हमले को फिलिस्तीन के लोग इंतिफादा कहते हैं। एक ऐसा हमला जो इजराइल को पूरी तरह से हिला कर रख दे। 1987 में फिलिस्तीन में इस शब्द का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा। यह वह मौका था, जब इजराइली सैनिकों के खिलाफ लोग वेस्ट बैंक और गाजा में जोरदार विरोध जता रहे थे। फिलिस्तीन मूल के अमेरिकी प्रोफेसर एडवर्ड सईद ने 1989 में इंतिफादा शब्द की व्याख्या की थी। उन्होंने कहा था कि ये अपनी जमीन, देश और इतिहास बचाने के लिए फिलिस्तीनियों की इजराइल के खिलाफ एक तरह की जवाबी कार्रवाई है। नए साल के मौके पर तुर्किये के इस्तांबुल में भी इजराइल के खिलाफ बड़े विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इस्तांबुल के गलाटा ब्रिज पर बड़ी तादाद में लोगों ने जमा होकर आजाद फिलिस्तीन के नारे लगाए। इसका आयोजन नेशनल विल प्लेटफॉर्म ने किया था। तुर्किये के राष्ट्रपति रिसेप तैयप एर्दोगन के बेटे बिलाल एर्दोगन ने इस दौरान गाजा पर इजराइली हमले की आलोचना की। उन्होंने सीरिया में हाल ही में बशर अल असद के तख्तापलट का जिक्र करते हुए कहा- सीरिया के मुसलमान मजबूत हौसले और सब्र करने वाले हैं। इस वजह से उन्होंने जीत हासिल की। सीरिया के बाद अब गाजा भी घेराबंदी से आजाद होगा।

सऊदी अरब ने नए साल पर छह ईरानी नागरिकों को दी फांसी

रियाद, 2 जनवरी (एजेंसियां)। सऊदी अरब ने छह ईरानी नागरिकों को फांसी दे दी है। नए साल, 2024 के पहले दिन बुधवार को सऊदी की प्रेस एजेंसी ने ये जानकारी दी है। इन लोगों पर ड्रग्स की तस्करी का केस था, इसमें कोर्ट ने इनको मौत की सजा सुनाई थी। इसके बाद पूर्वी प्रांत में इन्हें फांसी की सजा दी गई। ये लोग हशीश की तस्करी करते पकड़े गए थे। सऊदी में मौत की सजा में बीते वर्षों में तेजी आई है। इसके लिए सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान मानवाधिकार संगठनों के निशाने पर हैं। मानवाधिकार संगठनों ने सऊदी में मृत्युदंड में अभूतपूर्व वृद्धि का आरोप लगाया है।

सऊदी मीडिया के मुताबिक, सुरक्षा अधिकारियों ने ईरान के इन नागरिकों को तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया था। ये लोग सऊदी में हशीश ड्रग्स ला रहे थे। इसके बाद इन्हें कोर्ट में पेश किया गया। सबूतों के आधार पर कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई। इसके खिलाफ ये लोग सुप्रीम कोर्ट गए लेकिन वहां भी इस फैसले को बरकरार रखा। इसके बाद शाही आदेश पर सजा दी गई। ईरान ने इस पर सऊदी सरकार के सामने अपना कड़ा विरोध जताया है।

ड्रग्स के मामले में सऊदी सरकार सख्त

सऊदी के गृह मंत्रालय ने इस घटना पर अपने बयान में कहा, 'सरकार अपने नागरिकों और निवासियों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। ड्रग्स देश के सामने एक बड़ी समस्या है। हम ड्रग्स के खतरे से अपने लोगों को बचाएंगे। हम तस्करों को बख्शेंगे नहीं। तस्करों और डीलरों को कानून के हिसाब से कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। सऊदी अरब में ड्रग्स की तस्करी पर मौत की सजा का प्रावधान है। सऊदी अरब में मौजूदा साल यानी 2024 में 100 से ज्यादा विदेशी नागरिकों को फांसी दी गई है। सऊदी अरब के इतिहास में ये पहली बार है, जब एक वर्ष में 100 से ज्यादा लोगों की मौत की सजा दी गई है। 2024 में ये आंकड़ा बीते दो वर्षों से करीब तीन गुना है।

यूरोपीय देश मोंटेनेग्रो के बार में फायरिंग, 10 की मौत

हमलावर ने अपने परिवार वालों को मारा, मरने वालों में बार मालिक और 2 बच्चे शामिल

मोंटेनेग्रो, 2 जनवरी (एजेंसियां)। यूरोपीय देश मोंटेनेग्रो में नए साल के मौके पर एक शख्स ने बार में फायरिंग कर अपने ही परिवार के सदस्यों समेत 10 लोगों की हत्या कर दी। मरने वालों में परिवार के अलावा बार के मालिक और उसके 2 बच्चे भी शामिल हैं। वहीं 4 लोग घायल भी हुए हैं। आरोपी हमलावर की पहचान 45 साल के आको मार्टिनोविक के रूप में हुई है, जो हमले के बाद मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए इलाके की सभी सड़कों को बंद कर दिया और उसकी तलाश में जुट गई। मार्टिनोविक बार में अपने मेहमानों के साथ मौजूद था। स्थानीय पुलिस के मुताबिक घटना की शुरुआत बार में झड़प से हुई। झड़प के बाद वह घर गया और वहां से हथियार लेकर आया। इसके बाद उसने शाम 5:30 बजे (स्थानीय समयानुसार) गोलीबारी शुरू कर दी। बार में हुई फायरिंग में उसने 4 लोगों को मार दिया था। इनमें बार मालिक और उसके 2 बच्चे मारे गए। इसके बाद उसने

अन्य 3 जगहों पर जाकर फायरिंग की, जिसमें अन्य लोग मारे गए। हमले के बाद सरकार ने गुरुवार से तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। मोंटेनेग्रो के प्रधानमंत्री मिलोज्को स्पाजिक ने गोलीबारी को भयानक त्रासदी बताया है। हमले में घायल हुए लोगों की हालत भी गंभीर बनी हुई है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक हमलावर मार्टिनोविक का क्रिमिनल रिकॉर्ड रहा है। उसने अवैध हथियार हथियार रखने के आरोप में सजा भी मिली थी, जिसके खिलाफ उसने कोर्ट में अपील भी की थी। अमेरिका के लुइसियाना राज्य के न्यू ऑर्लियंस शहर में एक जनवरी को एक शख्स ने नए साल का जश्न मना रहे लोगों पर पिकअप ट्रक चढ़ा दिया। इसमें 15 की मौत हो गई, जबकि दर्जनों लोग घायल हो गए।

घटना भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे की है। इस वक्त न्यू ऑर्लियंस में रात के 3 बजकर 15 मिनट हो रहे थे। शहर की सबसे व्यस्तम बॉर्बन स्ट्रीट पर हजारों लोग जश्न मना रहे थे। अचानक एक गाड़ी भीड़ को रौंदते हुए आगे बढ़ी। इसके बाद हमलावर पिकअप ट्रक से बाहर आया और लोगों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें हमलावर की मौत हो गई। मुठभेड़ में दो पुलिस वाले भी घायल हो गए।

न्यूयॉर्क में नाइट क्लब में गोलीबारी, 11 घायल

न्यूयॉर्क, 2 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राज्य न्यूयॉर्क के क्वीन्स शहर में बुधवार देर रात एक नाइट क्लब में गोलीबारी हुई है। इस गोलीबारी में लगभग 11 लोग घायल हुए हैं। हमलावर ने एक 12 साल की बच्ची और उसकी मां को ढाल के तौर पर इस्तेमाल करते हुए गोलीबारी की। बच्ची और मां दोनों गोलीबारी में घायल हुई हैं। फिलहाल उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। घटना को लेकर फिलहाल न्यूयॉर्क पुलिस ने कोई जानकारी नहीं दी है। अभी आरोपी हमलावर से जुड़ी जानकारियां भी सामने नहीं आई है। अमेरिका में बीते 24 घंटों में गोलीबारी की ये दूसरी घटना है। इससे पहले लुइसियाना राज्य के न्यू ऑर्लियंस शहर में एक शख्स ने नए साल का जश्न मना रहे लोगों पर पिकअप ट्रक चढ़ा दिया था। इसमें 15 की मौत हो गई, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। लॉस वेगास में ट्रम्प होटल के बाहर बुधवार रात को एक टेस्ला ट्रक में ब्लास्ट हो गया। डोनाल्ड ट्रम्प के लास वेगास होटल के बाहर बुधवार को एक टेस्ला ट्रक में ब्लास्ट हो गया। इस ट्रक में आतिशबाजी का सामान रखा हुआ था। ब्लास्ट की वजह से ट्रक के अंदर मौजूद शख्स की मौत हो गई है। इसके अलावा आसपास के 7 लोग घायल हुए हैं। वहीं राष्ट्रपति बाइडेन ने जानकारी दी कि एजेंसिया न्यू ऑर्लियंस में हुए हमले और ट्रम्प के होटल के बाहर हुए ब्लास्ट के बीच लिंक की जांच कर ही है। दूसरी तरफ टेस्ला के मालिक इलॉन मस्क ने टेस्ला ट्रक में हुए ब्लास्ट पर पोस्ट करते हुए कहा कि ट्रक में ब्लास्ट उसमें रखे हुए आतिशबाजी के सामान की वजह से हुआ।

ट्रम्प बोले- मेरा मार-ए-लागो रिसॉर्ट ब्रह्मांड का केंद्र

लाइफटाइम मेंबरशिप फीस 8 .50 करोड़, मस्क यहां होने वाली रिसॉर्ट पार्टियों के रेग्युलर गेस्ट

वॉशिंगटन, 2 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का मशहूर रिसॉर्ट मार-ए-लागो लगातार सुर्खियों में है। ट्रम्प का कहना है कि मेरा रिसॉर्ट पूरे ब्रह्मांड का केंद्र है। ट्रम्प के चुनाव जीतने के बाद से यहां दुनिया की सबसे ताकतवर हस्तियों का तांता लगा हुआ है। रोज यहां पर थीम पार्टियां हो रही हैं।

ट्रम्प के रिसॉर्ट की लाइफटाइम मेंबरशिप फीस 8.50 करोड़ रुपए है। बिना कार्ड यहां एंट्री नहीं होती है। पैसा होने पर भी सभी को मेंबरशिप नहीं मिलती है। इसके लिए पहले उसकी हिस्ट्री चेक होती है। मसलन बैंक अकाउंट डिटेल, सोशल स्टेट्स और फैमिली बैकग्राउंड। हर साल बड़ी संख्या में दुनिया भर के अमीर

लोग इसके लिए अप्लाई करते हैं, लेकिन कुछ को ही मेंबरशिप मिलती है। टेस्ला सीईओ इलॉन मस्क इस रिसॉर्ट में होने वाली पार्टियों में रेग्युलर गेस्ट हैं। वे अपने टेक्सस वाले बंगले को छोड़कर यहां रह रहे हैं। मस्क के बच्चे भी यहां में आते-जाते रहते हैं। इस रिसॉर्ट में हर दिन दुनिया के सबसे अमीर तरीन और ताकतवर लोगों का आना जाना लगा रहता है। मेटा के फाउंडर मार्क जुकरबर्ग, एपल सीईओ टिम कुक, गूगल सीईओ सुंदर पिच्चई, अमेजन सीईओ जेफ बेजोस, गूगल को-फाउंडर सर्गेई ब्रिन, कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो और इजराइली पीएम नेतन्याहू की पत्नी सारा समेत कई हस्तियां इस रिसॉर्ट की पार्टियों में शिरकत कर चुकी हैं। इस रिसॉर्ट में रईसों की आवाजाही देखते हुए एक इन्वेस्टर जेम्स फिशबैक ने इसके कोर्टयार्ड में एक इन्वेस्टमेंट फंड भी लॉन्च किया है। फिशबैक का कहना है कि यहां में जब मैंने पहली बार हेल्थ सेक्रेटरी रॉबर्ट कैनेडी को देखा तो मैं हैरान रह गया। अब तो रोज ही यहां कईं हस्तियों को देखता हूं।

ट्रम्प का रिसॉर्ट वाकई में पावर हाउस बन गया है। यहां से मुझे बड़े इन्वेसटमेंट की उम्मीद है।

साउथ कोरिया प्लेन क्रैश, 4 दिन बाद भी सुराग नहीं

पायलट ने पक्षी टकराने का अलर्ट भेजा, फिर 6 साल का सबसे बड़ा विमान हादसा

सियोल, 2 जनवरी (एजेंसियां)। साउथ कोरिया में 29 दिसंबर की सुबह मुआन एयरपोर्ट पर जेजू एयर का विमान क्रैश हो गया। इस हादसे में 179 लोगों की मौत हो गई। विमान में सवार सिर्फ 2 क्रू मेंबर बच पाए। इन दोनों को प्लेन के पीछे की ओर इमरजेंसी एग्जिट से रेस्क्यू किया गया। हाल में हुआ ये हादसा सबसे घातक प्लेन क्रैश में से एक है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक यह हादसा 2018 के बाद का सबसे बड़ा हादसा है, तब लायन एयर फ्लाइट 610 इंडोनेशिया में दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। इसमें सवार सभी 189 लोग मारे गए थे। जेजू एयर हादसे के 4 दिन बीत जाने के बाद भी यह पता नहीं चल पाया है कि यह प्लेन क्रैश कैसे हुआ। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इंजन से पक्षी का टकराना ही हादसे की वजह नहीं हो सकती है। उनका मानना है कि एक इंजन पर पक्षी के टकराने से सभी सिस्टम पूरी तरह से फेल नहीं हो जाते, एक इंजन पर भी प्लेन को उड़ाया जा सकता है। सबसे पहले पायलट ने सुबह 8:59 बजे मुआन एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को मेडे अलर्ट भेजा। पायलट मेडे शब्द का इस्तेमाल इमरजेंसी की स्थिति में करते हैं। पायलट ने सूचना दी कि प्लेन से एक पक्षी टकरा गया है। इसके बाद पायलट को रास्ता बदलने और उल्टी दिशा में उतरने का निर्देश दिया गया था। प्लेन ने एयरपोर्ट पर लैंडिंग के लिए दो बार कोशिश की। पहली बार में लैंडिंग गियर नहीं खुलने की वजह से प्लेन लैंड नहीं हो पाया था। इसके बाद पायलट ने हवा में एक और चक्कर लगाने की बात कही। हालांकि, अभी तक यह नहीं पता चल पाया है कि लैंडिंग गियर के न खुलने की वजह क्या थी। बेली लैंडिंग के दौरान विमान धीमा हो जाता है। प्लेन जब रनवे पर उतरा तो उसका लैंडिंग गियर दिखाई नहीं दिया। लैंडिंग गियर विमान को जमीन पर खड़े रहने में मदद करता है। इसके साथ ही प्लेन का विंग फ्लैप भी एक्टिव नहीं था। विंग फ्लैप को एक्टिव करने पर प्लेन की स्पीड धीमी हो जाती है, लेकिन प्लेन रनवे पर बहुत तेजी से आगे बढ़ता रहा, पायलट विमान को कंट्रोल करने में फेल हो गया। बेली लैंडिंग के दौरान विमान धीमा हो जाता है। प्लेन जब रनवे पर उतरा तो उसका लैंडिंग गियर दिखाई नहीं दिया। लैंडिंग गियर विमान को जमीन पर खड़े रहने में मदद करता है। इसके साथ ही प्लेन का विंग फ्लैप भी एक्टिव नहीं था। विंग फ्लैप को एक्टिव करने पर प्लेन की स्पीड धीमी हो जाती है, लेकिन प्लेन रनवे पर बहुत तेजी से आगे बढ़ता रहा, पायलट विमान को कंट्रोल करने में फेल हो गया।

यूक्रेन के रास्ते यूरोप को रूसी गैस की सप्लाई बंद

जेलेंस्की ने 5 साल पुराना एग्रीमेंट नहीं बढ़ाया, हंगरी स्लोवाकिया, मोल्दोवा को सबसे ज्यादा नुकसान

मॉस्को, 2 जनवरी (एजेंसियां)। रूस की सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी गाजप्रोम और यूक्रेन के बीच पाइपलाइन के जरिए यूरोपीय देशों को गैस भेजने का समझौता अब टूट गया है। अलजजीरा के मुताबिक गाजप्रोम ने इसकी पुष्टि की है। इसके साथ ही रूस और यूक्रेन के बीच बचा हुआ आखिरी कारोबारी और राजनीतिक समझौता अब खत्म हो चुका है।

समझौते के टूटने से अब यूरोप के कई देशों तक रूसी प्राकृतिक गैस का निर्यात रुक गया है। रूसी कंपनी गाजप्रोम ट्रांजिट एग्रीमेंट के तहत जंग के दौरान भी स्लोवाकिया, मोल्दोवा और हंगरी समेत कई देशों को प्राकृतिक गैस भेजती थी। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री

जर्मन गैलुशेंको ने एक बयान में कहा- हमने रूसी गैस के ट्रांजिट को रोक दिया है। यह एक ऐतिहासिक घटना है। रूस अपने बाजार खो रहा है, उसे वित्तीय नुकसान होगा। यूरोपीय देशों के गैस भेजने के लिए ट्रांजिट एग्रीमेंट की शुरुआत 2019 में हुई थी। इसे 31 दिसंबर 2024 को खत्म होना था। यूक्रेन ने इस एग्रीमेंट को रिन्यू करने से इनकार कर दिया था। स्लोवाकिया के पीएम रॉबर्ट फिको और हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन कई सप्ताह से ट्रांजिट एग्रीमेंट रद्द न करने को लेकर यूक्रेन को मनाने की कोशिश कर रहे थे। उनकी कोशिश नाकाफी साबित हुई। ये दोनों यूरोपीय नेता पुतिन समर्थक माने जाते हैं। गैस न मिलने की आशंका के चलते रॉबर्ट फिको पिछले सप्ताह पुतिन से मिलने मॉस्को पहुंचे थे।

उन्होंने कहा था कि अगर यूक्रेन ने ट्रांजिट डील को रिन्यू नहीं किया तो स्लोवाकिया, यूक्रेन की बिजली सप्लाई रोक देगा। इस धमकी पर यूक्रेन ने कहा था कि उन्हें इसकी परवाह नहीं है।

निमिषा प्रिया की मौत की सजा का मामला

मदद की गुहार के बीच भारत को मिला ईरान का साथ, कहा- जो हो पाएगा, करेंगे

सना, 2 जनवरी (एजेंसियां)। यमन में एक युवक की हत्या के मामले में भारतीय मूल की नर्स निमिषा प्रिया को मौत की सजा सुनाई गई है। उन्हें एक महीने में फांसी दी जानी है। निमिषा की सजा माफ कराने के लिए भारत सरकार ने कोशिशें तेज कर दी हैं। इस मामले में केंद्र सरकार यमन की सरकार से बात कर सकती है। इस बीच भारत को ईरान का समर्थन मिला। एक ईरानी अधिकारी ने आश्वासन दिया कि मानवीय आधार पर उनसे जो कुछ हो पाएगा, वे करने को तैयार हैं। ईरानी अधिकारी ने कहा, मानवीय आधार पर हमसे जो कुछ हो सकेगा, हम वो करेंगे। बता दें कि केरल के पलक्कड़ जिले के कोलेंगोडे की रहने वाली नर्स

निमिषा प्रिया 2008 में अपने माता-पिता की मदद से यमन गईं थी। यहां उन्होंने कई अस्पतालों में काम किया। 2011 में वह भारत आई थी और शादी के बाद 2012 में निमिषा अपने पति के साथ एकबार फिर यमन चली गई। यमन की राजधानी सना में निमिषा ने फिर से नर्स का काम शुरू किया। इस बीच उन्होंने एक बेटे को भी जन्म दिया। साल 2014 में आर्थिक तंगी के कारण निमिषा का पति बेटे को लेकर वापस केरल चला गया। इसी वक्त यमन में गृह युद्ध शुरू हो गया और वीजा मिलने में रोक लग गई, जिसके कारण निमिषा का पति वापस यमन नहीं जा सका।

निमिषा प्रिया यमन में अपना क्लीनिक खोलना चाहती थीं। यमन के नियमों के मुताबिक वहां कोई भी व्यवसाय शुरू करने के लिए स्थानीय लोगों के साथ साझेदारी जरूरी है। इसलिए 2014 में निमिषा यमन के नागरिक तलाल अब्दो माहदी के संपर्क में आईं। इसके बाद 2015 में निमिषा ने माहदी के साथ साझेदारी में क्लीनिक खोला। क्लीनिक खोलने के कुछ समय बाद 2015 में निमिषा एक महीने के लिए केरल आई। निमिषा के साथ माहदी भी आया था। इस दौरान माहदी ने उसके घर से निमिषा की शादी की तस्वीर चुरा ली। इस तस्वीर में छेड़छाड़ करके माहदी ने खुद को निमिषा का पति होने का दावा किया। साथ ही उसने क्लीनिक के दस्तावेजों में भी हेराफेरी की। वह निमिषा को अपनी पत्नी बताकर उसकी मासिक आय से पैसे भी लेने लगा। माहदी निमिषा को प्रताड़ित करता था। निमिषा ने आरोप लगाया था कि माहदी उसे और उसके परिवार को परेशान करने लगा।

नए जिलों में जिला परिषदों और पंचायत समिति के पुनर्गठन की तैयारियां तेज

जयपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने पूर्ववर्ती सरकार के बनाए, नए जिलों में से 9 जिलों को भले ही समाप्त कर दिया, लेकिन शेष बचे आठ नए जिलों में अभी भी कई विकास योजनाएं पुराने जिला मुख्यालयों से ही संचालित हो रही हैं। मनरेगा, स्थानीय विधायक विकास योजना, स्थानीय सांसद विकास योजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना सहित कई योजनाओं की स्वीकृति पुराने जिला मुख्यालयों से ही जारी हो रही है।

पुराने जिला मुख्यालयों से संचालित होगी बचे 8 नए जिलों में कई योजनाएं

सूत्रों का कहना है कि अभी नए जिलों में जिला परिषदों का गठन होना बाकी है, इसलिए पंचायतीराज और ग्रामीण विकास विभाग से जुड़ी योजनाओं का संचालन पुराने जिला मुख्यालयों से ही किया जा रहा है। अब 9 जिले खत्म करने का निर्णय होने के बाद पंचायतीराज विभाग ने जिला परिषदों और पंचायत समिति के पुनर्गठन की तैयारी शुरू कर दी है। नए जिलों में जिला परिषद का गठन होने के बाद केन्द्र सरकार के पोर्टल में भी नए जिलों का इंद्राज करना होगा। इसके बाद मनरेगा और अन्य योजनाओं का संचालन नए जिला मुख्यालयों से किया जा सकेगा।

नए जिला परिषद बनाने की प्रक्रिया शुरू

फलौदी, बालोतरा, कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा, ब्यावर, डीग, डीडवाना-कुचामन और सलूम्बर में नई जिला परिषद बनाने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। ऐसे में जिला परिषदों, पंचायत समिति और ग्राम पंचायतों का भी पुनर्गठन किया जाएगा।

भाजपा प्रदेश प्रभारी का गहलोत पर निशाना

कहा- 2023 में हार के कारण जनता से पूछें

जयपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा हमला किया। उन्होंने अशोक गहलोत के मणिपुर के मुख्यमंत्री पर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गहलोत को पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि 2023 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी क्यों हारी।

अग्रवाल ने कहा, तू इधर-उधर की बात मत कर, यह बता कि कारवां कहां लुटा। जनता ने 2023 में कांग्रेस सरकार को स्पष्ट संदेश दे दिया। गहलोत सरकार ने ऐसा क्या किया जिसकी वजह से उन्हें सत्ता से बाहर होना पड़ा, इसका जवाब पहले जनता को दें। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा ने 2024 में बेहतरीन काम किए हैं, जो 2025 और आगे भी जारी रहेंगे।

अग्रवाल ने कहा, 2028 में जब भाजपा 160 से ज्यादा सीटों के साथ सत्ता में वापसी करेगी, तब जनता खुद बताएगी कि किस सरकार ने क्या किया।

अग्रवाल ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के पास अब न तो राज्य में और न ही देश में कोई मजबूत आधार बचा है। उन्होंने गहलोत के मणिपुर के बयान को ध्यान भटकाने की कोशिश बताया और कहा कि गहलोत को अपनी खीज निकालने के बजाय आत्ममंथन करना चाहिए। भाजपा नेता ने यह भी कहा कि राजस्थान की जनता अब विकास और पारदर्शिता वाली राजनीति चाहती है, और भाजपा इस भरोसे पर खरा उतरने का प्रयास कर रही है।

कुत्तों के झुंड का आतंक

7 साल की मासूम का फाड़ा पेट

चमड़ी संग उखाड़ लिए सिर के बाल

अलवर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के खैरथल-तिजारा में सात साल की मासूम बच्ची को कुत्तों ने नोंच-नोंचकर मार डाला। कुत्तों ने बच्ची को बेहद दर्दनाक मौत दी थी। बच्ची की आंतें बाहर आ चुकी थीं। सिर के बाल चमड़ी सहित उखड़ चुके थे। घटनास्थल पर खून ही खून फैला था। परिजन बच्ची को लेकर अस्पताल पहुंचे, लेकिन तब तक मासूम ने दम तोड़ दिया था।

इकलौती बेटी थी इकराना

मृतका इकराना पिता की इकलौती बेटी थी। मासूम के परिजनों ने बताया कि वह खेत में कुंए पर गई थी। उसके साथ चार बच्चियां और थीं। उन्होंने बताया कि खेत पर दादा मौजूद थे। हालांकि उनको बाजार जाना था। ऐसे में उन्होंने बच्चियों को सीधे घर जाने के लिए कहा और खुद बाजार के लिए निकल गए। मुख्य रास्ते पर कीचड़ था। ऐसे में सभी बच्चियां खेतों में बनी पगडंडी के रास्ते अपने घर जा रही थीं।

कुत्तों के झुंड ने किया हमला

इस दौरान सरसों के खेत से निकलकर आए पांच-छह कुत्तों ने बच्चियों को घेर लिया। अन्य बच्चियां मौके से बचकर भागने में कामयाब रहीं, लेकिन मासूम इकराना कुत्तों के झुंड का शिकार बन गई। कुत्तों ने बच्ची को खेत में घसीट लिया। इसके बाद उसे नोंचने लगे। मौके से भागी बच्चियों ने खेत में काम रहे अन्य लोगों को घटना की जानकारी दी।

गांव में मातम

इसके बाद कुछ लोग हाथों में पाइप लेकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने कुत्तों को भगाया। बच्ची लहूलुहान हालत में जिंदगी और मौत के साथ संघर्ष कर रही थी। वे बच्ची को लेकर ट्रैक्टर ट्रॉली के जरिए अस्पताल के लिए रवाना हुए। इस बीच परिजनों को भी घटना की सूचना दे दी गई। रास्ते में जाम मिलने के बाद वे बच्ची को बाइक पर लेकर अस्पताल पहुंचे।

जहां डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। इकराना की मां के आंसू नहीं थम रहे हैं। वहीं घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया है। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले भी कुत्ते बच्चों पर हमला कर चुके हैं।

महिला और युवक का मर्डर

कमरे में खून से लथपथ मिले

बारां, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बारां में डबल मर्डर का मामला सामने आया है। यहां एक मकान में महिला और युवक खून से लथपथ मिले। महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि युवक ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद से महिला का पति फरार है। पुलिस उसको भी संदिग्ध मानकर जांच कर रही है। मामला अंता थाना इलाके के धाकड़ खेड़ी गांव का है। डीएसपी श्योजीलाल मीणा ने बताया- रात करीब 12 बजे फोन पर सूचना मिली थी कि धाकड़ खेड़ी गांव में डबल मर्डर हुआ है। इस पर मैं अंता थानाधिकारी दिग्विजय सिंह गुर्जर और टीम के साथ मौके पर पहुंचा। घर के अंदर जाकर देखा तो एक कमरे में महिला और युवक खून से लथपथ हालत में थे। दोनों के सिर, गर्दन और कमर पर चोट के निशान थे। महिला की मौत हो चुकी थी, जबकि युवक गंभीर घायल था। डीएसपी ने बताया- हमने तुरंत दोनों को अंता अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। डीएसपी श्योजीलाल मीणा ने बताया- आसपास के लोगों से पूछताछ में सामने आया कि महिला रिंकी (30) इसी घर में अपने पति गणेश पारेता और दो बच्चों के साथ रहती थी। सर्दी की छुट्टियों के कारण बच्चे महिला की बहन के घर गए हुए थे। गणेश भी घर पर नहीं था। उन्होंने बताया- मरने वाले युवक के बारे में आसपास के लोगों को कोई जानकारी नहीं थी। इसके बाद उसकी पहचान कोटा के भीमगंज के गौरव हाड़ा (19) पुत्र पूरण सिंह के रूप में हुई। घटना के बाद से रिंकी का पति गणेश पारेता फरार है। पुलिस गणेश को भी संदिग्ध मानकर जांच कर रही है।

गौरव हाड़ा   रिंकी पारेता

सोशल मीडिया पर प्यार भरी बातों में लोगों को फंसाते थे

पुलिस ने गिरोह का किया पर्दाफाश

धौलपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। धौलपुर के बसेड़ी थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर एक युवक को फंसा उसे धौलपुर बुलाकर अपहरण कर परिजनों से दो लाख रुपए ऐंठने के मामले का पर्दाफाश करते हुए गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इसमें आरोपित महिला भी शामिल है, जो प्यार भरी बातें कर लोगों को फंसाती थी। संबंधित के उनके चंगुल में फंस जाने पर गिरोह के लोग मुकदमा दर्ज कराने की धमकी देकर रुपए ऐंठते थे।

थाना प्रभारी बृजेश कुमार मीना ने बताया कि 31 दिसम्बर को बसेड़ी पोखरा मोहल्ला निवासी सचिन सिंघल पुत्र मुरारीलाल सिंघल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया कि उसके सोशल मीडिया एकाउंट पर गत 21 दिसम्बर को रिक्यूस्ट आई जो उसने असेप्ट कर ली। वीडियो कॉल के जरिए एक लड़की ने बात करना शुरू कर दिया। उसने 29 दिसम्बर को धौलपुर मिलने बुलाया। वह बातों में आकर किराये की कार लेकर उससे मिलने धौलपुर बस स्टैण्ड स्थित एक होटल में पहुंच गए। कुछ देर बाद वह होटल के निकल कर बाहर आ गए। इस बीच उसके साथी आ गए और उसे पकड़ कर ले गए। इन्होंने उससे 4 लाख रुपए मांगे और नहीं देने पर पुलिस में बलात्कार का मामला दर्ज कराने की धमकी दी। जिस पर उसने अपने भाई शुभम को फोन कर दो लाख रुपए मंगाए। राशि देने पर उन्होंने उसे छोड़ दिया। पुलिस ने प्रकरण की जांच करते हुए मुखबिर की सूचना पर आरोपित महिला निक्की पुत्री संजय जाटव निवासी धर्मशाला वाली गली थाना सदर आगरा, प्रहलाद पुत्र द्वारिका जाटव निवासी खैरारी थाना कंचनपुर, पंकज पुत्र जयसिंह जाटव निवासी बुद्धा का पुरा थाना कंचनपुर, हजारी पुत्र हरी सिंह कुशवाह निवासी विदरपुर थाना कंचनपुर तथा मोनू पुत्र संतोष धोबी निवासी बसेड़ी को गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से वारदात में उपयुक्त दो बाइक और राशि को जब्त किया है। पूछताछ करने पर पूरा मामला हनी ट्रेप का निकला।

पूछताछ में सामने आया कि इन्होंने गिरोह बना रखा था। ये लोग सोशल मीडिया के जरिए लोगों को कॉल करते थे। इसके बाद लड़की प्यार भरी बातें कर लोगों को अपने चंगुल में फंसाती थी। इसके बाद ये लोग इन्हें बताए स्थान पर बुलाते थे और फिर लोगों को बलात्कार के मामले में फंसाने की धमकी देकर मोटी रकम ऐंठते थे। पुलिस ने आरोपितों को कोर्ट में पेश कर रिमाण्ड पर लिया है।

ट्रक बन गए काल, तीन युवकों की गई जान

जयपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में दो अलग-अलग हादसों में तीन युवकों की मौत हो गई। पहला हादसा झालाना स्थित अरण्य भवन के पास हुआ। वहीं, दूसरा हादसा महलां में जयपुर-अजमेर हाईवे पर हुआ। दोनों ही हादसों में ट्रक की टक्कर से कार बुरी तरह चकनाचूर हो गई। युवकों की मौत से नए साल की खुशियां भी मातम में बदल गई।

झालाना स्थित अरण्य भवन के पास ओवरटेक करते समय एसयूवी ट्रक से टकरा गई। हादसे में एसयूवी सवार एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसे का शिकार गोविंद शर्मा (25) यशोदा नगर अहमदाबाद (गुजरात) का रहने वाला था। वह मानसरोवर निवासी मौसा अशोक के पास रहता था। वह मंगलवार रात 12.15 बजे दोस्तों प्रीतम व एक अन्य को छोड़ने अरण्य भवन से ट्रांसपोर्ट नगर जा रहा था। आगे ट्रक चल रहा था। ओवरटेक करते समय एसयूवी ट्रक से टकरा गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों दोस्तों को एसएमएस ट्रोमा सेंटर में भिजवाया जहां उपचार के दौरान गोविन्द की मौत हो गई। जबकि प्रीतम और दूसरे साथी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। गोविंद जल्द ही होटल शुरू करने वाला था। लेकिन उससे पहले ही हादसे का शिकार हो गया।

महलां में दो युवकों की मौत

महलां में जयपुर-अजमेर हाईवे पर मंगलवार रात ठीकरिया टोल के समीप हादसे में महलां निवासी दो युवकों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार ठीकरिया टोल के पास तेज गति में आ रहे ट्रक ने एक कार को चपेट में ले लिया।

इससे कार सवार गुरविंदर सिंह राजावत (41) एवं राजेश जैन (35) निवासी महलां की मौत हो गई। दोनों महलां से जयपुर जा रहे थे। हादसे में कार का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से भाग निकला। हादसे का शिकार गुरविंदर सिंह के दो पुत्र हैं वहीं राजेश जैन अविवाहित है।

इधर, नहीं हुई शिनाख्त

कालवाड़ थाना क्षेत्र के हाथोज में दुर्घटना का शिकार हुए युवक की चौथे दिन भी शिनाख्त नहीं हो पाई। पुलिस ने बताया कि हाथोज में दुर्घटना में 32 वर्ष के युवक की मौत हो गई थी लेकिन उसकी अभी तक शिनाख्त नहीं हो पाई, उसका शव कांवटिया अस्पताल

ख्वाजा गरीब नवाज का 813वां उर्स-राजनेताओं- बॉलीवुड की चादर पेश

जम्मू-कश्मीर के सीएम बोले, उम्मीद है- पीएम किसी के दबाव में नहीं आएंगे, दरगाह पर चादर भेजने की परंपरा जारी रखेंगे

अजमेर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। ख्वाजा गरीब नवाज का 813वां उर्स शुरू हो गया है। राजनेताओं और बॉलीवुड की तरफ से आज दरगाह में चादर पेश की गई। इससे पहले बुधवार रात को चांद दिखने पर तोप के गोले दाग कर उर्स का ऐलान किया गया। शादियाने और नगाड़े बजाए गए। जायरीनों ने एक-दूसरे को गले मिलकर उर्स की मुबारकबाद दी। दरगाह दीवान सैयद जैनुल आबेदीन अली खान की सदारत में पहली महफिल की गई। मजार शरीफ को पहला गुस्ल दिया गया। वहीं पीएम मोदी की तरफ से केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू 4 जनवरी को चादर पेश कर सकते हैं। इस बीच जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा- ख्वाजा गरीब नवाज से कई समुदायों की भावना जुड़ी हुई है।

उम्मीद है- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसी भी दबाव के आगे नहीं झुकेंगे और अजमेर दरगाह पर चादर भेजने की परंपरा जारी रखेंगे। अजमेर दरगाह में सिर्फ एक धर्म के लोग ही नहीं जाते हैं। ख्वाजा गरीब नवाज से कई समुदायों की भावना जुड़ी हुई है। उर्स की शुरुआत के साथ देशभर से दरगाह में पेश करने चादर लाई जा रही है। आज केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार के अलावा बॉलीवुड की चादर को पेश किया गया। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की चादर आज जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद साबिर खान लेकर पहुंचे। चादर पेश करने के बाद चिराग पासवान का बुलंद दरवाजे पर संदेश पढ़ा गया, जिसमें लिखा था-

हमारे देश हिन्दुस्तान में ऐसे कई तीर्थ स्थान है, जहां हर धर्म और जाति के लोग आस्था के साथ आते हैं। ऐसा एक तीर्थ स्थान हजरत ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती रहमतुल्ला अलैह की दरगाह अजमेर शरीफ में है। अनेक सूफी संतों, पीरों और फकीरों ने समय-समय पर हिन्दुस्तान को शांति, एकता, प्रेम और आपसी भाईचारे का पाठ पढ़ाया है। ईसानियत के प्रति हजरत ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती रहमतुल्लाह अलैह की सेवा आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। इस महान सूफी के 813वें वार्षिक उर्स के अवसर पर दरगाह अजमेर शरीफ पर चादर और फूल भेजकर मैं उनके प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित करता हूं। अपने देश की खुशहाली और अमन चैन की दुआ मांगता हूं।

बॉलीवुड की तरफ से चादर पेश

बॉलीवुड की तरफ से अभिनेता सुबोध गुलाटी, सुमेर पसरीचा और शालीन मल्होत्रा चादर लेकर पहुंचे थे। वे दरगाह के निजाम गेट से के जुलूस के साथ चादर को ख्वाजा के दरबार तक लेकर गए। चादर पेश करते हुए बॉलीवुड के लिए दुआ मांगी गई। खादिम सैयद कुतुबुद्दीन सखी ने चादर पेश की। उन्होंने बताया- बॉलीवुड कलाकारों ने ख्वाजा गरीब नवाज से देश और फिल्म इंडस्ट्री की तरक्की की दुआ मांगी।

इंद्रेश कुमार की चादर पेश

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार की तरफ से दरगाह में मखमली चादर और अकीदत के फूल पेश कर देश में अमन-चैन की दुआ मांगी। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के डेलिगेशन चादर लेकर अजमेर पहुंचा था। चादर पेश करने के बाद बुलंद दरवाजे पर संदेश पढ़ा गया।

बड़े पीर साहब की पहाड़ी से तोप के गोले दागे

शहर काजी मौलाना तौसीफ अहमद सिद्दीकी और कमेटी के सदस्यों ने रात को बैठक की थी। कमेटी ने बैठक में रजब का चांद दिखाई देने का ऐलान किया था।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर भीषण हादसा

ट्रेलर की टक्कर से स्लीपर बस में मची चीख पुकार

दौसा, 2 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। दौसा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर आज सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। ट्रेलर की टक्कर के बाद सवारियों से भरी स्लीपर कोच बस में चीख पुकार मच गई। जानकारी के मुताबिक हादसा आज सुबह करीब 5.30 बजे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर लाहड़ी का बास के समीप हुआ। हादसे में 25 यात्री घायल हो गए। जिन्हें दौसा जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां से पांच लोगों को गंभीर हालत में जयपुर रैफर कर दिया। राजावतान थाना पुलिस के मुताबिक स्लीपर बस में सवार यात्री उज्जैन में महाकालेश्वर के दर्शन करने के बाद दिल्ली लौट रहे थे। तभी नांगल राजावतान थाना इलाके में लाहड़ी का बास के पास ट्रेलर और बस में भिड़ंत हो गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि कोहरे के वजह से हादसा हुआ। हालांकि, पुलिस जांच में जुटी हुई है।

हादसा सुबह करीब 5.30 बजे उस वक्त हुआ जब अधिकतर सवारियां गहरी नींद में थीं। अचानक तेज धमाके के बाद नींद खुली तो खुद को लहूलुहान हालत में देख घबरा गए। हादसे के बाद यात्रियों में चीख पुकार मच गई।

25 घायलों में से 5 की हालत गंभीर

स्थानीय लोगों की सूचना पर राजावतान थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से लोगों को बस से बाहर निकाला। इसके बाद पांच एंबुलेंसों से सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां से 5 लोगों को गंभीर हालत में जयपुर रैफर कर दिया। वहीं, एक साथ बड़ी संख्या में घायल आने के बाद

हादसे के बाद एक्सप्रेस वे पर जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे खड़ा करवाया। इसके बाद यातायात सुचारू करवाया गया है।

होटल में चल रही थी रेव पार्टी

13 युवतियों सहित 40 गिरफ्तार

स्पेशल पुलिस ने मारा छापा

उदयपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। उदयपुर पुलिस ने शहर के एक होटल में छापामार कार्रवाई की है।

होटल में रेव पार्टी चल रही थी और नशा भी परोसा जा रहा था। कार्रवाई में पुलिस ने 13 युवतियों सहित 40 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें आयोजनकर्ता भी शामिल है।

सूत्रों के अनुसार प्रताप नगर थाना पुलिस को सूचना मिली कि थाना क्षेत्र में होटल केशर विला में अवैध तौर पर युवक और युवतियां रेव पार्टी कर रहे हैं। पार्टी में नशीले पदार्थों का भी सेवन किया जा रहा है। इस पर पुलिस ने रात में ही होटल में दबिश दी और कार्रवाई करते हुए 13 युवतियों सहित 40 जनों को गिरफ्तार किया है।

युवतियों को बुलाया गया था वेश्यावृत्ति के लिए

रेव पार्टी में पकड़ी गई युवतियों को आयोजनकर्ताओं द्वारा वेश्यावृत्ति के लिए बुलाया गया था। जब पुलिस ने छापा मारा तब पार्टी में शामिल होने आए लोग युवतियों पर नोट उछाल रहे थे और नशे में डूबे हुए थे।

कॉलेज लेक्चरर की पत्नी के दो टुकड़े हुए

भाई के सामने धड़ से अलग हुआ सिर; चारा काटने वाली मशीन में आई चुन्नी

गोविंदगढ़, 2 जनवरी (एजेंसियां) जयपुर में चारा काटने वाली मशीन में कॉलेज लेक्चरर की पत्नी के दो टुकड़े हो गए। महिला की चुन्नी मशीन के चक्के में फंस गई और सिर धड़ से अलग हो गया। महिला नानी की मौत पर शोक जताने ननिहाल आई थी। हादसा गोविंदगढ़ के निंदोला गांव में 1 जनवरी की शाम 6 बजे का है।

थानाधिकारी हेमराज सिंह गुर्जर ने बताया कि मंजू देवी (35) 31 दिसंबर (मंगलवार) को नानी की मौत होने पर शोक में शामिल होने ननिहाल आई थी। मंजू देवी का ससुराल अरनिया (श्रीमाधोपुर) और पीहर देवथला (गोविंदगढ़) में है। 23 दिसंबर को निंदोला गांव में रहने वाली मंजू देवी की नानी की मौत हो गई थी।

महिला का पति बद्री प्रसाद यादव (37) मंजू देवी को 31 दिसंबर को नानी के घर निंदोला गांव छोड़कर गया था। इसके बाद वे ड्यूटी पर उदयपुर चले गए थे। बद्री प्रसाद यादव समारावता (उदयपुर) स्थित गवर्नमेंट कॉलेज में लेक्चरर है।

1 जनवरी को शाम को मंजू और उसका ममेरा भाई अनुराग मशीन से चारा काट रहे थे।अनुराग ने बताया कि वह सरसों की पुली को आगे खिसका रहा था। मंजू नीचे से सरसों की पुली (चारा) उठाकर दे रही थी। इस दौरान वह इंजन के ज्यादा करीब चली गई। नीचे झुकते ही इंजन के चक्के में उसकी चुन्नी चली गई। चक्के की स्पीड इतनी तेज थी कि हादसे के बारे में कुछ समझ नहीं पाया।

अनुराग ने बताया कि इंजन के पास ही पत्थर रखा हुआ था। कपड़ा इंजन के चक्के में फंसने के बाद बहन (मंजू) की गर्दन पत्थर से टकराकर धड़ से अलग हो गई। हादसे के बाद में कुछ समझ ही नहीं पाया कि करना क्या है। बहन का सिर और धड़ दोनों अलग-अलग पड़े थे। मैं चिल्लाया और इंजन को बंद किया। बहन की मौके पर ही मौत हो चुकी थी।

साल 2008 में मंजू की शादी बद्री प्रसाद यादव के साथ हुई थी। मंजू के 12 साल का बेटा यश और 10 साल की बेटी काव्या है। मंजू दोनों बच्चों को ससुराल ही छोड़कर अपने मामा के यहां आई थी।

हृदय संबंधी आपात स्थितियों से निपटने में अप्रभावी हैं स्टेशन

मेट्रो और आरटीसी बस टर्मिनल पर नहीं है कोई व्यवस्था

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में मेट्रो स्टेशन और आरटीसी बस टर्मिनल फिलहाल हृदय संबंधी आपात स्थितियों से निपटने में अप्रभावी हैं। इन सार्वजनिक स्थानों पर रोजाना लाखों यात्री आते-जाते हैं, इसलिए इन्हें 'हृदय-आपातकालीन संवेदनशील' बनाने की जरूरत है, ताकि किसी भी तरह की हृदय संबंधी आपात स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

हृदय-आपातकालीन संवेदनशील सार्वजनिक स्थान के रूप में कोच्चि मेट्रो के उदाहरण का अनुसरण करते हुए, हैदराबाद के वरिष्ठ आपातकालीन हृदय पुनर्जीवन विशेषज्ञ, डॉ.बी. विजय राव ने शहर में मेट्रो और रेलवे स्टेशनों, जेबीएस और एमजीबीएस जैसे बस टर्मिनलों सहित प्रमुख सार्वजनिक स्थानों को हृदय संबंधी आपात स्थितियों से निपटने के लिए इसी तरह सुसज्जित और तैयार किए जाने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया है।

सार्वजनिक स्थानों को हृदय-आपातकालीन स्थिति के लिए उत्तरदायी बनाने के लिए उन्हें स्वचालित बाह्य डिफाइब्रिलेटर (ए.ई.डी.) से सुसज्जित करने तथा प्रशिक्षित कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने की आवश्यकता है, जो उपकरण को संभाल सकें तथा हृदयाघात के दौरान जीवन बचाने के लिए कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सी.पी.आर.) का तुरंत उपयोग कर सकें।

सर्दी चरम पर, न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री सेल्सियस तक

कुमराम भीम आसिफाबाद/आदिलाबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमराम भीम आसिफाबाद और आदिलाबाद दोनों जिलों के कुछ हिस्सों में गुरुवार को न्यूनतम तापमान में काफी गिरावट देखी गई।

सिरपुर (यू) मंडल केंद्र में तेलंगाना में सबसे कम न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि तिरयानी मंडल के गिन्नधरी गांव में 8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। आदिलाबाद ग्रामीण मंडल में न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बेला मंडल मुख्यालय में न्यूनतम तापमान 8.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भीमपुर मंडल के अरली (टी) गांव में न्यूनतम तापमान 9.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मेडिकल कॉलेज के छात्रों ने किया प्रदर्शन

बेहतर सुविधा और फैकल्टी की मांग

कुमराम भीम आसिफाबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी मेडिकल कॉलेज के छात्रों ने गुरुवार को बुनियादी सुविधाओं और शिक्षण स्टाफ की मांग को लेकर संस्थान के सामने धरना दिया। कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे छात्रों ने मांगों की तख्तियां लेकर कक्षाओं का बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन किया। वे एक प्रयोगशाला, शव (प्रैक्टिकल के लिए शव), छात्रावास, स्वच्छता, कैंटीन और कॉलेज से शहर तक परिवहन सुविधाओं की मांग कर रहे थे। उन्होंने पाठ्यक्रम के विभिन्न विषयों को पढ़ाने के लिए प्रयोगशाला तकनीशियनों और पर्याप्त सहायक और एसोसिएट प्रोफेसरों की भर्ती की भी मांग की।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों की कमी के कारण वे विषय को समझने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान में कई चुनौतियों के कारण उन्हें एमबीबीएस की पढ़ाई करने में असुविधा हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉलेज के प्रिंसिपल समस्याओं के समाधान में लापरवाही बरत रहे हैं। बाद में उन्होंने कलेक्टर वेंकटेश दोथरे को एक ज्ञापन सौंपकर कॉलेज की चुनौतियों के समाधान में हस्तक्षेप करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कलेक्टर ने उन्हें बुनियादी सुविधाओं में सुधार करने और प्रोफेसरों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया था। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने पहले भी इस मुद्दे को प्रिंसिपल के संज्ञान में लाया था। कॉलेज को 2022 में 54 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से मंजूरी दी गई थी। इसे आसिफाबाद शहर के पास अंकुशपुर गांव के बाहरी इलाके में स्थापित किया गया था। एमबीबीएस में प्रवेश 2023 में शुरू होगा।

मजदूरों को ले जा रहा मिनी ट्रक पलटा, 20 घायल

मेदक, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चिन्ना गोट्टीमुक्कला में गुरुवार को कृषि मजदूरों को ले जा रहा एक मिनी ट्रक पलट जाने से 20 लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि सड़क दुर्घटना का कारण तेज गति से गाड़ी चलाना है। स्थानीय लोगों ने घायलों को नरसापुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। इनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि वे खेत पर काम करने के लिए गुम्माडीडाला जा रहे थे। मामला दर्ज कर लिया गया है।

मंदिर की पवित्र घंटियां चुराने के आरोप में 2 गिरफ्तार

निर्मल, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंदिर से प्रसाद और पवित्र घंटियां चुराने के आरोप में गिरफ्तार किए गए 2 लोगों ने नए साल के जश्न के लिए यह अपराध करने की बात कबूल की है। गुरुवार को भैंसा कस्बे में मीडियाकर्मियों के सामने उन्हें पेश किया गया। गिरफ्तारी की विस्तृत जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. जानकी शर्मिला ने बताया कि चुंचुं गांव के विशाल और उसके दोस्त संघ राथन को मंगलवार को गांव में नाग देवता के प्रसाद और घंटियां चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने चोरी के मामले को 48 घंटे के भीतर सुलझा लिया। पूछताछ में विशाल और रतन ने माना कि उन्होंने नए साल के मौके पर पार्टी करने के लिए घंटियां बेचने से मिले पैसे और चढ़ावे का इस्तेमाल किया था। उन्होंने बताया कि मंदिर की हुंडियों से पैसे नहीं मिलने पर उन्होंने घंटियां चुराईं। भैंसा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उन्होंने अपराधियों की पहचान के लिए कस्बे में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। शर्मिला ने आरोपियों को शीघ्र पकड़ने के लिए भैंसा एएसपी अविनाश कुमार और इंस्पेक्टर गोपीनाथ और उनकी टीम की सराहना की।

यदाद्री पावर प्लांट के दो इंजीनियर डूबे

नलगोंडा, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यदाद्री थर्मल पावर स्टेशन के कर्मचारी होने का संदेह वाले दो युवक गुरुवार को मिर्यालगुडा मंडल के ऐलापुरम में नागार्जुन सागर बायीं नहर में डूब गए। मिर्यालगुडा ग्रामीण पुलिस ने खोज अभियान के तहत गोताखोरों को लगाया है। नहर में डूबे लोगों की पहचान इंजीनियर कार्तिक मिश्रा और विजय गोस्वामी के रूप में हुई है, जो पिछले छह महीनों से पावर प्लांट में काम कर रहे थे। वे कथित तौर पर मिर्यालगुडा शहर के रविंदर नगर में रहते थे।

हैदराबाद में शीतलहर, तापमान में गिरावट-बाहरी इलाकों में कोहरा

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और तेलंगाना राज्य के कुछ हिस्सों में शीतलहर जैसी स्थिति पैदा हो गई है, जिससे न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट आई और गुरुवार तड़के व्यापक कोहरा छाया रहा। हैदराबाद में, हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) परिसर गाच्चीबोवली में सबसे कम 11 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जबकि कोमाराम भीम आसिफाबाद जिले के सिरपुर में गुरुवार सुबह 7.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। तापमान में काफी गिरावट आने के कारण गुरुवार को कई स्थानों, विशेषकर हैदराबाद के बाहरी इलाकों कोमपल्ली, पाटनचेरु, एलबी नगर और वनस्थलीपुरम में घना कोहरा छाया रहा।

तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसाइटी (टीएसडीपीएस) के मौसम संबंधी आंकड़ों के आधार पर, हैदराबाद के कई क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान, जो पिछले कुछ दिनों तक 15 डिग्री सेल्सियस और 19 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता था, अब 15 डिग्री सेल्सियस से भी कम हो गया है। मौला अली में न्यूनतम तापमान 12.1 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जबकि राजेंद्रनगर में न्यूनतम तापमान 12.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

राज्य स्तर पर, एकल अंक न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री सेल्सियस से 9.9 डिग्री सेल्सियस के बीच कोमाराम भीम आसिफाबाद, संगारेड्डी और आदिलाबाद जिलों में रहा। आसिफाबाद के एक अन्य मंडल, तिरयानी में न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि संगारेड्डी जिले के कोहिर में न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

गौरी शंकर राव नरमसेट्टी ने अतिरिक्त प्रभार संभाला

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्रालय, रक्षा उत्पादन विभाग ने गौरी शंकर राव नरमसेट्टी, निदेशक (वित्त) और सीएफओ, मिधानि को प्रभारी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। वे 1 जनवरी, 2025 से प्रारंभिक अवधि तीन (3) महीने के लिए या नियमित पदाधिकारी के पद भार ग्रहण करने तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो कार्यभार संभालेंगे। श्री नरमसेट्टी पेशे से एक चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। उन्होंने वर्ष 2020 में निदेशक (वित्त) के पद पर मिधानि में कार्यभार ग्रहण का था। उन्हें 35 वर्षों से अधिक का कार्य अनुभव है।

आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार ने ईडी के समक्ष पेश होने के लिए समय मांगा

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यह सर्वविदित तथ्य है कि ईडी ने पूर्व मंत्री केटी रामाराव, एचएमडीए के पूर्व मुख्य अभियंता बीएलएन रेड्डी और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार को नोटिस जारी कर फॉर्मूला ई-कार रेसिंग मामले में पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा है। आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार को 3 जनवरी को ईडी के समक्ष पेश होना है। हालांकि, उन्होंने जांच के संबंध में ईडी को एक पत्र लिखा है।

पत्र में अरविंद कुमार ने कहा है कि वह मंगलवार को पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं हो पाएंगे। आईएएस अधिकारी ने पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए कुछ समय मांगा है। इस बीच, पूर्व एचएमडीए मुख्य अभियंता बीएलएन रेड्डी को इसी मामले के संबंध में सोमवार को ईडी के समक्ष उपस्थित होना है। हालांकि, वह पूछताछ के लिए ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। बीएलएन रेड्डी ने फॉर्मूला ई-कार रेस मामले की जांच कर रहे संयुक्त निदेशक को मेल किया था। उन्होंने पूछताछ के लिए आने के लिए और समय मांगा। ईडी अधिकारियों ने बीएलएन रेड्डी के मेल का सकारात्मक जवाब दिया। ईडी अधिकारियों ने बीएलएन रेड्डी से कहा कि वे उन्हें बताएंगे कि वह पूछताछ के लिए कब वापस आएंगे।

वन अधिकारियों ने पकड़े गए बाघ पर जताई चिंता, जंगल में रहता तो परिवार बढ़ता

नियमित अंतराल पर एक मादा बाघ से मिलता था

कुमराम भीम आसिफाबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के वन अधिकारी इस बात को लेकर संशय में हैं कि मंगलवार को महाराष्ट्र के अधिकारियों द्वारा एक नर बाघ को क्यों पकड़ा गया? एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने कहा कि हमें समझ में नहीं आ रहा है कि बाघ को क्यों पकड़ा गया? यह कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों के जंगलों में भटकता रहता था और इस क्षेत्र में नियमित अंतराल पर एक मादा बाघ से मिलता था। हमें उम्मीद थी कि दोनों यहां एक परिवार बनाएंगे, जिससे यहां बाघों की आबादी बढ़ने में मदद मिलेगी।

संयोग से, महाराष्ट्र के वन अधिकारियों ने मंगलवार रात राजुरा तालुका के अंतर्गत मकुडी ब्लॉक के एंथरागांव गांव में बाघ को पकड़ने के बाद तेलंगाना के अपने समकक्षों को सूचित किया। अधिकारी ने खुलासा किया कि उन्होंने हमें पकड़ने के बाद ही सूचित किया। हमें यकीन नहीं है कि यह निर्णय क्यों लिया गया? वे हर दिन सीमाओं पर बाघों की आवाजाही के बारे में जानकारी साझा कर रहे थे।

महाराष्ट्र के वन अधिकारियों ने हाल ही में विरुर के जंगलों में जंगू राम अथराम और लालूबाई अर्जुन अथराम को मारने समय बाघ को पकड़ लिया था। संदेह है कि इसी बाघ ने 29 नवंबर को कागजनगर मंडल के ईसगांव गांव में मोरले लक्ष्मी (21) को मार डाला था और 30 नवंबर को सिरपुर (टी) मंडल के डुब्बागुडेम गांव में राउथु सुरेश पर हमला किया था।

हालांकि, यहां के वन अधिकारियों का मानना है कि स्थानीय लोगों द्वारा पीछा किए जाने के बाद बाघ को लक्ष्मी को मारने के लिए उकसाया गया था। उन्होंने तर्क दिया कि अगर बाघ नरभक्षी होता तो वह लक्ष्मी के शव को झाड़ियों में घसीटता। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि स्थानीय लोगों द्वारा उसका पीछा किए जाने से वह चिढ़ गया हो, जो उसकी तस्वीरें और वीडियो लेने के प्रयास में दो दिशाओं से उसका पीछा कर रहे थे।

बाघ के पकड़े जाने पर असंतोष जताते हुए उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के वन अधिकारियों के अपने नियम हैं। उन्होंने बताया कि पड़ोसी राज्य चंद्रपुर जिले के ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व से कम से कम तीन बाघ इस सर्दी में प्रजनन के लिए साथी और क्षेत्र की तलाश में महाराष्ट्र और तेलंगाना के बीच काफी समय से चक्कर लगा रहे थे।

वर्तमान में, कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के जंगलों में लगभग 11 स्थानीय बाघ और 3 प्रवासी बाघ निवास कर रहे हैं। उनमें से कुछ इलाके और साथियों की तलाश में मंचेरियल जिले के जंगलों में प्रवेश करते हैं। कम से कम दो बाघ मंचेरियल जिले के जंगलों में निवास कर रहे हैं।

10वीं कक्षा के छात्र ने की आत्महत्या

लड़की के परिजनों की पिटाई से उठाया कदम

राजन्ना सिरसिल्ला, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक लड़की के परिवार के सदस्यों द्वारा पिटाई से परेशान होकर, 10वीं कक्षा के छात्र चिंताकिंडी शिव किशोर (16) की कथित तौर पर गंभीरावपेट मंडल के भीमुनि मल्लारेड्डी में आत्महत्या कर ली गई। वह अपने घर की छत से लटका हुआ पाया गया। ग्रामीणों के अनुसार, स्थानीय सरकारी हाई स्कूल में 10वीं कक्षा में पढ़ने वाले शिव किशोर ने उसी गांव की एक लड़की को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं, जो उसकी सहपाठी भी थी। हालांकि, इससे गुस्साए लड़की के परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों ने बुधवार दोपहर युवक पर हमला कर दिया और उसकी बुरी तरह पिटाई कर दी। पिटाई से क्षुब्ध होकर उसने बुधवार रात अपने घर में फांसी लगा ली। मौत की खबर सुनकर लड़की के परिजन और रिश्तेदार फरार हो गए हैं। ग्रामीणों ने मांग की कि पुलिस शिव किशोर की मौत के लिए जिम्मेदार लड़की के परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे। गंभीरावपेट पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

भालू ने चरवाहे पर किया हमला

राजन्ना-सिरसिल्ला, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को येल्लारेड्डीपेट मंडल के गुट्टापल्ली चेरुवु थांडा में एक भालू के हमले में एक चरवाहा घायल हो गया। भुक्या नरेश अपनी भेड़ों को चराने के लिए पास के जंगल में ले गया था। झाड़ियों में छिपे भालू ने अचानक नरेश पर हमला कर दिया। नरेश के बाएं हाथ पर चोट आई है। स्थानीय लोगों ने उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज किया गया।

24 दिन से चल रही कर्मचारियों की हड़ताल

विभिन्न मांगों को लेकर कर रहे प्रदर्शन

जोगुलम्बा गदवाल, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल पिछले 24 दिनों से जारी है। एसएसए कर्मचारी अपनी सेवाओं को नियमित करने, वेतनमान में वृद्धि और अन्य मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। गुरुवार को एसएसए कर्मचारियों ने अपनी हड़ताल और तेज कर दी, जिसमें पुरुष और महिलाएं शामिल थीं। उन्होंने 'वंता वरपु' कार्यक्रम चलाया, जिसमें एसएसए कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से सड़क पर खाना पकाया।

नारे लगाते हुए एसएसए कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से विधानसभा चुनाव से पहले उनसे किए गए वादों को पूरा करने की अपील की। एसएसए कर्मचारियों ने कांग्रेस मंत्रियों और नेताओं के मुखौटे पहनकर नारायणपेट में एक अनूठा विरोध प्रदर्शन किया। वे जिले में पिछले 22 दिनों से अलग-अलग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। एसएसए कर्मचारियों ने गुरुवार को हाथों में तख्तियां लेकर और नारे लगाते हुए मुख्यमंत्री, बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर और सरकार के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी और अन्य के मुखौटे पहनकर एक रैली निकाली।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से 40 वर्षीय महिला की मौत

नागरकर्नूल, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में गुरुवार को एक भीषण दुर्घटना में एक 40 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जब उसे तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। मृतक की पहचान लक्ष्मम्मा के रूप में हुई है। यह घटना मुदुगु में हुई, जब एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे चल रही लक्ष्मम्मा को टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद कार का नियंत्रण खो गया और वह तीन बार पलट गई। रिपोर्ट के अनुसार, कार चालक को भी गंभीर चोटें आई हैं। दुर्घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में कार पलटती हुई दिखाई दे रही है और महिला को टक्कर मारती है, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो जाती है।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

संगारेड्डी। गुरुवार को अलमाईपेट में एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया, जब उनका दोपहिया वाहन सड़क के डिवाइडर से टकरा गया। पुलिस के अनुसार, मोहम्मद वाजिद और मोहम्मद पाशा (25) कुछ सामान खरीदने के लिए जोगीपेट शहर गए थे। घर लौटते समय वे दुर्घटना का शिकार हो गए। दोनों को गंभीर चोटें आईं और एक घंटे बाद पाशा की मौत हो गई, जबकि वाजिद को संगारेड्डी के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष चल रहा है। मामला दर्ज कर लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने अर्जुन पुरस्कार के लिए चुने जाने पर दीप्ति को बधाई दी

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंथ रेड्डी ने पैरालिंपिक में भारत के लिए कांस्य पदक जीतने वाली तेलंगाना की युवा एथलीट और वारंगल जिले की लाडली दीप्ति जीवनजी को अर्जुन पुरस्कार 2024 के लिए चुने जाने पर बधाई दी है। अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवा एथलीटों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की खेल नीति के तहत, मुख्यमंत्री पहले ही 1 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार और कोच नागपुरी रमेश को 10 लाख रुपये प्रदान कर चुके हैं। साथ ही, ज्ञात हो कि दीप्ति को ग्रुप-2 की सरकारी नौकरी और वारंगल में 500 गज का भूखंड आवंटित किया गया है। इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना के युवा एथलीटों को और अधिक उत्कृष्ट प्रदर्शन करना चाहिए, और खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य भर में यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी और खेल परिसरों का निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुने गए गुकेश डोमराजू (शतरंज), हरमनप्रीत सिंह (हॉकी), प्रवीण कुमार (पैरा एथलेटिक्स) और मनु भाकर (निशानेबाजी) को भी बधाई दी।

एक शाम संत श्री सेवानाथजी के नाम जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कीसरा बंडलगुडा स्थित देवासी समाज मंदिर प्रांगण पर रामजी राम ग्रुप हैदराबाद तेलंगाना के तत्वावधान में बुधवार 1 जनवरी को रात्रि 9.15 बजे पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलितकर एक शाम संत श्री सेवानाथजी महाराज के नाम भव्य जागरण एवं महाप्रसादी का आयोजन किया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति में रामजी राम ग्रुप के आयोजकों ने बताया कि हर वर्ष की भांति संत श्री सेवानाथजी महाराज के नाम एक शाम भव्य जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। रामजी राम ग्रुप के आयोजकों द्वारा मंदिर प्रांगण पर विशेष पंडाल की व्यवस्था व मंच सजाकर संत श्री सेवानाथजी महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण, पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलितकर मरुधरा के भजन गायकार प्रह्लाद देवासी खेजड़ला की मधुर आवाज मे रात्रि 9.15 बजे जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर पधारे भक्तों के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था की गयी।

अवसर पर कार्यक्रम में पधारे देवासी समाज संघ हैदराबाद-सिकंदराबाद तेलंगाना, श्री महादेव देवासी सेवा ट्रस्ट शमशाबाद, श्री देवासी समाज संस्था ट्रस्ट मेड्चल के पदाधिकारियों व सम्मानित अतिथियों का रामजीराम ग्रुप के आयोजकों द्वारा राजस्थानी साफे व शॉल से विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे रामजी राम ग्रुप के रामस्वरुप, रामू, रामदयाल, संग्राम, भरत, महेन्द्र एवं सभी कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का यूट्यूब पर सीधा प्रसारण किया गया। मंच का संचालन जगदीश लितरिया ने किया। महाआरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन हुआ।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

मनु भाकर, गुकेश, हरमनप्रीत और प्रवीण को खेल रत्न

34 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पेरिस ओलम्पिक में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास बनाने वाली युवा निशानेबाज मनु भाकर और सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश सहित चार खिलाड़ियों को देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार 'खेल रत्न' से सम्मानित किया जाएगा जबकि 32 खिलाड़ियों को 'अर्जुन' पुरस्कार प्रदान किया जाएगा. युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने गुरूवार को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2024 की घोषणा की. राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू 17 जनवरी, 2025 को सुबह 11 बजे राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में विजेताओं को सम्मानित करेंगी. मनु और गुकेश के अलावा ओलम्पिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरा एथलीट प्रवीण कुमार को खेल रत्न प्रदान किया जाएगा.

मनु ने न सिर्फ ओलंपिक 2024 के व्यक्तिगत मुकाबले में भारत का परचम लहराया बल्कि 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में सरबजोत सिंह के साथ मिलकर कांस्य पदक जीता. पेरिस ओलंपिक में मिली इस दोहरी कामयाबी ने उन्हें सफलता की नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया. शतरंज की सनसनी डी गुकेश को भी खेल रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा. \गुकेश ने पिछले महीने 12 दिसंबर को शतरंज की दुनिया का युवा वर्ल्ड चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था. सिंगापुर में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप में गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को हराकर खिताब जीता था वो महज 18 साल की उम्र में वर्ल्ड चैंपियन बने, जो कि एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है. खेल मंत्रालय ने यह घोषणा करते हुए एक बयान में कहा कि समिति की सिफारिशों और सरकार की जांच के आधार पर खिलाड़ियों, कोच, विश्वविद्यालयों को पुरस्कार देने का फैसला किया गया है.

मनु-हरमनप्रीत ने ओलंपिक, 22 वर्ष की मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बनी थीं जिन्होंने अगस्त में पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था. पेरिस ओलंपिक में ही हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारत ने लगातार दूसरे ओलंपिक में कांस्य पदक जीता. 18 वर्ष के गुकेश सबसे युवा विश्व चैंपियन बने जो पिछले साल शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीम के ऐतिहासिक स्वर्ण पदक में भी सूत्रधार रहे थे. पैरा हाई जंपर प्रवीण ने पेरिस पैरालंपिक में टी64 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था. यह उन खिलाड़ियों की श्रेणी है जिनका घुटने से नीचे एक या दोनों पैर नहीं होता है और वे दौड़ने के लिए कृत्रिम पैर पर निर्भर होते हैं.

खेल रत्न के अलावा 32 खिलाड़ियों को 2024 में खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा. इनके साथ एथलीट सुचा सिंह और पैरा तैराक मुरलीकांत राजाराम पेटकर को अर्जुन अवॉर्ड लाइफटाइम पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा. बेहतर कोचिंग देने के लिए पांच लोगों को द्रोणाचार्य पुरस्कार मिलेगा, जिसमें बैडमिंटन कोच एस मुरलीधरन और फुटबॉल कोच अरमांडो एगनेलो कोलासो को लाइफटाइम वर्ग में शामिल किया गया है.

रोहित शर्मा बाहर तो विराट कोहली पर एक्शन क्यों नहीं

इस प्रदर्शन पर प्लेइंग-11 में सिलेक्शन कैसे?

सिडनी, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सिडनी टेस्ट मैच की शुरुआत 3 जनवरी से हो रही है। इस मुकाबले से पहले भारतीय क्रिकेट टीम में बवाल मचा हुआ है। खास तौर से रोहित शर्मा को लेकर यह चर्चा तेज है कि उन्हें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के आखिरी मुकाबले से ड्रॉप किया जाएगा। टीम मैनेजमेंट अगर ऐसा करती है तो यह एक बड़ा फैसला होगा, क्योंकि रोहित शर्मा कप्तान हैं। दरअसल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित शर्मा का फॉर्म साथ नहीं दे रहा है। ऐसे में कोच गौतम गंभीर ने साफ तौर पर यह कह दिया है कि जो खिलाड़ी परफॉर्म नहीं करेगा उसकी टीम में जगह नहीं बनेगी।

इस सीरीज में रोहित शर्मा के प्रदर्शन को देखें तो यह बहुत ही खराब रहा है। रोहित भारत के लिए इस सीरीज में तीन टेस्ट मैचों में मैदान पर उतरे हैं, जिसमें इंडिया के लिए रोहित शर्मा पिछली पांच पारियों में सिर्फ 31 रन ही बना पाए हैं। इसी वजह से सिडनी टेस्ट मैच से उन्हें बाहर करने की बात जोर पकड़ रखी है। टेस्ट मैचों में रोहित शर्मा के पिछले साल के परफॉर्मेंस को देखें तो वह विराट कोहली से बेहतर है। रोहित शर्मा साल 2024 में टीम इंडिया के लिए 14 टेस्ट में 24.76 की औसत से 619 रन बनाए हैं, जिसमें उन्होंने दो शतक भी लगाए।

विराट कोहली पर एक्शन क्यों नहीं?

रोहित शर्मा को टीम से बाहर किए जाने की चर्चा के बीच अब सवाल यह उठता है कि विराट कोहली पर फिर एक्शन क्यों नहीं लिया जाए। सिर्फ रोहित ही खराब फॉर्म से नहीं गुजर रहे हैं। विराट कोहली की भी हालत इस सीरीज में काफी खराब रही है। रोहित शर्मा सिर्फ फॉर्म की वजह से रन नहीं बना पाए हैं, लेकिन विराट कोहली को इस पूरे सीरीज में अच्छी शुरुआत मिली है इसके बावजूद उन्होंने लापरवाही भरे शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाया है।

शतरंज रैंकिंग में अर्जुन चौथे, गुकेश पांचवें स्थान पर बरकरार

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी और विश्व चैंपियन डी गुकेश ने जारी शतरंज रैंकिंग में क्रमशः अपना चौथा और पांचवां स्थान बरकरार रखा है। एरिगेसी महान शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद के बाद 2800 की ईएलओ रेटिंग तक पहुंचने वाले दूसरे भारतीय और कुल 16वें खिलाड़ी बन गए हैं। वह 2801 रेटिंग अंक से चौथे स्थान पर हैं। वहीं पिछले महीने चीन के डिंग लिरेन को हराकर विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाले 18 वर्षीय गुकेश 2783 रेटिंग के साथ एरिगेसी से एक स्थान नीचे पांचवें स्थान पर हैं।

नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन 2831 रेटिंग के साथ शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं, उनके बाद फैबियानो कारूआना (2803) और हिकारू नाकामुरा (2802) की अमेरिकी जोड़ी है। आनंद शीर्ष 10 में तीसरे भारतीय हैं जो 2750 की ईएलओ रेटिंग के साथ 10वें स्थान पर हैं।

एरिगेसी, गुकेश और आनंद के अलावा छह और भारतीय शीर्ष 50 में शामिल हैं जिनमें आर प्रज्ञानानंदा (13वें), अरविंद चितंबरम (23वें), विदित गुजराती (24वें), पी हरिकृष्णा (36वें), निहाल सरीन (41वें) और रौनक साधवानी (48वें) मौजूद हैं। महिला वर्ग में हाल में महिला विश्व रैपिड शतरंज चैंपियन बनी कोनेरू हम्पी भारत का नेतृत्व का नेतृत्व कर रही हैं। हम्पी 2523 की रेटिंग के साथ छठे स्थान पर हैं जबकि चार चीनी खिलाड़ी शीर्ष पर हैं।

पूर्व विश्व चैंपियन होउ यिफान 2633 ईएलओ रेटिंग के साथ सूची में शीर्ष पर हैं, उनके बाद जू वेनजुन (2561) दूसरे, तान झोंगयी (2561) तीसरे और लेई टिंगजी (2552) चौथे स्थान पर हैं। दिव्या देशमुख 2490 की रेटिंग के साथ 14वें स्थान पर हैं जबकि द्रोणवल्ली हरिका (2489) दो स्थान पीछे 16वें स्थान पर हैं। विश्व ब्लिट्ज चैंपियनशिप के महिला वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाली आर वैशाली 2476 की रेटिंग के साथ 19वें स्थान पर हैं। जूनियर पुरुष वर्ग में गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा शीर्ष दो स्थानों पर काबिज हैं।

डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी में पहुंचे डब्ल्यूडब्ल्यूई के सितारे

ट्रिपल एच और मैकमाहोन ने की शिरकत

न्यूयॉर्क, 2 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नए साल की पार्टी में डब्ल्यूडब्ल्यूई के सितारों ने भी शिरकत की। ट्रिपल एच, लिंडा मैकमाहोन और स्टेफनी मैकमाहोन मार-ए-लागो पहुंचे। डब्ल्यूडब्ल्यूई के चीफ कंटेट अधिकारी ट्रिपल एच उनकी पत्नी स्टेफनी मैकमाहोन नजर आए। इस दौरान स्टेफनी की मां लिंडा मैकमाहोन भी मौजूद रहीं। ट्रंप ने हाल ही में घोषणा की थी कि लिंडा मैकमाहोन अमेरिका की शिक्षा मंत्री होंगी।

सोशल मीडिया पर इनकी तस्वीरें वायरल हो रही है जिसमें ट्रिपल एच, स्टेफनी ट्रंप के आवास पर नए साल के जश्न में शामिल हुए हैं। हालांकि, इस बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है कि विंसे मैकमाहोन इस दौरान उपस्थिति थे या नहीं। लिंडा मैकमाहोन ने हाल ही में पुष्टि की थी कि वह और पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई चेयरमैन आधिकारिक रूप से अलग हो चुके हैं।

विंसे मैकमाहोन ने जनवरी 2023 में डब्ल्यूडब्ल्यूई बोर्ड में वापस आने की घोषणा की थी। उनकी बेटी स्टेफनी मैकमाहोन ने कंपनी में अपनी भूमिका से इस्तीफा दे दिया था। विंसे ने इसके बाद डब्ल्यूडब्ल्यूई और टीकेओ के सभी पदों को छोड़ दिया था।

25 छक्के, 429 रन, 2025 के पहले टी20 में ही मच गया गदर

श्रीलंका की न्यूजीलैंड पर कमाल की जीत

वेलिंग्टन, 2 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड की धरती पर जब साल 2025 के पहले इंटरनेशनल मैच में गेंद और बल्ले की तकरार हुई तो जो हुआ उसे बस धमाका ही कहा जा सकता है. इस मुकाबले में हर वो चीज देखने को मिली को क्रिकेट प्रेमियों को रोमांचित कर सकती है. नतीजे पर पहुंचने से पहले श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच खेला ये मैच पूरे आखिरी ओवर की अंतिम गेंद तक चला. इस मैच में छक्कों की बारिश दिखी तो रनों का पहाड़ भी नजर आया. आखिर में श्रीलंका की टीम अपनी कमाल जीत की स्क्रिप्ट लिखने में कामयाब रही.

न्यूजीलैंड और श्रीलंका बीच 3 T20 की सीरीज के आखिरी मुकाबले में टक्कर इतनी कांटे की हुई कि जीत और हार का फासला हाई-स्कोर के बावजूद सिर्फ 7 रन का रहा. श्रीलंका ने मैच में पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 218 रन बनाए. वहीं जवाब देने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने भी अपना सबकुछ झोंक दिया मगर वो लक्ष्य से 7 रन दूर रह गए. उन्होंने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 211 रन बनाए. इस तरह दोनों टीमों के स्कोर को जोड़कर मैच में कुल 429 रन बने, जो कि दोनों टीमों के बीच खेले टी20 मैच में टोटल रनों का नया रिकॉर्ड है.

कुसल परेरा ने श्रीलंका के लिए जड़ा सबसे तेज टी20आई शतक

श्रीलंका की टीम पहले खेलते हुए 218 रन बनाने में कामयाब रही क्योंकि उसकी ओर से कुसल परेरा ने रनों की जोरदार बारिश की. उन्होंने श्रीलंका के लिए सबसे तेज टी20आई शतक जड़ने का नया रिकॉर्ड बनाया. कुसल परेरा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 45 गेंदों पर 101 रन की पारी खेली. इस दौरान उन्होंने अपना शतक 44 गेंदों पर ही पूरा किया, जिसमें 13 चौके और 4 छक्के शामिल रहे. श्रीलंका के लिए सबसे तेज टी20आई शतक जमाने के मामले में परेरा ने 2011 में दिलशान के 55 गेंदों पर जमाए शतक का रिकॉर्ड तोड़ा.

अब कुसल परेरा के विस्फोटक शतक की बदौलत श्रीलंका ने जो रन बनाए, उसका जवाब देने जब न्यूजीलैंड की टीम जब उतरी तो उधर से भी रनों की बारिश कम नहीं हुई. ओपनिंग जोड़ी ने 81 रन की धमाकेदार शुरुआत दिलाई. कीवी टीम की तरफ से किसी बल्लेबाज ने शतक भले ना लगाया लेकिन छक्कों की बारिश करने में वो श्रीलंका से एक कदम आगे रहे.

श्रीलंका ने मुकाबले में अगर 12 छक्के जड़े तो उसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम से 13 छक्के लगे. लेकिन, इसके बाद भी 25 छक्कों वाले इस मैच में आखिर में आकर न्यूजीलैंड को हार का सामना करना पड़ा.

सिडनी टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन का ऐलान

सिडनी, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला सिडनी में खेला जाएगा। 3 जनवरी से होने वाले इस मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन का ऐलान हो चुका है। आखिरी मैच से मिचेल मार्श को बाहर कर दिया गया है। जबकि सैम कोंस्टास के बाद अब ओर खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू करने के लिए तैयार है। अभी तक इस सीरीज में मिचेल मार्श का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। इस ऑलराउंडर ने बल्ले और गेंद दोनों से निराश किया था। जिसके चलते अब मार्श को सिडनी टेस्ट से बाहर कर दिया गया है।

मेलबर्न टेस्ट में युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास को ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू करते हुए देखा गया था। जिसके बाद अब सिडनी टेस्ट में ब्यू वेबस्टर ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू करने वाले हैं। ब्यू ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू करने वाले 469वें टेस्ट खिलाड़ी बन जाएंगे। वेबस्टर ने अपने पिछले तीन फर्स्ट क्लास मैचों में 12 विकेट लिए हैं, जिसमें से हाल ही में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया ए बनाम भारत ए मैच में उन्होंने 6 विकेट के साथ उन्होंने नाबाद 46 रन की पारी भी खेली थी।

मिचेल स्टार्क फिट

मेलबर्न टेस्ट के बाद रिपोर्ट सामने आ रही थी कि मिचेल स्टार्क पीठ की चोट के कारण सिडनी टेस्ट को मिस कर सकते हैं, लेकिन अब प्लेइंग इलेवन सामने आने के बाद तय हो गया है कि स्टार्क पूरी तरह से फिट हैं और खेलने के लिए तैयार हैं।

सिडनी टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन

सैम कोंस्टास, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिचेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड।

मेलबर्न हार पर खिलाड़ियों को फटकारने पर गंभीर की सफाई

कहा- हमने केवल जीत पर बात की, ड्रेसिंग रूम की बातें बाहर नहीं आनी चाहिए

सिडनी, 2 जनवरी (एजेंसियां)। सिडनी टेस्ट से पहले टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने ड्रेसिंग रूम विवाद पर बयान दिया है. उन्होंने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कोच और खिलाड़ियों के बीच की बहस ड्रेसिंग रूम में ही रहनी चाहिए. ड्रेसिंग रूम में जब तक ईमानदार लोग हैं तब तक भारतीय क्रिकेट सुरक्षित हाथों में रहेगा.

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का पांचवां और आखिरी मैच शुक्रवार (3 जनवरी) से सिडनी में खेला जाएगा. टीम इंडिया सीरीज में 1-2 से पिछड़ रही है. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए टीम इंडिया को सिडनी टेस्ट में जीत हासिल करनी होगी. हालांकि उसे श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली सीरीज के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा. श्रीलंका अगर ऑस्ट्रेलिया को 2-0 या 1-0 से हरा देता है तो टीम इंडिया का फाइनल में पहुंचने का रास्ता साफ हो जाएगा. ड्रेसिंग रूम विवाद की बात करें तो एक अंग्रेजी वेबसाइट ने खुलासा कि टीम इंडिया में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है. मेलबर्न में हार के बाद गौतम गंभीर खिलाड़ियों पर बुरी तरह भड़के थे. उनके निशाने पर सीनियर खिलाड़ी भी थे. रिपोर्ट के मुताबिक, गंभीर ने कहा था कि बहुत हो गया.

रिपोर्ट में ये भी बताया गया कि कुछ सीनियर नहीं चाहते थे कि पर्थ टेस्ट में जसप्रीत बुमराह कप्तानी करें. दोनों टीमों के बीच सीरीज का पहला टेस्ट पर्थ में ही खेला गया था. बुमराह ने उस मैच में कप्तानी की थी. रोहित शर्मा निजी कारणों से ये मुकाबला नहीं खेल पाए थे. टीम इंडिया ने मैच को अपने नाम किया था और सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई थी.

गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, कोच और खिलाड़ियों के बीच ड्रेसिंग रूम की बातें वहीं तक सीमित रहनी चाहिए. भारतीय क्रिकेट तब तक सुरक्षित हाथों में है, जब तक ड्रेसिंग रूम में ईमानदार लोग मौजूद हैं. सिर्फ एक चीज आपको टीम में रख सकती है और वो है प्रदर्शन. उन्होंने आगे कहा कि टीम पहले की भावना सबसे ज्यादा मायने रखती है. खिलाड़ी अपना पारंपरिक गेम खेल सकते हैं, लेकिन टीम स्पोर्ट्स में व्यक्तिगत खिलाड़ी सिर्फ अपना योगदान देते हैं.

पैट कमिंस नहीं, श्रीलंका दौरे पर स्टीव स्मिथ हो सकते हैं ऑस्ट्रेलिया के कप्तान

सिडनी, 2 जनवरी (एजेंसियां)। इन दिनों भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी खेली जा रही है। सीरीज का आखिरी मैच 3 जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका का दौरा करना है। इस दौरे पर ऑस्ट्रेलिया टीम को श्रीलंका के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। वहीं इस सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया के कप्तान को लेकर बड़ा अपडेट सामने आ रहा है। रिपोर्ट सामने आ रही है कि श्रीलंका के साथ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम के कप्तान पैट कमिंस नहीं होंगे।

भारत के साथ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी खत्म होने के बाद ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। वहीं कोड स्पोर्ट्स के मुताबिक श्रीलंका के साथ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम के कप्तान पैट कमिंस नहीं बल्कि स्टीव स्मिथ हो सकते हैं। हालांकि स्मिथ को क्यों कप्तान बनाया जाएगा इसकी अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

पिता बनने वाले हैं कमिंस

दरअसल ऑस्ट्रेलिया की टीम जनवरी-फरवरी में श्रीलंका का दौरा करने वाली है। इस दौरे पर दोनों टीमों के बीच 2 टेस्ट मैच खेले जाएंगे। 29 जनवरी से सीरीज का आगाज होगा, जबकि 10 फरवरी को ये सीरीज खत्म हो जाएगी। इस दौरान ही पैट कमिंस दूसरी बार पिता बन सकते हैं। जिसके चलते उनको इस सीरीज से आराम मिल सकता है।

जिसके चलते स्टीव स्मिथ को ऑस्ट्रेलिया का कप्तान बनाया जा सकता है। इससे पहले भी स्मिथ ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी कर चुके हैं। फिलहाल ये दोनों खिलाड़ी टीम इंडिया के लिए खेल रहे हैं। इस सीरीज में भारत के खिलाफ पैट कमिंस और स्टीव स्मिथ दोनों का प्रदर्शन काफी अच्छा भी रहा है।

नजमुल हुसैन शांतो ने छोड़ी कप्तानी

अचानक लिया बड़ा फैसला

ढाका, 2 जनवरी (एजेंसियां)। नजमुल हुसैन शांतो ने बांग्लादेश क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ दी है. फिलहाल शांतो ने टी20 फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ी है. ऐसी खबरें थी कि वो तीनों फॉर्मेट से कप्तानी छोड़ने वाले लेकिन फिलहाल बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने उन्हें सिर्फ टी20 कप्तानी छोड़ने के लिए मना लिया है. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि नजमुल अब टी20 टीम की कप्तानी नहीं करेंगे. नजमुल टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद से ही कप्तानी छोड़ना चाहते थे. रिपोट्र्स हैं कि उनकी जगह अब लिट्टन दास टी20 इंटरनेशनल में बांग्लादेश की टीम के नए कप्तान बन सकते हैं.

बांग्लादेश बोर्ड ने बताया कि शांतो फिलहाल टी20 की कप्तानी छोड़ रहे हैं. आने वाले कुछ समय में टी20 सीरीज नहीं है तो ऐसे में नए टी20 कप्तान का ऐलान नहीं हो रहा है. अगर नजमुल हुसैन शआंतो के साथ किसी चोट की दिक्कत नहीं हुई तो वो ही टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान होंगे. बीसीबी के अधिकारियों ने लिट्टन दास का नाम तो नहीं लिया लेकिन ये बात साफ है कि शांतो की जगह ये खिलाड़ी ही नया टी20 कप्तान होगा. हाल ही में लिट्टन की कप्तानी में बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज को टी20 सीरीज में 3-0 से हराया था.

नजमुल हुसैन शांतो ही चैंपियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश के कप्तान होंगे. ऐसी खबरें थी कि मेहदी हसन वनडे टीम के कप्तान बन सकते हैं क्योंकि वो वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट और वनडे सीरीज में टीम के स्टैंड-इन कप्तान थे. लेकिन बीसीबी ने शांतो के नाम का ऐलान कर दिया है.

बांग्लादेश के टी20 कप्तान ने तो पद छोड़ दिया है अब टीम इंडिया का टेस्ट कप्तान भी बदल सकता है. रिपोट्र्स के मुताबिक रोहित शर्मा सिडनी टेस्ट के बाद संन्यास ले सकते हैं ऐसे में टीम की फुल टाइम कप्तानी जसप्रीत बुमराह के पास आ सकती है. वैसे खबरें तो ये भी हैं कि रोहित शर्मा शायद सिडनी टेस्ट भी ना खेलें. हेड कोच गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्लेइंग इलेवन भी साफ नहीं की.साथ ही रोहित शर्मा ने स्लिप एरिया में भी फील्डिंग नहीं की है.'

सरकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना चाहिए : पोन्नम

मंत्री ने मंडल स्तरीय प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने हनमाकोंडा जिले के भीमादेवरपल्ली मंडल के मुलकानूर बालाजी गार्डन में मंडल स्तरीय प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं की बैठक में भाग लिया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि भीमदेवरपल्ली मंडल के सभी नेताओं को एकजुट होकर स्थानीय निकायों के चुनावों का सामना करना चाहिए। जो लोग चुनाव लड़ रहे हैं उन्हें लगातार लोगों के बीच में रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें गांव की पार्टी को मजबूत करने की दिशा में काम करना चाहिए। पार्टी द्वारा दिए गए कार्यक्रमों और सरकार द्वारा दी गई योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना चाहिए। मंडल के किस गांव में क्या समस्याएं हैं, यह उनके ध्यान में लाएं। अब तक मंडल के गांवों में सड़क आदि के काम पूरे हो चुके है। बाकी बचे काम भी जल्द पूरे होंगे। उन्होंने कहा कि हम चुनाव में किये गये सभी वादों पर अमल कर रहे है। बीआरएस ने अपना खजाना खाली कर दिया है और कर्ज में डूब गया है। प्रत्येक गाँव के 90 प्रतिशत घरों में 200 यूनिट मुफ्त बिजली और 500 यूनिट गैस लागू है। हम सभी महिलाओं को आरटीसी में मुफ्त यात्रा की पेशकश करते हैं। इंदिरम्मा घरों का सर्वे कराया जाएगा। 55 हजार नौकरियां भरी गईं। सरकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाया जाए। हमने एक साल में इतना कुछ किया है.. 10 साल तक उन्होंने जो किया उसकी चर्चा गांवों में होनी चाहिए। अगर विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, चिकित्सा और सिंचाई को प्राथमिकता दी जाये। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याओं को सुलझाने में सबसे आगे रहना चाहिए। हमेशा लोगों के बीच रहना चाहिए। केंद्र में बीजेपी सत्ता में है। केंद्रीय मंत्री यहां हैं। क्या हमारे मंडल के साथ कुछ किया गया? गौरवेली नहरों के लिए भूमि अधिग्रहण किया जाएगा। किसान भूमि अधिग्रहण में सहयोग करें, खेती के लिए सिंचाई का पानी मिले इसके लिए नहरों का काम पूरा किया जाए।

एमबीए प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच), एक प्रतिष्ठित संस्थान, ने वर्ष 2025-27 के लिए एमबीए कार्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जनवरी है। विश्वविद्यालय ने कहा कि केवल वे उम्मीदवार ही आवेदन करने के पात्र हैं जो आईआईएम-कलकत्ता द्वारा आयोजित कैट 2024 में शामिल हुए हैं। हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 15 जनवरी है और समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए शॉर्ट लिस्ट अलग से अधिसूचित की जाएगी। इच्छुक छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर प्रस्तावित पाठ्यक्रम, पात्रता मानदंड, निर्धारित शुल्क, आरक्षण नीति, प्रॉस्पेक्टस 2024-25 आदि की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

नए साल में स्थानीय निकाय चुनावों के लिए तैयार है राज्य

> 12 नई नगर पालिकाओं का किया गया है गठन
> दो को निगमों में किया गया है अपग्रेड

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना नए साल में राजनीतिक कार्रवाई के एक नए दौर के लिए तैयार है, क्योंकि राज्य सरकार ने स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियों में तेज़ी ला दी है, जिसकी शुरूआत जनवरी के दूसरे हफ़्ते के बाद ग्राम पंचायत चुनावों से होगी। इस चरणबद्ध चुनावी प्रक्रिया में पंचायत, एमपीटीसी, जेडपीटीसी, नगर पालिका और नगर निगमों के चुनाव शामिल होंगे। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी में, कांग्रेस सरकार ने पंचायत राज और नगरपालिका अधिनियमों में हाल ही में विधायी संशोधन पेश करके चुनाव-पूर्व प्रक्रिया को गति दी है। इनमें आरक्षण रोटेशन की अवधि को हर 10 साल से बदलकर हर पांच साल करना, यह सुनिश्चित करना कि प्रत्येक मंडल में कम से कम 5 एमपीटीसी सीटें हों, और 80 गांवों को शहरी निकायों में शामिल करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, 12 नई नगर पालिकाओं का गठन किया गया है, और दो को निगमों में अपग्रेड किया गया है, जो चुनावों से पहले महत्वपूर्ण प्रशासनिक पुनर्गठन का संकेत देता है।

इसके साथ ही, सरकार आदिलाबाद, आसिफाबाद और मुलुगु जिलों में 200 नई ग्राम पंचायतें बनाने पर विचार कर रही है। विधायकों, मंत्रियों और सांसदों के अनुरोधों के कारण नई पंचायतों के लिए प्रस्ताव आए हैं, जिन्हें एक विशेष अध्यादेश के माध्यम से मंजूरी मिलने की उम्मीद है। इन नई पंचायतों के चुनाव मौजूदा पंचायतों के साथ ही कराए जा सकते हैं, जिससे तेलंगाना में ग्राम पंचायतों की कुल संख्या 13,191 हो जाएगी। पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए आरक्षण प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित ट्रिपल-टेस्ट मानदंड का पालन करते हुए चल रही है। समर्पित बीसी आयोग राज्य के व्यापक घरेलू सर्वेक्षण से डेटा प्राप्त करने के बाद आरक्षण तैयार कर रहा है। सरकार आयोग की रिपोर्ट को चुनाव आयोग को सौंपने से पहले उसे मंजूरी देगी, जो उसके बाद चुनाव कार्यक्रम जारी करेगा।

नशीले पदार्थो के साथ एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, वेस्ट जोन टीम ने मसाब टैंक पुलिस के साथ मिलकर एक आरोपी झावर किशन गोपाल को गिरफ्तार किया, जिसके पास कोकीन और एमडीएमए जैसे अवैध मादक पदार्थ पाए गए। उसने इन ड्रग्स को नए साल की पार्टियों में बेचने के इरादे से खरीदा था।

गिरफ्तार आरोपी झावर किशन गोपाल प्लास्टिक व्यवसायी है और बंजारा हिल्स, हैदराबाद का रहने वाला है। झावर किशन गोपाल अपनी सट्टेबाजी की लत के कारण गंभीर वित्तीय संकट में फंस गया था। उसके बढ़ते कर्ज और प्लास्टिक व्यवसाय से सीमित आय के कारण वह मुश्किलों का सामना कर रहा था, जिससे उसे पैसे कमाने के लिए त्वरित और आसान तरीके खोजने पड़े। उसकी जुआ खेलने की आदत के कारण उस पर कर्ज बढ़ता गया और वित्तीय दबाव बढ़ता गया, जो उसकी वैध आय से कहीं अधिक था। समाधान के लिए गोपाल अपने दोस्तों-अनिल, वरुण और प्रमोद से प्रभावित हुआ, जिन्होंने उसे अपनी वित्तीय परेशानियों को हल करने के लिए ड्रग डीलिंग का रास्ता अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उनकी सलाह पर अमल करते हुए गोपाल ने मुंबई में रहने वाले एक नाइजीरियाई नागरिक से संपर्क किया, जो कोकीन आपूर्तिकर्ता के रूप में जाना जाता है। अवैध ड्रग व्यापार में प्रवेश करने के लिए, वह मुंबई गया और 30 ग्राम कोकीन और एमडीएमए खरीदा। गोपाल ने हैदराबाद में नए साल की पूर्व संध्या के कार्यक्रमों के दौरान ड्रग्स बेचने की योजना बनाई, ताकि अधिक पैसे वाले ग्राहकों को लक्षित करके अच्छा मुनाफा कमाया जा सके। हालांकि, उसकी योजना तब विफल हो गई जब कमिश्नर की टास्क फोर्स ने उसे रोक लिया और अन्य सामग्रियों के साथ कोकीन जब्त कर ली। इस त्वरित कार्रवाई ने त्यौहारी सीजन के दौरान अवैध पदार्थों की बिक्री को रोका और शहर में नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों से निपटने के लिए टास्क फोर्स की प्रतिबद्धता को उजागर किया। उसके कब्जे से कोकीन ड्रग 30 ग्रामऔर एमडीएमए ड्रग 6 ग्राम बरामद हुआ।

बाइक-लॉरी की टक्कर में एक की मौत

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले के परगी में गुरुवार को बाइक और लॉरी की आमने-सामने की टक्कर में 35 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। पीड़ित शांता कुमार (35) कर्नाटक का मूल निवासी था और गाच्चीबावली में एक कंपनी में काम करता था।

परिवार में किसी आपातकालीन स्थिति के कारण शांता कुमार अपने मित्र की बाइक लेकर अपने पैतृक स्थान की ओर जा रहे थे, तभी पारगी स्थित एबीएस प्लाजा पहुंचने पर एक लॉरी ने बाइक को टक्कर मार दी। वह व्यक्ति सड़क पर गिर गया और उसे चोटें आईं तथा उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

सूचना एवं नागरिक संबंध मंत्री ने डायरी का अनावरण किया

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राजस्व, आवास, सूचना एवं नागरिक संबंध मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए ईमानदारी से काम कर रही है। मंत्री ने गुरुवार को सचिवालय में अपने कार्यालय में तेलंगाना स्टेट वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन की मीडिया डायरी का अनावरण किया।

कार्यक्रम में सूचना नागरिक सम्पर्क विभाग के आयुक्त एस. हरीश, देवुलपल्ली अमर, आईजेयू के पूर्व अध्यक्ष, के. विराहत अली, टीडब्ल्यूजे के प्रदेश अध्यक्ष, के. रननारायण, टीडब्ल्यूजे के प्रदेश महासचिव, वाई. नरेंद्र रेड्डी, राष्ट्रीय सचिव, आईजेयू, के. सत्यनारायण, राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य, आईजेयू, कल्कुरी रामुलु, उप महासचिव, टीडब्ल्यूजे, के. श्रीकांत रेड्डी, सचिव, टीडब्ल्यूजे, वाईएम वेंकट रेड्डी, कोषाध्यक्ष, टीडब्ल्यूजे, ए. राजेश, बी. किरण, गौस मोहिउद्दीन, अनिल, राज्य कार्यकारिणी सदस्य, टीडब्ल्यूजे, एचयूजे। अध्यक्ष, सचिव शंकर गौड़, हामिद शौकत और अन्य ने भाग लिया।

पटनम नरेंद्र रेड्डी पुलिस के समक्ष हुए पेश

विकाराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व बीआरएस विधायक पटनम नरेंद्र रेड्डी गुरुवार को कोडंगल निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत बोमरसपेट पुलिस के समक्ष पेश हुए।

सोमवार को बोमरसपेट पुलिस ने उन्हें अक्टूबर में रोटीबांडा थांडा में कांग्रेस नेता ए शेखर पर हुए हमले के मामले में जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने के लिए नोटिस दिया था। अपने वकीलों के साथ पूर्व बीआरएस विधायक सुबह करीब 11 बजे बोमरसपेट पुलिस स्टेशन गए। वर्तमान में पूर्व बीआरएस विधायक जमानत पर बाहर हैं और उन्होंने लागचेरला मामले के सिलसिले में पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत हासिल की है।

श्रीशैलम लेफ्ट बैंक पावर हाउस में कूलिंग सिस्टम में लीकेज से चिंता बढ़ी

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के ऊर्जा ढांचे का एक महत्वपूर्ण घटक श्रीशैलम लेफ्ट बैंक पावर हाउस को अप्रत्याशित संकट का सामना करना पड़ा। पिछले कुछ दिनों में कूलिंग सिस्टम में मामूली रिसाव का पता चला था, जिससे इंजीनियरों और कर्मचारियों में चिंता पैदा हो गई थी।

ड्राफ्ट ट्यूब में से एक में एक छोटी सी दरार से उत्पन्न रिसाव के कारण पानी रिसकर टरबाइन के चारों ओर जमा हो गया था। इसे शुरू में मामूली असुविधा के रूप में खारिज कर दिया गया था, लेकिन यह संयंत्र के संचालन के लिए एक गंभीर खतरा बन गया। टरबाइन के चारों ओर पानी का निरंतर प्रवाह जंग का कारण बन सकता है और अंततः यदि समय रहते इसका समाधान नहीं किया गया तो परिचालन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए प्लांट के अधिकारियों ने समस्या का समाधान करने के लिए कदम उठाए हैं। हालांकि, अधिकारियों के बीच उचित समन्वय की कमी के कारण रिसाव को रोकने और उसकी मरम्मत करने के प्रयासों में देरी हुई। स्थिति इस तथ्य से और भी जटिल हो गई कि प्लांट पूरी क्षमता से काम कर रहा था, जिससे मरम्मत के लिए सिस्टम को बंद करना मुश्किल हो गया।

चीनी मांझा बेचने के आरोप में 22 गिरफ़्तार

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलहाट पुलिस स्टेशन, गोशामहल डिवीजन, साउथ वेस्ट ज़ोन, हैदराबाद की टीम ने मंगलहाट पुलिस स्टेशन की सीमा में प्रतिबंधित चीनी मांजा की बिक्री के बारे में विश्वसनीय जानकारी मिली थी। यह सिंथेटिक उत्पादों से बना है, जो मानव जीवन, उड़ने वाले पक्षियों, जानवरों के लिए ख़तरा हो सकता है। बीते 10 नवंबर 2024 से लेकर आज तक पीएस मंगलहाट की सीमा में मांझा और पतंग बेचने वाली दुकानों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान विभिन्न दुकानों में अलग-अलग तिथियों में गैर सिंथेटिक उत्पादों से बना प्रतिबंधित चीनी मांझा मिला। पुलिस ने अब तक 22 संबंधित आरोपियों के खिलाफ कुल 18 मामले दर्ज किए हैं, साथ ही संबंधित आरोपियों के कब्जे से सिंथेटिक उत्पादों/गैर-जैव विघटनीय वस्तुओं से बने कुल 1094 बॉबिन जब्त किए हैं। इसके अलावा पीएस मंगलहाट की सीमा में पतंग और मांझा बेचने वाले दुकानदारों को प्रतिबंधित चीनी मांझा न बेचने के बारे में गंभीरता से निर्देश दिया है, अगर कोई निर्देशों का पालन करने में विफल रहता है तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इसके अलावा पुलिस ने इलाके के लोगों और मांझा खरीदने के लिए आने वाले ग्राहकों के साथ कई बैठकें की हैं, जिसमें पतंग उड़ाते समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया गया है और इमारत में ऐसी दीवार/रेलिंग होनी चाहिए जिससे इमारत से गिरने से बचा जा सके। साथ ही उन्हें सख्त निर्देश दिया गया है कि वे प्रतिबंधित चीनी मंज़ा न खरीदें जो सिंथेटिक उत्पादों/गैर-जैव अपघटनीय वस्तुओं से बना है ताकि मानव जीवन/पक्षियों/जानवरों को नुकसान न पहुंचे।

नशीली दवाओं के दुरूपयोग पर बड़ी कार्रवाई में 5 पुलिस के हत्थे चढे

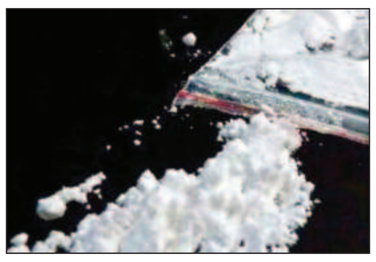

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो (टीजीएएनबी) ने निषेध और आबकारी जैसी विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों और हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा पुलिस के साथ समन्वय में कथित तौर पर ड्रग्स का सेवन करने के आरोप में 5 लोगों को गिरफ्तार किया। टीजीएएनबी के एक अधिकारी ने कहा कि पांचों व्यक्तियों के मादक पदार्थ के सेवन के लिए सकारात्मक परीक्षण किया गया और कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अधिकारी ने कहा कि 2025 के नववर्ष को नशा मुक्त मनाने के लिए नशीली दवाओं के कारोबार और युवाओं को नशे की लत में डालने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। टीजीएएनबी द्वारा स्थानीय पुलिस, एसओटी और डॉग स्क्वायड के साथ मिलकर चलाए गए समन्वित अभियान में, नए साल के जश्न के दौरान पब, फार्महाउस और रिसॉर्ट्स में नशीली दवाओं की जांच की गई। अधिकारी ने कहा कि इसका उद्देश्य सुरक्षित और नशा मुक्त वातावरण सुनिश्चित करना तथा सामाजिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में अवैध नशीले पदार्थों के उपयोग पर रोक लगाना है। यह अभियान कई स्थानों पर चलाया गया, तथा अधिक भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों के एकत्रित होने की संभावना थी। अवैध पदार्थों के प्रभाव में होने के संदेह वाले लोगों के लिए मौके पर ही दवा परीक्षण करने हेतु विशेष टीमें तैनात की गईं।

संयुक्त अभियान ने मादक द्रव्यों के सेवन से निपटने में सामुदायिक सहयोग और जागरूकता के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि प्राधिकारियों ने लोगों को किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने के लिए प्रोत्साहित किया है तथा ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई का वादा किया है। टीजीएएनबी ने नागरिकों से नशीली दवाओं से संबंधित मामलों या नशीली दवाओं के दुरूपयोग की रिपोर्ट करने के लिए टोल-फ्री नंबर 1908 या कंट्रोल रूम 8712671111 पर कॉल करने या tsnabho-hyd@tspolice.gov.in पर ईमेल करने का आग्रह किया है।

4 दिनों में शराबियों ने रिकॉर्ड 926 करोड़ रुपये की पी ली शराब

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में 28 दिसंबर से 31 दिसंबर तक रिकॉर्ड 926 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री हुई। आबकारी एवं मद्य निषेध विभाग के अनुसार, 30 दिसंबर को एक दिन में सबसे अधिक 402 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री हुई।

31 दिसंबर को 282 करोड़ रुपये की शराब बिकी, जबकि 29 दिसंबर को महज 51 करोड़ रुपये की बिक्री हुई। 28 दिसंबर को राज्य में शराब की बिक्री 191 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। अकेले दिसंबर 2024 में शराब पीने वालों ने 3,523.21 करोड़ रुपये की शराब पी। हालांकि, पिछले साल की समान अवधि की तुलना में यह 15 प्रतिशत कम है। दिसंबर 2023 में शराब की बिक्री 4,147.18 करोड़ रुपये थी।

23 दिसंबर को 192.67 करोड़ रुपये, 24 दिसंबर को 196.93 करोड़ रुपये, 26 दिसंबर को 191.59 करोड़ रुपये, 27 दिसंबर को 186.75 करोड़ रुपये, 28 दिसंबर को 191.06 करोड़ रुपये, 29 दिसंबर को 51.15 करोड़ रुपये और 30 दिसंबर को 402.62 करोड़ रुपये। मासिक औसत दैनिक बिक्री 117.44 करोड़ रुपये थी। रिपोर्ट से पता चला कि दिसंबर 2024 में आईएमएल के 35,47,447 केस और बीयर के 42,52,705 केस बेचे गए।

पुष्पा-2 फिल्म के निर्माताओं को हाईकोर्ट से राहत

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने पुष्पा-2 फिल्म के निर्माताओं येलामंचिली रविशंकर और येरनेनी नवीन को हैदराबाद के संध्या थिएटर में भगदड़ मामले में उनके खिलाफ दर्ज मामले के संबंध में राहत दी है।

पुलिस को निर्देश दिया गया है कि जांच जारी रह सकती है, लेकिन उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति के. श्रीजना ने रविशंकर और नवीन द्वारा हाईकोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई के बाद अंतरिम आदेश पारित किया, जिसमें भगदड़ में एक महिला की मौत के मद्देनजर चिक्कड़पल्ली पुलिस द्वारा दर्ज मामले को रद्द करने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए अधिवक्ता एन नवीन कुमार ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ताओं का इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है और उन्होंने कहा कि एफआईआर में उल्लिखित कोई भी आरोप उन पर लागू नहीं होता है। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ताओं के कार्यालय कर्मचारियों ने पुलिस और संध्या थिएटर प्रबंधन को अभिनेता अल्लू अर्जुन के थिएटर में आने की सूचना दी और कहा कि घटना के दिन एसीपी और डीसीपी जैसे वरिष्ठ पुलिस अधिकारी थिएटर में आए और सुरक्षा का निरीक्षण किया। दलीलें सुनने वाले न्यायाधीश ने मामले में अंतरिम आदेश पारित किए। याचिकाकर्ताओं को मामले में पुलिस जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया गया है।

मामले में पुलिस और शिकायतकर्ता को अपने-अपने जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। इस बीच, अदालत ने थिएटर प्रबंधक अड्डा सरथ चंद्र नायुडू, अल्लू अर्जुन के निजी कर्मचारी चेरुकु रमेश और श्रीरामुलु राजू द्वारा जमानत की मांग करते हुए दायर याचिकाओं पर सुनवाई स्थगित कर दी।

मानवाधिकार आयोग ने तेलंगाना और हैदराबाद पुलिस को नोटिस भेजा

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साउथ अभिनेता अल्लु अर्जुन से जुड़े संध्या थिएटर में मची भगदड़ के मामले में हर दिन कुछ नया देखने को मिल रहा है। मामले पर अब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने एक अलग ही मोड़ ला दिया है।

एनएचआरसी ने जारी की नोटिस :

खबरों की मानें तो राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने तेलंगाना के डीजीपी और हैदराबाद पुलिस कमिश्नर को नोटिस जारी कर उन्हें संध्या 70एमएम थिएटर में भगदड़ मामले पर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) 4 सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

पुलिस ने किया था लाठीचार्ज

ये नोटिस राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने अधिवक्ता रामा राव इम्माननी द्वारा दायर एक शिकायत के बाद जारी किया है। कथित तौर पर पुलिस ने इस मामले पर लाठीचार्ज का सहारा लिया। इस पर 4 दिसंबर को भगदड़ के दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा किए गए लाठीचार्ज पर एटीआर मांगी है।

अल्लु अर्जुन से जुड़े मामले में अब तक क्या हुआ :

अल्लु अर्जुन के संध्या थिएटर से जुड़े इस केस में अल्लु अर्जुन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपना पक्ष भी रखा था। संध्या थिएटर में मची भगदड़ और इसमें एक महिला की मौत के मामले में अभिनेता अल्लू जेल में एक रात बिताने के बाद फिलहाल जमानत पर बाहर हैं। इस मामले पर उनसे पूछताछ भी हुई। 4 दिसंबर को हैदराबाद में 'पुष्पा 2' की स्क्रीनिंग के दौरान हुई भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई थी और उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया था। 13 दिसंबर को उनकी गिरफ्तारी के बाद उनके जुबली हिल्स स्थित आवास पर तोड़फोड़ और अब राजनीतिक विवाद के बीच हैदराबाद पुलिस द्वारा उन्हें समन जारी किया जाने को लेकर काफी विवाद चल रहा है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.